खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 । शनिवार, 30 अगस्त, 2025 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । website : https://www.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 14 । मूल्य-8 रु.। वर्ष-7 । अंक-239

भावभीनी श्रद्धांजलि

हमारे समधी जी

श्री गोपालजी अग्रवाल (गोपी भाई)

(सुपुत्र : स्व. श्री नथमलजी बसईवाले)

स्वर्गवास : शुक्रवार दि.22-8-2025

दिल से स्नेह आपका था हम पर, करते हैं नमन आपको ।
श्रद्धा के सब सुमन समर्पित, रखेंगे सदैव स्मरण आपको ।।
इस दुनिया से चले गए आप, दिलों से नहीं जा पाओगे ।
चाहे जिस भव में रहो आप, हम सभी को याद आओगे ।।

– श्रद्धांजलि अर्पितकर्ता –

भगवानदास सत्यनारायण चनानिया

उत्तमचंद शरद संघी (एडवोकेट)

रतनलाल नरेंद्र अग्रवाल

फर्म : **नरेंद्रा स्टील्स**

बालानगर । जेडीमेटला । मेडचल

क्वेटा में आईएसआई और सीटीडी के अधिकारी पांच बलोच छात्रों को घरों से उठाकर ले गए

क्वेटा (बलोचिस्तान), 29 अगस्त (एजेंसियां)।

बलोचिस्तान की राजधानी क्वेटा में आधी रात एक घर पर हुई छापेमारी के दौरान कम से कम पांच बलोच छात्रों को पाकिस्तान के अधिकारी जबरिया उठा ले गए हैं। बताया गया है कि आतंकवाद निरोधी विभाग (सीटीडी) और इंटर सर्विसेज इंटेलिजेंस (आईएसआई) के अधिकारियों ने तड़के लगभग 3:30 बजे क्वेटा के एस्सा नगरी इलाके में एक घर पर छापा मारा। यहां से वह कम से कम पांच छात्रों को अगवा कर अपने साथ ले गए।

खबर के अनुसार, पाकिस्तान के अधिकारियों ने मोहम्मद यासीन (17), शबीक (18), कदीर अहमद (18), कदीर लल्ला (17) और अकरम तकसीर (16) को अगवा किया है। विवरण के अनुसार, मोहम्मद यासीन पुत्र मिस्कान, निवासी शापुक तुरबत केच, शबीक पुत्र मोहम्मद असलम, निवासी शापुक तुरबत केच, कदीर अहमद पुत्र पुलेन निवासी उमेरी खेन सामी तुरबत केच और कदीर लल्ला पुत्र लल्ला, निवासी उमेरी खेन सामी तुरबत केच एफएससी के छात्र हैं। इनके साथ अगवा किया गया अकरम तकसीर पुत्र तकसीर अहमद, निवासी उमेरी खेन सामी तुरबत केच मैट्रिक में पढ़ता है।

बलूच यकजेहती समिति (बीवाईसी) ने बयान में इस घटना की पुष्टि करते हुए अगवा किए गए सभी छात्रों की तत्काल रिहाई की मांग की है। बीवाईसी ने कहा कि इससे पहले खुफिया एजेंसियों, आतंकवाद निरोधी विभाग (सीटीडी) और पुलिस कर्मियों ने बुधवार रात करीब 8:00 बजे गोलिमार चौक पर संगठन के सक्रिय सदस्य नजर मरी को हिरासत में लिया। तब से उसका कुछ पता नहीं है। इसके अलावा पाकिस्तानी सेना ने कथित तौर पर 21 अगस्त को यासीन के बेटे अजमल को अगवा कर लिया है। अवारन के झाओ इलाके से इब्राहिम के बेटे मीरान नाम को अगवा कर लिया गया है।

बीवाईसी ने कहा है कि ऐसी घटनाओं से बलोचों में गहरा आक्रोश पनप रहा है। समूह ने मानवाधिकार संगठनों, मीडिया और अंतरराष्ट्रीय समुदाय से सहयोग की अपील की है। इस बीच पाकिस्तानी अधिकारियों ने अभी तक छात्रों के अगवा किए जाने के आरोपों पर कोई बयान जारी नहीं किया है।

न्यूज ब्रीफ

प्रिंस हैरी और किंग चार्ल्स तृतीय के बीच सुलह, आठ सितंबर को हो सकती है मुलाकात

लंदन। प्रिंस हैरी और उनके पिता किंग चार्ल्स तृतीय के बीच सुलह का रास्ता लगभग खोज लिया गया है। पिता और पुत्र के बीच 20 महीनों में पहली बार होने वाली मुलाकात पर दुनिया भर की निगाहें लगी हुई हैं। प्रिंस हैरी के आठ सितंबर को महारानी एलिजाबेथ द्वितीय की तीसरी पुण्यतिथि पर लंदन में मौजूद रहने की संभावना है। वह वेलचाइल्ड अवार्ड्स में भी शामिल होंगे।

हालांकि उनके भाई विलियम ने कथित तौर पर इस निमंत्रण को अस्वीकार कर दिया है। प्रिंस हैरी अमेरिका में रहते हैं। डेली मेल की खबर के अनुसार, बकिंघम पैलेस के अधिकारियों के साथ एक अनौपचारिक सुलह वार्ता के बाद ड्यूक ऑफ ससेक्स प्रिंस हैरी और उनके पिता किंग चार्ल्स द्वितीय के बीच मुलाकात होनी लगभग तय है। एक अमेरिकी सूत्र के अनुसार, अब दोनों पक्षों में काफी हद तक पारिवारिक मुद्दे सुलझ गए हैं। प्रिंस हैरी की टीम और पैलेस ने बातचीत का सुखद रास्ता खोल दिया है। उल्लेखनीय है कि कुछ समय पहले किंग चार्ल्स द्वितीय का कैंसर का इलाज हुआ है। इस नियोजित मुलाकात के दौरान संभवत: हैरी की पत्नी मेघन मर्केल अपने दोनों बच्चों आर्ची और लिलिबेट के साथ कैलिफोर्निया में ही रहेंगी। किंग चार्ल्स द्वितीय ने दोनों बच्चों से आखिरी बार जून 2022 में मुलाकात की थी। बताया गया है कि पिछले महीने हैरी और मेघन की नई संचार प्रमुख मेरेडिथ मेन्स ने किंग चार्ल्स द्वितीय के संचार सचिव टोबिन एंड्रिया से रॉयल ओवर-सीज लीग (आरओएसएल) में मुलाकात की थी। यह स्थान किंग चार्ल्स द्वितीय के लंदन निवास क्लेरेंस हाउस से तीन मिनट की पैदल दूरी पर है। मई में हैरी ने कहा था कि वह सुलह चाहते हैं क्योंकि उन्हें नहीं पता कि मेरे पिता के पास और कितना समय है।

पाकिस्तान के बलोचिस्तान में सुरक्षा बलों पर हमला, सूबेदार समेत कई जवान मारे गए

क्वेटा (बलोचिस्तान) पाकिस्तान। बलोचिस्तान के पंजगुर और कच्छी जिलों में गुरुवार को एक सशस्त्र समूह ने पाकिस्तान के सुरक्षा बलों को निशाना बनाकर बम विस्फोट किए गए। हमलों में एक सूबेदार समेत कई सुरक्षाकर्मी मारे गए।

अभी तक किसी ने भी हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है। ना ही पाकिस्तान के अधिकारियों ने दोनों जिलों के हमले के संबंध में कोई बयान जारी किया है। खबर में कहा गया है कि कच्छी जिले के कोलपुर इलाके में पाकिस्तानी सुरक्षा बलों के एक बम निरोधक दस्ते पर रेलवे ट्रैक साफ करते समय एक इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस (आईईडी) से हमला हुआ। उसी इलाके में एक और हमले में कथित तौर पर एक सुरक्षा वाहन को निशाना बनाया गया। इसके अलावा पंजगुर जिले के पारोम इलाके में एक चौकी से रवाना हो रहे सुरक्षा बलों के एक वाहन को निशाना बनाकर आईईडी विस्फोट किया गया। स्थानीय सूत्रों ने बताया कि इस विस्फोट में सूबेदार अब्दुल रज्जाक समेत कई सुरक्षाकर्मी मारे गए। इसके अलावा क्वेटा में हथियारबंद लोगों ने मियां घुंडी इलाके में पुलिसकर्मियों को बंधक बनाकर उनके हथियार छीन लिए। स्थानीय सूत्रों के अनुसार, इसके बाद पुलिस वालों को छोड़ दिया गया।

इटली में स्कैंडल का खुलासा : पोर्न पेज पर मिले मेलोनी के फेक फोटो, कई महिला राजनेता शिकार

रोम। इटली में हुए स्कैंडल ने पूरी दुनिया को हिला दिया है। प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी समेत कई बड़ी महिला राजनेता इसकी शिकार हुई हैं। इनकी ओरिजिनल फोटोज के साथ छेड़छाड़ कर अश्लील बनाया जा रहा था और पोर्न बेवसाइट पर पोस्ट किया जा रहा था।

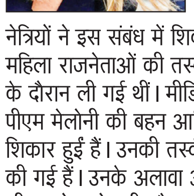

कई नेत्रियों ने इस संबंध में शिकायत भी दर्ज करा दी है। महिला राजनेताओं की तस्वीरें रैलियों या टीवी इंटरव्यू के दौरान ली गई थीं। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, पीएम मेलोनी की बहन आरियाना भी इस स्कैंडल का शिकार हुई हैं। उनकी तस्वीरें भी प्लेटफॉर्म पर पोस्ट की गई हैं। उनके अलावा अभिनेत्री पाओला कोर्टेलेसी, सी एन्कोरा डोमानी और इन्फ्लुएंस शियारा फैराग्नी शामिल हैं। रिपोर्ट के अनुसार, फिका नाम के प्लेटफॉर्म पर पोस्ट महिला राजनेताओं की ये तस्वीरें उनके सोशल मीडिया अकाउंट्स या पब्लिक सोर्स से ली गई थीं। बाद में इन्हें एडिट कर पोस्ट किया गया था। इस वेबसाइट के 7 हजार से ज्यादा फॉलोअर्स हैं। आरोपियों ने महिलाओं की तस्वीरों के साथ अभद्र भाषा का भी इस्तेमाल किया था। फर्जी तस्वीरों पोस्ट करने को लेकर सबसे पहले शिकायत पीडी पार्टी की राजनेता वेलेरिया कैंपाग्ना थीं। एक फेसबुक पोस्ट में उन्होंने बताया कि वह इस घटना से निराश और नाराज हैं। साथ ही उन्होंने कहा कि जब उन्हें पता चला कि बगैर इजाजत के फोटो पोस्ट किए गए हैं।

जापान के टोक्यो में भारतीय समुदाय के स्नेह से प्रधानमंत्री मोदी प्रभावित

कहा-यह यात्रा दोनों देशों के बीच सहयोग की नई संभावना को देगी आकार

टोक्यो (जापान), 29 अगस्त (एजेंसियां)।

भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी अपनी जापान की दो दिवसीय यात्रा के तहत राजधानी टोक्यो पहुंच चुके हैं। टोक्यो में भारतीय समुदाय के सदस्यों ने उनसे मुलाकात की है। प्रधानमंत्री मोदी ने अब से कोई दो घंटे पहले इस मुलाकात के फोटो और विवरण को अपने आधिकारिक एक्स हैंडल पर साझा किया है।

प्रधानमंत्री मोदी ने लिखा, टोक्यो में भारतीय समुदाय के स्नेह ने मुझे बहुत प्रभावित किया। यह सचमुच प्रशंसनीय है कि कैसे वे जापानी समाज में महत्वपूर्ण योगदान देते हुए हमारी सांस्कृतिक जड़ों को संरक्षित रखते हैं।अगले कुछ घंटों में मैं भारत और जापान के बीच व्यापार और निवेश संबंधों को और मजबूत बनाने के उद्देश्य से व्यापारिक नेताओं के साथ बातचीत करूंगा।

प्रधानमंत्री मोदी ने जापान की राजधानी पहुंचने के बाद एक अन्य एक्स पोस्ट में लिखा, मैं टोक्यो पहुंच गया हूं। भारत और जापान विकास सहयोग को और मजबूत करने की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं और मुझे उम्मीद है कि यह यात्रा प्रधानमंत्री इशिबा और अन्य लोगों के साथ विचारों के आदान-प्रदान, हमारी मौजूदा साझेदारी को और मजबूत करने और सहयोग की नई संभावनाओं को तलाशने का अवसर प्रदान करेगी।

भारत रक्षा के क्षेत्र में जापान के साथ काम करेगा

प्रधानमंत्री मोदी ने जापान यात्रा शुरू करने से पहले योमिउरी शिंबुन समाचार पत्र को दिए लिखित साक्षात्कार में कहा कि भारत रक्षा के क्षेत्र में जापान के साथ और अधिक निकटता से काम करेगा। द जापान न्यूज के अनुसार, प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि सुरक्षा सहयोग पर जापान-भारत संयुक्त घोषणापत्र, जिसे उनकी यात्रा के दौरान संशोधित किया जाना है, आने वाली पीढ़ियों के लिए एक सुरक्षित और स्थिर हिंद-प्रशांत क्षेत्र को आकार देने की हमारी महत्वाकांक्षा को आगे बढ़ाएगा।

संयुक्त घोषणापत्र का संशोधित मसौदा (जिस पर मूल रूप से 2008 में हस्ताक्षर किए गए थे) आर्थिक सुरक्षा और रक्षा उद्योग में सहयोग जैसे नए क्षेत्रों को शामिल करता है। जापान और भारत ने शुक्रवार को प्रधानमंत्री शिगेरु इशिबा और मोदी के बीच होने वाली बैठक के दौरान संशोधित दस्तावेज के आदान-प्रदान करने की योजना बनाई है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि रक्षा क्षेत्र में सहयोग भारत और जापान के लिए एक मजबूत सफलता की कहानी रहा है। उन्होंने लिखा, रक्षा प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में भी जापान का एक सिद्ध रिकॉर्ड है। राजनीतिक विश्वास और सहयोग के साथ हम न केवल अपने बल्कि दुनिया के लिए भी अगली पीढ़ी के रक्षा प्लेटफॉर्म डिजाइन और उत्पादन कर सकते हैं।

प्रधानमंत्री मोदी ने लिखा, भारत के पैमाने और क्षमताओं को जापान की उन्नत तकनीकों के साथ जोड़कर हम एक लचीली और विश्वसनीय सेमीकंडक्टर मूल्य श्रृंखला का निर्माण कर सकते हैं। इस क्षेत्र में सहयोग भारत-जापान साझेदारी का एक प्रमुख स्तंभ बनेगा।

भारत हाई-स्पीड रेल परियोजना में अपनाएगा शिंकानसेन प्रणाली

साक्षात्कार में प्रधानमंत्री मोदी ने भारत में एक हाई-स्पीड रेल परियोजना का भी वर्णन किया। यह परियोजना जापान की शिंकानसेन प्रणाली को अपनाएगी। उन्होंने कहा कि यह रेल परियोजना वाणिज्यिक केंद्र मुंबई और औद्योगिक शहर अहमदाबाद को जोड़ेगी। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, हमने बड़ा लक्ष्य निर्धारित किया है। वह है-देश में 7,000 किलोमीटर हाई-स्पीड रेल नेटवर्क उपलब्ध कराना। मैं इस प्रयास में जापानी कंपनियों की सक्रिय भागीदारी का स्वागत करता हूं।

चीन रवाना होने से पहले सेमीकंडक्टर कारखाने का निरीक्षण करेंगे

योमिउरी शिंबुन की खबर के अनुसार, भारतीय प्रधानमंत्री मोदी 29 अगस्त की सुबह जापान पहुंचे। वे जापान के प्रधानमंत्री आवास पर प्रधानमंत्री इशिबा से मुलाकात करेंगे। दोनों नेता जापान और भारत के बीच सुरक्षा सहयोग और आर्थिक साझेदारी को मजबूत करने पर केंद्रित एक संयुक्त वक्तव्य जारी करेंगे। मई 2023 के बाद यह मोदी की पहली जापान यात्रा है। बैठक के बाद दोनों नेता समझौते के दस्तावेजों का आदान-प्रदान करने के लिए एक समारोह आयोजित करेंगे और एक संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करेंगे। इसके बाद वे रात्रिभोज में अपनी चर्चा जारी रखेंगे। मोदी 30 अगस्त को अपने अगले गंतव्य चीन के लिए रवाना होने से पहले एक सेमीकंडक्टर निर्माण उपकरण कारखाने का निरीक्षण करेंगे।

यूएन सुरक्षा परिषद ने लेबनान शांति मिशन को 2026 तक बढ़ाया

फिर शुरू होगा अंतिम वापसी चरण

संयुक्त राष्ट्र, 29 अगस्त (एजेंसियां)।

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) ने लेबनान में लंबे समय से चल रहे शांति मिशन को अंतिम बार बढ़ाने का फैसला किया है। अब यह मिशन 31 दिसंबर 2026 तक जारी रहेगा, जिसके बाद एक साल के भीतर इसकी क्रमबद्ध और सुरक्षित वापसी शुरू होगी। सुरक्षा परिषद ने गुरुवार को फ्रांस द्वारा तैयार मसौदे को सर्वसम्मति से मंजूरी दी। प्रस्ताव में कहा गया है कि लेबनान सरकार के साथ परामर्श कर 2026 के अंत से एक साल के भीतर यूएन इंटरिम फोर्स इन लेबनान की वापसी की जाएगी, ताकि दक्षिणी लेबनान में सुरक्षा की जिम्मेदारी केवल लेबनान सरकार के हाथ में हो।

यूएन इंटरिम फोर्स इन लेबनान की स्थापना 1978 में हुई थी। यह मिशन दक्षिणी लेबनान और इजराइल की सीमा पर निगरानी करता है। 2006 में इजराइल और हिज्बुल्लाह के बीच युद्ध के बाद इसके अधिकार बढ़ाए गए थे, ताकि शांति सैनिक लेबनानी सेना के साथ मिलकर हथियारबंद समूहों को रोक सकें।

हालांकि, हिज्बुल्लाह के प्रभाव के कारण यह मिशन विवादों में रहा है। इजराइल के यूएन राजदूत डैनी डैनन ने कहा, दशकों तक यूनीफिल का विस्तार केवल भ्रम साबित हुआ है। इस मिशन ने हिज्बुल्लाह को खतरनाक क्षेत्रीय ताकत बनने दिया।

अमेरिका ने स्पष्ट कर दिया है कि यह यूनीफिल के लिए अंतिम विस्तार है। अमेरिकी कार्यवाहक राजदूत डोरोथी शीया ने कहा, लेबनान की सुरक्षा स्थिति में पिछले एक साल में बड़ा बदलाव आया है। अब समय है कि लेबनान अधिक जिम्मेदारी ले। लेबनान के प्रधानमंत्री नवाफ सलाम ने प्रस्ताव का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि यह इजराइल से उन पांच इलाकों से सेना हटाने का आह्वान दोहराता है, जहां वह अब भी कब्जा किए हुए है।

भारत विरोधी जॉर्ज सोरोस पर राष्ट्रपति ट्रंप की टेढ़ी नजर, हो सकता है बड़ा एक्शन

वाशिंगटन। भारत विरोधी कहे जाने वाले जॉर्ज सोरोस की अब लंका लगने वाली है। भारत खिलाफ आग उगलने वाले सोरोस पर अब राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की टेढ़ी नजर पड़ चुकी है। ट्रंप ने जॉर्ज सोरोस और उनके बेटे पर अमेरिका में हिंसक विरोध प्रदर्शनों का समर्थन करने का आरोप लगाया है। इतना ही नहीं, उनके खिलाफ आपराधिक मुकदमा चलाने की मांग की है। ट्रंप ने कहा कि जॉर्ज सोरोस और उनके अद्भुत कट्टरपंथी वामपंथी बेटे एलेक्स पर हिंसक विरोध प्रदर्शनों और अन्य कई चीजों का समर्थन करने के कारण रिको का आरोप लगाया जाना चाहिए। डोनाल्ड ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा, 'जॉर्ज सोरोस और उनके अद्भुत कट्टरपंथी वामपंथी बेटे पर पूरे अमेरिका में हिंसक विरोध प्रदर्शनों और अन्य कई गतिविधियों का समर्थन करने के कारण रिको का आरोप लगाया जाना चाहिए। हम इन पागलों को अमेरिका को और बर्बाद करने की इजाजत नहीं देंगे। उसे 'सांस लेने और आजाद होने का जरा भी मौका नहीं देंगे। सोरोस और उनके मनोरोगियों के समूह ने हमारे देश को बहुत नुकसान पहुंचाया है। इसमें उनके पागल, पश्चिमी तट के दोस्त भी शामिल हैं। सावधान रहें, हम आप पर नजर रख रहे हैं! इस मामले पर ध्यान देने के लिए धन्यवाद!

अमेरिका से निर्वासित सात प्रवासी पहुंचे रवांडा, 250 लोगों तक ट्रांसफर की योजना

वाशिंगटन/नैरोबी, 29 अगस्त (एजेंसियां)।

रवांडा ने इस महीने की शुरुआत में अमेरिका से निर्वासित सात प्रवासियों को स्वीकार किया है। यह कदम ऐसे समय उठाया गया है जब हाल ही में दोनों देशों के बीच 250 प्रवासियों तक के ट्रांसफर के लिए समझौता हुआ था।

रवांडा सरकार की प्रवक्ता योलांडे माकोलो ने गुरुवार को जारी बयान में कहा, पहला समूह, जिसमें सात सत्यापित प्रवासी शामिल थे, अगस्त के मध्य में रवांडा पहुंचे। इनमें से तीन ने अपने मूल देश लौटने की इच्छा जताई है, जबकि चार लोग यहीं रहकर नई जिंदगी शुरू करना चाहते हैं। उनकी जरूरतों के अनुसार सभी को आवश्यक सहायता और सुरक्षा प्रदान की जाएगी।

माकोलो ने बताया कि इन प्रवासियों को वर्कफोर्स ट्रेनिंग, स्वास्थ्य सेवाएं और आवास की सुविधा दी जाएगी। उन्होंने यह भी कहा कि प्रवासियों के साथ एक अंतरराष्ट्रीय संगठन के प्रतिनिधि मौजूद थे और उन्हें अंतरराष्ट्रीय प्रवासन संगठन (आईओएम) और रवांडा की सामाजिक सेवाओं द्वारा सहायता प्रदान की जा रही है।

दरअसल, अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप लंबे समय से सख्त इमिग्रेशन नीति अपना रहे हैं।

उनका लक्ष्य अमेरिका में अवैध रूप से रह रहे लाखों प्रवासियों को देश से बाहर करना है। प्रशासन का कहना है कि थर्ड-कंट्री डिपोर्टेशन ऐसे प्रवासियों को तेजी से हटाने में मदद करता है, जिनमें आपराधिक पृष्ठभूमि वाले लोग भी शामिल हो सकते हैं।

हालांकि, मानवाधिकार समूहों ने इस नीति की आलोचना की है। उनका कहना है कि यह कदम खतरनाक और अमानवीय है क्योंकि प्रवासियों को ऐसे देशों में भेजा जा सकता है जहां वे हिंसा, असुरक्षा, भाषा और सांस्कृतिक चुनौतियों का सामना कर सकते हैं।

अक्साई चिन पर हमला करने वाले से दोस्ती बढ़ा रहा भारतः पीटर नवारो

वाशिंगटन, 29 अगस्त (एजेंसियां)।

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के व्यापार सलाहकार पीटर नवारो ने भारत पर आरोप लगाते हुए कहा कि भारत जिस चीन के साथ दोस्ती बढ़ा रहा है। उसने ही उसके लद्दाख वाले अक्साई चिन के इलाके पर हमला किया था। मालूम हो कि यह पहला मौका नहीं है कि पीटर नवारो ने भारत के खिलाफ यूं जहर उगला है। पूर्व में वो भारत को टैरिफ का महाराज कह चुके हैं। बीते 27 अगस्त को अमेरिका के वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट ने इस बात के संकेत दिए थे कि अंत में भारत और अमेरिका एक साथ आएंगे। समस्या का हल निकलेगा।

साक्षात्कार में नवारो ने यह बातें कहीं। लेकिन वो केवल अक्साई चिन तक ही नहीं रुके। उन्होंने आगे कहा कि भारत जो कि एक लोकतांत्रिक देश है। वो तानाशाही वाले देशों जैसे चीन और रूस के साथ अपने संबंधों को मजबूत बनाने में लगा हुआ है। चीन के साथ भारत का दशकों पुराना संघर्ष जारी है। उसने आपके कई इलाकों पर हमला किया था। जिसमें अक्साई चिन को हड़पना भी शामिल है। वो (चीन) आपका (भारत) का दोस्त नहीं है। रूस को लेकर नवारो ने कहा कि रूस की जहां तक बात है तो मैं क्या ही कहूं

नवारो ने ये भी कहा कि भारत के पास अमेरिका द्वारा लगाए गए 25 फीसदी दंडात्मक टैरिफ से छूट पाने का एक रास्ता मौजूद है। अगर वह रूस से कच्चा तेल खरीदना बंद कर दे और यूक्रेन युद्ध को बढ़ावा देना बंद दे तो कल ही उसे 25 फीसदी टैरिफ से निजात यानी छूट मिल सकती है। भारत के बारे में एक बात अमेरिका को बेहद परेशान कर रही है। वो यह है कि वो लगातार अहंकार के साथ कह रहे हैं कि यह हमारी संप्रभुता है कि हम जिससे चाहें उससे तेल की खरीद कर सकते हैं। जो कि ठीक नहीं है। ट्रंप के व्यापार सलाहकार ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को एक महान और परिपक्व देश का नेता बताया। साथ ही कहा कि मैं हैरान हूं कि इसके बाद भी ये सब कुछ हो रहा है।

सरकारी सूत्रों ने कहा कि भारत, अमेरिका के बीच बनी हुई वर्तमान परिस्थिति अस्थायी है। बावजूद इसके कि दोनों देशों के बीच एक दीर्घकालिक संबंध हैं। निर्यातकों को टैरिफ के प्रभावों को लेकर बहुत अधिक चिंता करने की कोई आवश्यकता नहीं है। क्योंकि इनका प्रभाव बहुत ज्यादा नहीं पड़ने वाला है। क्योंकि भारत के पास विविधतापूर्ण निर्यात आधार मौजूद है। वहीं, भारत-अमेरिका व्यापार समझौते (बीटीए) को लेकर अगले दौर की वार्ता के लिए दोनों देशों के बीच अभी तारीखें तय नहीं हुई हैं। जिसके पीछे 50 फीसदी टैरिफ ही जिम्मेदार है। इस मुद्दे के बीच अमेरिकी के साथ बीटीए की बातचीत को आधिकारिक तौर पर किया जाना उचित नहीं है। दोनों देशों के बीच बीते मार्च महीने से व्यापार समझौते पर चर्चा चल रही है। जिसके पांच दौर हो चुके हैं। छठे के लिए 25 अगस्त को अमेरिकी दल को भारत आना था। लेकिन यह बैठक फिलहाल आगे के लिए टल गई है।

खबरें जो सोच बदल दे

शुभ लाभ

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 | शनिवार, 30 अगस्त, 2025 | हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित | website : https://www.shubhlabhdaily.com | संपादक : गोपाल अग्रवाल | पृष्ठ : 14 | मूल्य-8 रु. | वर्ष-7 | अंक-239

इंडिया-टुडे और सी-वोटर का मूड ऑफ द नेशन सर्वे रिपोर्ट जारी

आज लोकसभा चुनाव हुए तो एनडीए को मिलेंगी 324 सीटें

नई दिल्ली, 29 अगस्त (एजेंसियां)। 2024 के लोकसभा चुनावों के साल भर बाद भाजपा के नेतृत्व वाले नेशनल डेमोक्रेटिक एलायंस (एनडीए) की लोकप्रियता बढ़ी है। नरेंद्र मोदी सरकार के कामकाज से लोग संतुष्ट हैं। यदि आज चुनाव हुए तो एनडीए लोकसभा की 324 सीटें जीत सकता है। अकेले भाजपा की सीटें भी 2024 के 240 से बढ़कर 260 होने का अनुमान है। वहीं, विपक्ष के तौर पर राहुल गांधी की भूमिका लोगों को प्रभावित नहीं कर रही है और इंडी गठबंधन की सीटें 2024 के 234 से घटकर 208 हो सकती हैं। जनता का यह मिजाज इंडिया-टुडे और सी-वोटर के मूड ऑफ द नेशन सर्वे से सामने आया है। इस सर्वे के आंकड़े ऐसे समय में सामने आए हैं, जब इंडी गठबंधन वोट चोरी का प्रो-पेगेंडा फैला कर जनादेश को खारिज करने की कोशिश में जुटा है। प्रधानमंत्री के तौर पर नरेंद्र मोदी आज भी देश के लोगों की पहली पसंद हैं। 52 प्रतिशत लोगों

प्रधानमंत्री के रूप में नरेंद्र मोदी ही लोगों की पहली पसंद

का मानना है कि प्रधानमंत्री के तौर पर वे सबसे बेहतर हैं। वहीं, महज 25 प्रतिशत लोग राहुल गांधी को पीएम के तौर पर देखना चाहते हैं। एनडीए में नरेंद्र मोदी के बाद प्रधानमंत्री पद के लिए 28 प्रतिशत लोगों की पसंद अमित शाह, 26 प्रतिशत लोगों की पसंद

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और 7 प्रतिशत लोगों की पसंद केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी हैं। यानि, प्रधानमंत्री के लिए लोगों की पसंद में नरेंद्र मोदी के बाद अमित शाह और उसके बाद योगी

लोगों ने कहा, राहुल गांधी फ्लॉप नेता, इंडी का ग्राफ नीचे

आदित्यनाथ प्राथमिकता में हैं। राहुल गांधी का नंबर उसके बाद है। सर्वे के दौरान लोगों से प्रधानमंत्री के तौर पर नरेंद्र मोदी के प्रदर्शन को लेकर भी सवाल किया गया। 34 प्रतिशत लोगों ने उनके कार्यकाल को बहुत अच्छा और 24 प्रतिशत लोगों ने अच्छा बताया। यानि, 58 प्रतिशत लोग उनके काम से संतुष्ट हैं। वहीं विपक्ष के नेता के तौर पर राहुल गांधी के प्रदर्शन को 15 प्रतिशत लोगों ने खराब और 12 प्रतिशत लोगों ने बहुत ही खराब बताया है। 17 प्रतिशत लोग अयोध्या में राम मंदिर और वाराणसी में काशी विश्वनाथ कॉरिडोर के निर्माण को एनडीए सरकार की सबसे बड़ी उपलब्धि मानते हैं। 12 प्रतिशत लोगों ने ऑपरेशन सिंदूर, 10 प्रतिशत लोगों ने बुनियादी ढांचे के विकास, 9 प्रतिशत लोगों ने अनुच्छेद 370 के खात्मे, 7 प्रतिशत लोगों ने लोक कल्याणकारी योजनाओं और 6 प्रतिशत लोगों ने भ्रष्टाचार मुक्त सरकार को बड़ी उपलब्धि बताया है।

▶10पर

सात साल बाद जापान पहुंचे पीएम मोदी का हुआ भव्य स्वागत

भारत-जापान साझेदारी विश्व शांति के लिए जरूरी : मोदी

प्रधानमंत्री मोदी व प्रधानमंत्री इशिबा के बीच हुई अहम वार्ता

जापान की व्यापारिक हस्तियों को भारत में निवेश का न्यौता

टोक्यो, 29 अगस्त (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शुक्रवार 29 अगस्त को दो दिन की जापान यात्रा पर टोक्यो पहुंचे। हानेडा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर प्रधानमंत्री मोदी का जोरदार स्वागत किया गया। जापान के लोगों ने गायत्री मंत्र गाकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का स्वागत किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की जापान के प्रधानमंत्री शिगेरू इशिबा से मुलाकात हुई। दौरान दोनों नेताओं ने व्यापार, निवेश और तकनीकी क्षेत्रों सहित समग्र द्विपक्षीय संबंधों को और विस्तारित करने पर बात की। शिखर वार्ता से पहले प्रधानमंत्री ने भारत-जापान व्यापार मंच को संबोधित करते हुए कहा कि जापान की प्रौद्योगिकी और भारत की प्रतिभा मिलकर इस सदी की तकनीकी क्रांति का नेतृत्व कर सकती है। जापान में प्रधानमंत्री मोदी का दौरा शनिवार 30 अगस्त तक चलेगा, इसके बाद प्रधानमंत्री मोदी चीन के शहर तिआनजिन जाएंगे। वहां वे 31 अगस्त और 1 सितंबर को शंघाई सहयोग संगठन (एस-सीओ) के वार्षिक सम्मेलन में हिस्सा लेंगे। इस दौरान उनकी चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग से द्विपक्षीय बैठक ▶10पर

भारत-चीन साथ काम करें तो वैश्विक अर्थ-व्यवस्था स्थिर होगी : मोदी

टोक्यो, 29 अगस्त (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जापानी समाचार पत्र को दिए साक्षात्कार में कई अहम मुद्दों पर अपनी बात रखी। इस दौरान पीएम मोदी ने भारत-जापान के साथ-साथ चीन के साथ स्थिर संबंधों पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा कि विश्व आर्थिक व्यवस्था में स्थिरता लाने के लिए भारत और चीन का साथ काम करना बेहद जरूरी है। उन्होंने कहा कि नई दिल्ली आपसी सम्मान, साझा हितों और परस्पर संवेदनशीलता के आधार पर दोनों देशों के द्विपक्षीय संबंधों को रणनीतिक और दीर्घकालिक दृष्टिकोण से आगे बढ़ाने के लिए तैयार है। जापान यात्रा के दौरान द योमिउरी शिंबुन को दिए साक्षात्कार में पीएम मोदी ने कहा कि भारत और चीन दुनिया की दो सबसे बड़ी आबादी वाले देश और पड़ोसी भी हैं। अगर आपसी संबंध स्थिर, पूर्वानुमेय और मैत्रीपूर्ण बनाएं, तो उसका सकारात्मक असर क्षेत्रीय और वैश्विक शांति एवं समृद्धि पर पड़ेगा। ▶10पर

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सम्मेलन में मोहन भागवत ने कहा

देश में आबादी का संतुलित होना बेहद जरूरी

नई दिल्ली, 29 अगस्त (एजेंसियां)। विज्ञान भवन में आयोजित राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के शताब्दी वर्ष में आयोजित तीन दिवसीय संवाद के अंतिम दिन प्रश्नोत्तर सत्र को संबोधित करते हुए संघ प्रमुख मोहन भागवत ने कहा, बढ़ती हुई जनसंख्या देश के लिए बोझ और अवसर दोनों है। जनसंख्या नीति ऐसी होनी चाहिए, जिसमें आबादी की जरूरत को पूरा करने के साथ इसे नियंत्रित भी किया जा सके और संपूर्ण आबादी का ठीक से पालन-पोषण हो सके। इस नीति से देश की जरूरत और आबादी के बीच बेहतर संतुलन कायम होना चाहिए।

संघ प्रमुख ने कहा, शास्त्र के साथ विज्ञान भी यह कहता है कि जन्मदर उचित होनी चाहिए। अगर ऐसा नहीं हुआ तो संबंधित वर्ग या समाज विलुप्त हो जाता है। इसी नीति के तहत सभी देश एक दंपति के कम से कम तीन बच्चों के सिद्धांत या नीति पर आगे बढ़ रहे हैं। संघ प्रमुख ने कहा, नई परिस्थितियों में देश के हर वर्ग, समुदाय, धर्म की जन्म दर घटी है, लेकिन सबसे तेज गिरावट हिंदुओं के जन्म दर में आई है। उन्होंने कहा कि आबादी अधिक बढ़ने पर इसे नियंत्रित करने के लिए प्रकृति भी अपना काम करती है। संघ प्रमुख मोहन भागवत

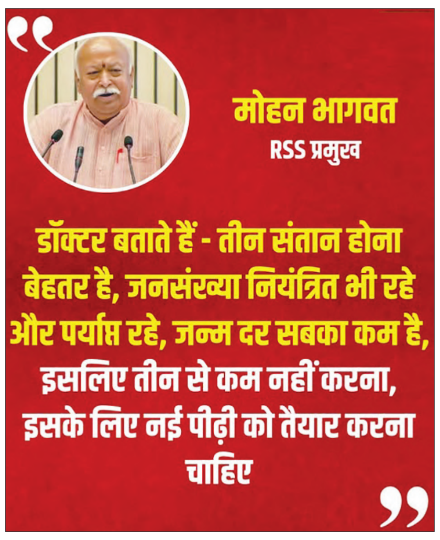

ने एक दंपति के तीन बच्चे की वकालत करते हुए कहा कि जिस समाज में परिवारों के तीन से कम संतानें हों, उनका अस्तित्व धीरे-धीरे खत्म हो जाता है। उन्होंने आबादी नियंत्रण के साथ पर्याप्त जनसंख्या को भी देश के लिए जरूरी बताया। संघ प्रमुख ने कहा, देश की जनसंख्या नीति के मुताबिक एक दंपति के पास 2.1 बच्चे चाहिए। ▶10पर

चीन सरकार के मुखपत्र ग्लोबल टाइम्स ने लिखा

ड्रैगन और हाथी लाएंगे स्थिरता और समृद्धि

मोदी के टैरिफ विरोध से चीन खुश

नई दिल्ली, 29 अगस्त (एजेंसियां)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के टैरिफ-ट्रिक के खिलाफ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के ताल ठोकने से टैरिफ प्रभावित तमाम देश काफी गदगद हैं। इनमें चीन प्रमुख है। चीन के सरकारी मुखपत्र ग्लोबल टाइम्स ने लिखा है, ड्रैगन और हाथी ही दुनिया में स्थिरता और समृद्धि लाएंगे। ग्लोबल टाइम्स ने लिखा, मोदी की चीन यात्रा भारत-चीन संबंधों को सुधारने का एक बढ़िया अवसर है। दोनों देश अपने रिश्तों को साझेदार की तरह संभालने की कोशिश कर रहे हैं।

उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी दो दिन की जापान यात्रा के बाद एससीओ सम्मेलन में हिस्सा लेने के लिए चीन के शहर तिआनजिन जाएंगे। वहां प्रधानमंत्री मोदी की चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग से मुलाकात हो सकती है। एससीओ सम्मेलन के दौरान ही प्रधानमंत्री मोदी और रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की भी मुलाकात होगी। ट्रंप के टैरिफ-ट्रिक को लेकर भारत की अमेरिका के साथ संबंधों में तल्खी के बीच जापान, रूस और चीन के प्रमुखों से प्रधानमंत्री मोदी की बातचीत को अहम माना जा रहा है। प्रधानमंत्री मोदी की यात्रा से पहले चीन के सरकारी मीडिया ग्लोबल टाइम्स ने अपने संपादकीय में प्रधानमंत्री मोदी की इस यात्रा को ऐतिहासिक बताया है। ग्लोबल टाइम्स ने लिखा है, भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 31 अगस्त से 1 सितंबर 2025 तक चीन के तियानजिन शहर में आयोजित एससीओ शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेने जा रहे हैं। यह 7 वर्षों में उनकी पहली चीन यात्रा है। ▶10पर

पीएम मोदी और उनकी माता जी के लिए अपशब्द पर बवाल

अपशब्द बोलने के लिए माफी मांगें राहुल गांधी: अमित शाह

नई दिल्ली/पटना, 29 अगस्त (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनकी दिवंगत माताजी के लिए अपशब्दों का इस्तेमाल करने वाले कांग्रेस नेता राहुल गांधी और उनके कार्यकर्ताओं के खिलाफ माहौल बेहद गर्म और तनावपूर्ण हो गया है। इसके खिलाफ बिहार में जमकर धरना-प्रदर्शन हो रहे हैं और राहुल गांधी के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने की मांग की जा रही है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और एआईएमआईएम के सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने भी मर्यादा उल्लंघन की इस हरकत की सख्त

अभद्र भाषा का इस्तेमाल सूरज पर थूकने जैसा है : योगी

किसी को भी शालीनता लांघने का अधिकार नहीं : ओवैसी

निंदा की है। बिहार रैली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनकी मां को अपशब्द कहने वाले राहुल गांधी को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने जमकर लताड़ा। अमित शाह ने कहा कि कांग्रेस नेता को माफी मांगनी चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि ये लोग जितनी गालियां देंगे, कमल उतना ही खिलता जाएगा। शाह ने कहा, कांग्रेस नेताओं ने अपनी घुसपैठिया बचाओ यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री मोदी की मां के खिलाफ अपमानजनक शब्दों का इस्तेमाल करके बेहद निंदनीय कृत्य किया है। मैं इसकी निंदा करता हूं। हर कांग्रेस नेता ने प्रधानमंत्री मोदी के खिलाफ अपमानजनक शब्द कहे हैं। ▶10पर

प्रधानमंत्री जन धन योजना के ग्यारह वर्ष पूरे हुए

11 साल में आम आदमी की मुट्ठी में आए बैंक

56.16 करोड़ खातों में 2.68 लाख करोड़ जमा

नई दिल्ली, 29 अगस्त (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री जन धन योजना ने ग्यारह वर्षों में 56 करोड़ से ज्यादा खाते खोलकर वित्तीय समावेशन का नया अध्याय लिखा है। महिलाओं की भागीदारी, गरीबों की सुरक्षा और सीधे लाभांतरण से यह योजना गरीबों की जीवन रेखा बन गई है।

प्रधानमंत्री जन धन योजना के 11 साल पूरे हो गए। अब से ग्यारह साल पहले भारत आर्थिक रूप से बहुत अलग था। करोड़ों लोग ऐसे थे जिनके पास न तो कोई बैंक खाता था और न ही औपचारिक वित्तीय सेवाओं तक पहुंच। खासकर ग्रामीण और पिछड़े इलाकों में आम लोग अपनी मेहनत की कमाई घर में रखते थे या फिर ऊंचे ब्याज पर साहूकारों से कर्ज लेते थे। नतीजा यह होता कि गरीबी और कर्ज का बोझ कभी कम नहीं होता। आर्थिक सुरक्षा तो उन परिवारों के लिए दूर का सपना था। ऐसे माहौल में 28 अगस्त 2014 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने प्रधानमंत्री जन धन योजना की शुरुआत की। इसका मकसद था, हर भारतीय को बैंकिंग से जोड़ना, हर परिवार को वित्तीय पहचान देना और हर नागरिक को आर्थिक सुरक्षा दिलाना।

इस योजना ने बैंकिंग की दुनिया को आम आदमी के दरवाजे तक पहुंचा दिया। जीरो बैलेंस खाते, आसान केवाईसी प्रक्रिया, रुपे डेबिट कार्ड और बीमा जैसी सुविधाओं ने गरीबों के लिए बैंक को सहज और सुलभ बना दिया। ग्यारह साल के इस सफर में जन धन योजना ने जो बदलाव किए, ▶10पर

वायु प्रदूषण से भारत में घट गए जिंदगी के 3.5 साल

नई दिल्ली, 29 अगस्त (एजेंसियां)। भारत में सांस लेना दिन-ब-दिन मुश्किल होता जा रहा है। हवा में घुला प्रदूषण अब केवल खांसी-जुकाम तक सीमित नहीं है, बल्कि यह हमारी जिंदगी के साल छीन रहा है। शिकागो विश्वविद्यालय के एनर्जी पॉलिसी इंस्टीट्यूट (एपिक) की एक ताज़ा स्टडी बताती है कि वायु प्रदूषण भारत में औसत आयु को 3.5 साल कम कर रहा है। यह आंकड़ा चौंकाने वाला है, क्योंकि यह बच्चों और माताओं में कुपोषण (1.6 साल) और तंबाकू के इस्तेमाल (1.5 साल) से होने वाले नुकसान से ▶10पर

23वें लॉ कमीशन के सदस्य हितेश जैन ने बेबाकी से कहा

'सियासी' जजों के चेहरे से नकाब हटना जरूरी

नई दिल्ली, 29 अगस्त (एजेंसियां)। विपक्षी गठबंधन के उपराष्ट्रपति पद के उम्मीदवार बी. सुदर्शन रेड्डी के मुद्दे पर भारतीय न्यायपालिका दो धड़ों में बंटती दिखाई दे रही है। दरअसल सुदर्शन रेड्डी को लेकर अमित शाह ने जो बयान दिया था, उस पर कुछ रिटायर्ड जजों ने आपत्ति जताई थी। अब उन जजों के जवाब में 56 अन्य पूर्व जजों ने खुला पत्र लिखा है, जिसमें कहा गया है कि राजनीतिक बयानों से न्यायपालिका की गरिमा को नुकसान हो रहा है। 23वें लॉ कमीशन के सदस्य हितेश जैन ने भी सुदर्शन रेड्डी का समर्थन करने वाले पूर्व जजों के प्रति नाराजगी जाहिर की

है। हितेश जैन ने कहा, हाल ही में जस्टिस अभय ओका के कुछ इंटरव्यू पढ़े और मुझे बिल्कुल भी हैरानी नहीं हुई कि उन्होंने भी जस्टिस सुदर्शन रेड्डी के समर्थन में लिखे पत्र पर हस्ताक्षर किए थे। हितेश जैन ने कहा कि ऐसा ट्रेंड चल रहा है कि ज्यादा से ज्यादा रिटायर्ड जज खुलकर राजनीतिक कार्यकर्ताओं की तरह व्यवहार कर रहे हैं और ये बात मुझे परेशान करती है। हितेश जैन ने कई पूर्व जजों के नाम लेकर दावा किया कि न्यायिक आजादी के सैद्धांतिक रुख के बजाय, ये जज पक्षपाती हो रहे हैं। जैन ने लिखा न्यायिक आजादी, प्रेस कॉन्फ्रेंस करने, इंटरव्यू देने या पक्षपाती पत्रों के जरिए सुरक्षित नहीं रहती, बल्कि इसके लिए जिला अदालतों और मजिस्ट्रेट अदालतों की हर दिन की कार्यवाही देखी जाती हैं, जहां लाखों लोगों के भाग्य का फैसला होता है।

हितेश जैन ने कुछ रिटायर्ड जजों पर निशाना साधते हुए कहा कि ये वही न्यायाधीश हैं, जो अब लोकतंत्र के संरक्षक होने का दावा करते हैं, लेकिन असल मुद्दों जैसे निचली अदालतों ▶10पर

राम सेतु को राष्ट्रीय स्मारक घोषित करने पर केंद्र जवाब दे

नई दिल्ली, 29 अगस्त (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को राज्यसभा के पूर्व सांसद सुब्रमण्यम स्वामी की याचिका पर केंद्र से जवाब मांगा है। जिसमें सुब्रमण्यम स्वामी ने सरकार को राम सेतु को राष्ट्रीय स्मारक घोषित करने के लिए शीघ्र निर्णय लेने का निर्देश देने का अनुरोध किया है।जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस संदीप मेहता की पीठ ने स्वामी की याचिका पर सुनवाई के लिए सहमति जताते हुए केंद्र को नोटिस जारी किया और मामले की अगली सुनवाई चार हफ्ते बाद तय की। ▶10पर

मृणाल ठाकुर का एथनिक स्टाइल गणेश चतुर्थी के लिए चुनी खास साड़ी

छोटे पर्दे से अपने अभिनय की शुरुआत करने वाली अभिनेत्री मृणाल ठाकुर ने न सिर्फ अपनी शानदार अदाकारी से बॉलीवुड में सिक्का जमाया, बल्कि साउथ इंडस्ट्री में भी अपनी अमिट छाप छोड़ी। वहीं, अभिनेत्री ने गुरुवार को सोशल मीडिया पर कुछ तस्वीरें साझा की।

तस्वीरों में अभिनेत्री सोफे पर स्टाइलिश पोज देते हुए बैठी हैं। मृणाल का आकर्षक लुक, हल्की मुस्कान, और स्टाइलिश पोज फैंस को काफी लुभा रहा है। साड़ी पहन अभिनेत्री तस्वीरों में अलग-अलग तरह के पोज देती नजर आ रही हैं। कभी वह सोफे पर बैठकर, तो कभी दीवार से सटकर पोज देती नजर आ रही हैं। वह अपनी पायल और इयररिंग्स के साथ पोज देती नजर आ रही हैं। उनका यह लुक न केवल उनकी खूबसूरती को बयां करता है, बल्कि यह भी दिखाता है कि वे सादगी के साथ-साथ फैशन के मामले में भी किसी से पीछे नहीं हैं। लुक की बात करें तो अभिनेत्री ने मल्टीकलर की साड़ी के साथ ग्रीन कलर का ब्लाउज कैरी किया है। अपने लुक को और आकर्षक बनाने के लिए उन्होंने इयररिंग पहने हुए हैं। वहीं, बालों को खुला रखा है।

अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर पोस्ट कर कैप्शन में लिखा, गणेश चतुर्थी हमेशा से मेरा सबसे प्यारा त्योहार रहा है। ये वो समय होता है जब घर, भक्ति और खुशी प्यार से भर जाते हैं। इस साल मैंने इसे एक खास तरीके से मनाने के बारे में सोचा। ऐसा जो परंपराओं से जुड़ा हो और मेरे दिल के करीब भी हो। मैंने एक खास साड़ी पहनी जो मां पार्वती को समर्पित है, जो शक्ति, ममता और गणेश जी के पीछे की कृपा का प्रतीक है। कमल के रंगों और सुनहरे स्पर्श वाली साड़ी जो उनके आशीर्वाद को मेरे साथ बनाए रखे। ये साड़ी मेरे लिए ताकत, प्यार और ढेर सारी आस्था का प्रतीक है।

वर्कफ्रंट की बात करें तो मृणाल की हालिया रिलीज फिल्म 'सन ऑफ सरदार-2' थी। इसके बाद वह अपकमिंग फिल्म 'डकैत' में अदिवी सेश के साथ रोमांस करती नजर आएंगी। इसमें अनुराग कश्यप भी एक अहम भूमिका में हैं। फिल्म इस साल 25 दिसंबर को रिलीज होगी।

सोनाक्षी सिन्हा ने पति जहीर इकबाल के साथ की गणपति की आरती

पूरे देश में इन दिनों गणेश उत्सव की धूम है। बॉलीवुड सेलेब्स भी इस त्योहार को धूमधाम से मना रहे हैं। सोनाक्षी सिन्हा भी उन्हीं में से एक हैं। उन्होंने अपने पति जहीर इकबाल संग गणपति बप्पा की आरती की।

इसका एक प्यारा वीडियो एक्ट्रेस ने सोशल मीडिया पर शेयर किया है। इस वीडियो में वो गणेश जी की आरती गाती हुई दिखाई दे रही हैं। सोनाक्षी सिन्हा ने इसे शेयर करते हुए लिखा, ॐ गं गणपतये नमः। आप सबको गणेश चतुर्थी की शुभकामनाएं, बप्पा हम सबको शांति, प्रेम और धैर्य प्रदान करें।

यह वीडियो अर्पिता खान शर्मा के घर का है। इस साल यह उत्सव उनके घर पर आयोजित किया गया, जहां सलमान ने गणपति बप्पा का स्वागत किया था। इस दौरान सलमान खान सहित उनके परिवार वालों ने गणपति जी की आरती की। इसका एक वीडियो वीरवार को सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था। इसमें सलमान खान, उनके पिता सलीम खान, भाई अरबाज आदि आरती करते दिख रहे थे। यही नहीं, एक्टर रितेश देशमुख और जेनेलिया डिसूजा भी इस कार्यक्रम में शामिल हुए थे। इस वीडियो में फूलों से सजी गणपति की मूर्ति बहुत ही सुंदर लग रही थी।

यहीं पर सोनाक्षी सिन्हा और उनके पति जहीर इबाल भी गए थे। दोनों के खान परिवार से अच्छे रिश्ते हैं। इसलिए यह कपल सलमान खान और उनके परिवार के हर कार्यक्रम में दिखाई दे जाता है। इससे पहले सोनाक्षी सिन्हा ने बुधवार को इंस्टाग्राम पर रोड ट्रिप का एक वीडियो शेयर किया था। इस वीडियो में जहीर इकबाल गाड़ी चलाते दिख रहे थे और सोनाक्षी के साथ मिलकर मशहूर फिल्म 'दिलवाले दुल्हनिया ले जाएंगे' का गाना 'हो गया है तुझको तो प्यार सजना' पर मजेदार रील बनाते दिखे थे। सोनाक्षी ने इस वीडियो को कैप्शन दिया, रोड ट्रिप गोल्स! बाकी वीडियो देखने के लिए यूट्यूब पर जाएं। सोनाक्षी और जहीर की पहली मुलाकात साल 2013 में सलमान खान की एक पार्टी में हुई थी, लेकिन दोनों 2017 में रिलीज हुई सलमान खान की फिल्म 'ट्यूबलाइट' की स्क्रीनिंग पार्टी के दौरान करीब आए। उस दिन दोनों ने घंटों बात की और यहीं से उनकी दोस्ती प्यार में बदली। 7 साल तक रिलेशन के बाद दोनों ने 23 जून 2024 को मुंबई में स्पेशल मैरिज एक्ट के तहत शादी की, जिसमें उनके करीबी दोस्त और परिवार के लोग शामिल थे।

शिल्पा शेट्टी ने श्रीदेवी को किया याद रीक्रिएट किया 'चांदनी' वाला लुक

अभिनेत्री शिल्पा शेट्टी पर चांदनी का खुमार छाया है। उन्होंने इसकी एक रील अपने सोशल मीडिया अकाउंट इंस्टाग्राम पर शेयर की है। इस रील में शिल्पा शेट्टी मशहूर अभिनेत्री श्रीदेवी के 'चांदनी' लुक को रीक्रिएट करती दिख रही हैं। शिल्पा पीली साड़ी में हूबहू श्रीदेवी जैसी लग रही हैं। वो फिल्म के गाने 'तेरे मेरे होठों पे गीत मितवा' पर डांस भी करती दिखाई दे रही हैं। इस रील के जरिए श्रीदेवी को श्रद्धांजलि देते हुए उन्हें अपना आदर्श बताया है। अभिनेत्री ने इसे शेयर करते हुए पोस्ट में लिखा, मेरी आदर्श श्रीदेवी को श्रद्धांजलि। इस पोस्ट को लोग काफी पसंद कर रहे हैं। सोशल मीडिया पर वो एक्ट्रेस की तारीफ भी करते दिखाई दिए।

चांदनी श्रीदेवी और ऋषि कपूर की एक रोमांटिक फिल्म थी, जिसे दर्शकों ने खूब सराहा था। इसके गाने हिट थे, और आज भी लोग उन्हें गुनगुनाते दिख जाते हैं।

इससे पहले एक पोस्ट में शिल्पा शेट्टी ने बताया था कि इस बार वो गणपति जी को घर नहीं ला रही हैं, इस बात का उन्हें दुख है। शिल्पा शेट्टी ने अपने इंस्टाग्राम पर पिछले गणपति उत्सव की एक रील और एक भावुक नोट साझा किया था। शिल्पा ने लिखा, इस साल आपके बिना घर अधूरा सा लग रहा है, लेकिन दिल आपके आशीर्वाद से भरा है। गणपति बाप्पा मोरया, अगले बरस आप जल्दी आना। आगे उन्होंने इसका कारण भी बताया। उन्होंने लिखा, प्रिय मित्रों, अत्यंत दुःख के साथ, हमें आपको यह सूचित करते हुए खेद हो रहा है कि परिवार में किसी के निधन के कारण, इस वर्ष हम गणपति उत्सव नहीं मना पाएंगे। परंपरा के अनुसार, हम 13 दिनों का शोक मनाएंगे और इसलिए किसी भी धार्मिक उत्सव से परहेज करेंगे। आभार सहित, कुंद्रा परिवार।शिल्पा शेट्टी को आखिरी बार फिल्म 'सुखी' में देखा गया था। वो बहुत जल्द कन्नड़ एक्शन ड्रामा फिल्म 'केडी: द डेविल' में नजर आएंगी। इसमें संजय दत्त, ध्रुव सरजा और नोरा फतेही भी अहम किरदार में हैं।

वेब सीरीज डू यू वाना पार्टनर का ट्रेलर रिलीज

अभिनेत्री तमन्ना भाटिया को आखिरी बार फिल्म 'ओडेला-2' में देखा गया था, तभी से ही दर्शकों को उनकी अगली फिल्म का इंतजार था। इस बार वे फिल्म नहीं, बल्कि वेब सीरीज लेकर आ रही हैं।

तमन्ना भाटिया की नई वेब सीरीज 'डू यू वाना पार्टनर' का ट्रेलर जारी हो गया है। 'डू यू वाना पार्टनर' के ट्रेलर में दो दोस्त शिखा (तमन्ना भाटिया) और अनाहिता (डायना पेंटी) की कहानी है। वे अपनी जॉब से बोर हो चुकी हैं और खुद का बिजनेस करना चाहती हैं। फिर उन्हें खुद का बीयर ब्रांड लॉन्च करने का एक दमदार आइडिया आता है। इसके लिए उन्हें निवेशकों की दरकार है। उसकी तलाश में ये एक महिला गैंगस्टर (श्वेता तिवारी) और बाद में एक माफिया के चंगुल में फंस जाती हैं। इन सबसे बचकर दोनों अपना ब्रांड लॉन्च कर पाती हैं या नहीं, यही इस सीरीज की स्टोरी है।

यह सीरीज धर्मैटिक एंटरटेनमेंट के बैनर तले बनी है, जिसके निर्माता करण जौहर, अदार पूनावाला और अपूर्व मेहता हैं। इसमें तमन्ना भाटिया के साथ डायना पेंटी, जावेद जाफरी, नकुल मेहता, श्वेता तिवारी, नीरज काबी, सूफी मोतीवाला और रणविजय सिंह भी अहम किरदार में दिखाई देंगे।अपने किरदार के बारे में बात करते हुए अभिनेत्री तमन्ना भाटिया ने कहा, यह दोस्ती, संघर्ष और सबसे अजीबोगरीब विचारों को हकीकत में बदलने के साहस का जश्न है।

मुझे रेखा जी और कैसी पहेली के फिल्मांकन की जानकारी नहीं थी : सुनिधि चौहान

मशहूर फिल्मकार प्रदीप सरकार की फिल्म परिणीता को रिलीज हुए 20 साल पूरे हो गए हैं। इस मौके पर मूवी को फिर से री-रिलीज किया गया है। इसका सुपरहिट गाना 'कैसी पहेली' गायिका सुनिधि चौहान ने गाया था।

इस गाने को वेटरन एक्ट्रेस रेखा पर फिल्माया गया था। सुनिधि चौहान ने अपना एक वीडियो इंस्टाग्राम पर शेयर किया और साथ ही बताया कि उन्हें यह नहीं पता था कि यह गाना रेखा जी पर फिल्माया जाएगा।

सुनिधी चौहान ने वीडियो शेयर करते हुए लिखा, 20 साल बीत जाने के बाद भी इसका जादू बरकरार है। संगीत आज भी उतना ही असरदार है और मोहब्बत उतनी ही ताजा लगती है। कलाकारों और निर्माताओं को सलाम क्योंकि यह फिल्म अब अपनी पूरी 8के खूबसूरती में दोबारा पर्दे पर लौट रही है। परिणीता 29 अगस्त को फिर से रिलीज हो रही है। सुनिधी चौहान ने बताया कि इस गाने को उन्होंने पहले ही रिकॉर्ड कर लिया था। तब उन्हें नहीं पता था कि इसे रेखा पर फिल्माया जाएगा। सुनिधि कहती हैं, 'कैसी पहेली जिंदगानी' मेरे लिए एक अनोखा और ताजा गीत था। इस गीत में पुराने जमाने का खूबसूरत आकर्षण और कैबरे का जायका था।

सुनिधि ने आगे कहा, इस गीत को और भी खास बनाने वाली बात यह थी कि इसे रेखा जी पर फिल्माया गया था- एक आइकॉन, एक लीजेंड, और जिनकी मैं फैन हूं। जब मैंने यह गीत रिकॉर्ड किया, तो मुझे जरा भी अंदाजा नहीं था कि वह इसे पर्दे पर पेश करेंगी, और उन्होंने स्क्रीन पर चार चांद लगा दिए और मेरी आवाज को इतना अच्छा बना दिया। उनकी सदाबहार मौजूदगी से मेल खाती मेरी आवाज मेरे लिए सबसे बड़े सम्मान की बात थी। मैं बहुत आभारी हूं कि आज भी यह गीत लोगों के दिलों में जिंदा है। गीतकार स्वानंद किरकिरे ने इस गाने को लिखा था। संगीतकार शांतनु मोइत्रा ने इसे संगीत में पिरोया था।

मेरी हर फिल्म ने मुझे एक अलग अनुभव दिया : तनीषा मुखर्जी

अभिनेत्री तनीषा मुखर्जी ने अपने फिल्मी करियर में कई तरह की फिल्मों में काम किया है, जिनमें से कुछ ने दर्शकों का दिल जीता, तो कुछ बॉक्स ऑफिस पर ज्यादा प्रभाव नहीं छोड़ पाईं। लेकिन, तनीषा का मानना है कि उनकी हर फिल्म ने उन्हें कुछ न कुछ सिखाया।

अपनी फिल्मी यात्रा के बारे में बात करते हुए तनीषा ने कहा, मैंने जितनी भी फिल्में की हैं, हर एक ने मुझे कुछ न कुछ सिखाया है। चाहे वो भावनाओं से भरी फिल्म 'टैंगो चार्ली' हो, मस्ती भरी फिल्में 'पॉपकॉर्न' या 'नील एन निक्की' या फिर कॉमेडी जैसी '123', हर फिल्म का अनुभव अलग रहा। 'सरकार' जैसी फिल्म मेरे लिए बिल्कुल नया अनुभव था, जहां मैंने राजनीति पर बनी कहानी में शानदार कलाकारों के साथ काम किया। हर फिल्म ने मुझे कुछ नया सिखाया और मुझे अलग-अलग तरह की कहानियों का हिस्सा बनकर हमेशा अच्छा लगा।

बात करें अभिनेत्री के करियर की तो उन्होंने फिल्म 'टैंगो चार्ली' में बॉबी देओल के अपोजिट 'लच्छी' का किरदार निभाया था, जो एक साधारण और गहरी भावनाओं वाली भूमिका थी। यह फिल्म जंग और फर्ज की सच्चाइयों पर आधारित थी।

'पॉपकॉर्न...' में तनीषा ने एक कॉलेज थीम वाली फिल्म में युवा जोश को जीवंत किया था। प्रीतिश नंदी कम्युनिकेशंस द्वारा निर्मित इस फिल्म में उनका चुलबुला अंदाज और बेफिक्र किरदार दर्शकों को खूब भाया। यह फिल्म आज भी युवा ऊर्जा और कॉलेज जीवन की मस्ती को दर्शाती है। 'नील एन निक्की' में तनीषा ने आधुनिक रोमांस की दुनिया में कदम रखा था।

यह फिल्म यात्रा, संगीत और युवा आकर्षण से भरी थी। तनीषा ने अपने किरदार को रंगीन और जीवंत अंदाज में पेश किया, जो आज भी समकालीन रोमांस का प्रतीक है। वहीं, 'सरकार' में तनीषा ने अपनी छाप छोड़ी। इस फिल्म में उन्होंने अमिताभ बच्चन जैसे दिग्गजों के साथ स्क्रीन साझा की। जटिल कहानी और गहरे किरदारों के बीच उनका अभिनय उनकी बहुमुखी प्रतिभा को दर्शाता है, जो आज भी प्रशंसनीय है।

रेखा के साथ अदिती राव हैदरी ने शेयर की तस्वीर

अभिनेत्री अदिति राव हैदरी ने अपने कुछ दोस्तों के साथ गणेश उत्सव मनाया। वो मुंबई में हैं और इस त्योहार को अपने दोस्तों और परिवार वालों के साथ मना रही हैं।

इसकी तस्वीरें उन्होंने अपने इंस्टाग्राम पर शेयर की हैं। फोटो में वो अभिनेत्री रेखा जी के साथ भी दिखाई दे रही हैं। इन्हें शेयर करते हुए एक्ट्रेस ने बताया कि वो किसे मिस कर रही हैं। तस्वीरों में एक्ट्रेस के साथ अभिनेत्री रेखा, डायरेक्टर संजय लीला भंसाली और मनीष मल्होत्रा भी हैं। एक तस्वीर में रेखा अभिनेत्री का माथा चूमती दिख रही हैं। इन्हें शेयर करते हुए एक्ट्रेस ने लिखा, त्योहार प्यार के बारे में होता है; घर और अपने सिद्धू की बहुत याद आ रही है। यानी वो अपने पति सिद्धार्थ को काफी मिस कर रही हैं।

अदिती को कुछ दिनों पहले मेलबर्न के भारतीय फिल्म महोत्सव (आईएफएफएम) के नवीनतम संस्करण में सिनेमा में विविधता का पुरस्कार दिया गया था। इसके बारे में उन्होंने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट में बताया था। इस पोस्ट में एक्ट्रेस ने लिखा, भारत की स्वतंत्रता के दिन, सिनेमा में विविधता का सम्मान मिलना और भी खास है। भारतीय फिल्म उद्योग का हिस्सा बनना और उसका जश्न मनाना। विविध कहानियों, भाषाओं, संस्कृतियों, इतिहास का हिस्सा बनना, अपनी कहानियों के माध्यम से प्यार से जुड़ना और सिनेमा के माध्यम से अपनी खुशी, दर्द और हंसी साझा करना। यह मेरे लिए बहुत ही खास है।

अदिति संजय लीला भंसाली की पहली वेब सीरीज 'हीरामंडी: द डायमंड बाजार' (साल 2024) में दिखीं। इसमें अदिति के किरदार 'बिब्बोजान' को काफी पसंद किया गया था। यह एक पीरियड ड्रामा है और भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान लाहौर के हीरा मंडी के रेड-लाइट इलाके पर आधारित है। सीरीज ब्रिटिश औपनिवेशिक शासन के दौरान तवायफों के जीवन और उनके संघर्षों पर केंद्रित थी। इस सीरीज में मनीषा कोइराला, सोनाक्षी सिन्हा, ऋचा चड्ढा, संजीदा शेख, शर्मिन सहगल और ताहा शाह बदुशा जैसे सितारे भी हैं। अदिती की अपकमिंग फिल्मों की बात करें तो वो बहुत ही जल्द 'पारिवारिक मनुरंजन' नाम की फिल्म में दिखाई देंगी। इसमें पंकज त्रिपाठी के साथ वो स्क्रीन शेयर करेंगी। इसकी शूटिंग अभी चल रही है। उनके पास 'ओ साथी रे' नाम की फिल्म भी है।

त्रिपुष्कर योग के संयोग में शनिदेव की कृपा से मेष मिथुन सहित अन्य राशियों के जातक रहेंगे भाग्यशाली

आज यानी 30 अगस्त को भाद्रमास की शुक्ल पक्ष की सप्तमी तिथि के संयोग में शनिवार का दिन किन-किन राशियों के लिए भाग्यशाली रहने वाला है। इस विषय में ग्रह गोचर का आकलन करने से मालूम होता है कि आज के दिन चंद्रमा का गोचर तुला वृश्चिक राशि में होग। जबकि आज बुध का गोचर सिंह राशि होगा ऐसे में आज बुध और सूर्य की युति सिंह राशि में बनेगी ऐसे में आज बुधादित्य योग का निर्माण होगा और साथ ही आज के दिन चंद्रमा, सूर्य और बुध के बीच केंद्र योग भी बनेगा। और आज के दिन विशाखा नक्षत्र के संयोग में ऐंद्र और त्रिपुष्कर योग भी बनेगा। इन स्थितियों में आज के दिन शनिदेव और त्रिपुष्कर योग के शुभ प्रभाव से मेष और मिथुन सहित 5 राशियों के लिए भाग्यशाली दिन रहेगा। इनको आर्थिक लाभ मिलने के साथ ही कोई बड़ी सफलता भी मिलने वाली है।

मेष राशि –मेष राशि के लोगों के लिए आज का दिन किसी अप्रत्याशित स्रोत से लाभ दिलाने वाला रहेगा। आपके शत्रु और विरोधी चाहकर भी आपका नुकसान नहीं कर पाएंगे। अच्छी बात यह रहेगी कि आप आर्थिक योजनाओं को बेहतर तरीके से लागू कर पाएंगे। जो लोग फैमिली बिजनेस से जुड़े हुए हैं उनको परिवार से पूरा सहयोग मिलेगा। बिजनेस के सिलसिले में की गई आपकी यात्रा सफल और सुखद रहेगी। आपको आज सामाजिक और राजनीतिक क्षेत्र में संपर्क का फायदा मिलेगा। कोई चाहत अचानक ही पूरी हो जाने से आपको प्रसन्नता होगी। आपके सितारे बताते हैं कि आज के दिन मेष राशि के जातक लव लाइफ के मामले में भी लकी रहेंगे।

उपाय : आपको आज के दिन काले कुत्ते को रोटी देना चाहिए, उड़द की दाल की खिचड़ी खाना शुभ रहेगा।

मिथुन राशि–मिथुन राशि के लोगों के लिए आज का दिन अवसर का लाभ उठाने वाला रहेगा। आपके सामने आज लाभ के कई अच्छे अवसर आएंगे। कोई बिगड़ा हुआ काम बन जाने से आपका मन प्रसन्न होगा। आर्थिक मामलों में आपके प्रयास आज सफल रहेंगे। अगर आप प्रॉपर्टी में निवेश करने जा रहे हैं तो इसमें भी आपको सफलता मिलेगी। आपके सितारे बता रहे हैं कि आज के दिन आपको तकनीकी ज्ञान का फायदा मिलेगा। जो लोग बिजनेस में निवेश करना चाह रहे हैं वह अपने कारोबार को विस्तार दे सकते है। परिवार से आपको आज पूरा सपोर्ट मिलेगा। आपके सितारे यह भी बताते हैं कि आज आप बेहतर प्रबंधन से अपना काम समय पर पूरा कर पाने में सफल होंगे।

उपाय : आज के दिन को शुभ बनाए रखने के लिए मिथुन राशि के जातको को गुरु से आशीर्वाद लेना चाहिए शक्कर मिले जल से पीपल को अर्घ्य देना भी शुभ रहेगा।

सिंह राशि –सिंह राशि के लोगों के लिए आज शनिवार का दिन कामयाबी भरा रहेगा। आपका सामाजिक प्रभाव और दबदबा बढेगा। बीमार चल रहे जातकों के स्वास्थ्य में आज सुधार होगा। कोई अधूरी चाहत आपकी पूरी हो सकती है। फैमिली का भी आपको आज पूरा सपोर्ट मिलेगा। बिजनेस में कमाई बढ़ने से मनोबल और उत्साह बढेगा। आपको आज के दिन इंटरव्यू में सफलता मिलने की संभावना प्रबल है। पिता और पैतृक पक्ष से आपको आज के दिन लाभ मिलने का योग बना हुआ है। आप किसी शुभ कार्यक्रम में भाग लेंगे जिससे अपने अंदर सकारात्मक ऊर्जा महसूस कर सकते हैं। आपको आज के दिन प्रेमी की ओर से भी खुशी मिलने वाली है।

उपाय : आज के दिन को शुभ और अनुकूल बनाए रखने के लिए सिंह राशि के लोगों को हनुमानजी को सिंदूर का लेपन करना चाहिए।

तुला राशि –आज शनिवार का दिन तुला राशि के लोगों के लिए शुभ लाभदायक होगा। आपको आर्थिक लाभ मिलेगा और आपके अंदर भौतिक सुख साधनों की चाहत बढेगी। ऐसे मे कमाई होने से आप अपने लिए कुछ खरीदारी भी कर पाएंगे। बीमार चल रहे तुला राशि के जातको के स्वास्थ्य में आज सुधार होगा। आपको अपेक्षा से बढ़कर बिजनेस में कमाई मिल सकती है। कहीं से आपको आज गिफ्ट मिलने का योग बना हुआ है। नौकरी में आपका काम सुचारू चलेगा और आपको सहयोगियों से पूरी मदद मिलेगी। आप परिवार के साथ कहीं घूमने का प्लान बना सकते हें साथ ही रुचिकर भोजन का भी आनंद लेंगे। कोई बहुत दिनों से अटका हुआ काम भी आपका पूरा हो सकता है।

उपाय : तिल के तेल का दीप जलाकर शनि स्तोत्र अथवा चालीसा का पाठ करें।

धनु राशि –धनु राशि के लोगों के लिए आज शनिवार का दिन बहुत ही शुभ लाभदायक होगा। धर्म कर्म और शुभ काम में आपका मन लगेगा। कोई काम जो आपका अटक रहा था किसी अपरिचित के सहयोग से बन सकता है। आपको आज के दिन कोई लाभ का ऐसे अवसर मिल सकता है जिसकी आपने कल्पना भी नहीं की होगी। आपके लिए आज का दिन भाग्य की मदद से सुखद होगा। आप आज कोई नया काम शुरू करेंगे तो इसमे आपको सफलता मिलने की बहुत संभावना रहेगी। आपकी फैमिली लाइफ भी आज के दिन सुखद रहने वाली है। आप जीवनसाथी के साथ सुखद और मनोरंजक समय बिता पाएंगे। किसी धार्मिक और सामाजिक काम में भाग लेने का आपको मौका मिल सकता है। आपके घर किसी सगे संबंधी का आगमन होने से आपको खुशी मिलेगी, घर में चहल पहल का माहौल रह सकता है।

उपाय : धनु राशि के लोगों को आज के दिन को शुभ बनाए रखने के लिए भगवान श्रीकृष्ण का पूजन करना चाहिए और तुलसी पत्ते के साथ मिसरी खाना चाहिए।

शुभ मुहूर्त पर विसर्जन से मिलेगा बप्पा का आशीर्वाद!

ज्योतिषाचार्य से जानें सही तिथि और समय

गणेश चतुर्थी का त्योहार भाद्र माह के शुक्ल पक्ष की चतुर्थी तिथि से शुरू होता है। यह हिंदू धर्म का एक ऐसा त्योहार है जो 10 दिनों तक चलता है।

गणेश चतुर्थी को भाद्रमाह की चतुर्थी तिथि से लेकर चतुर्दशी तिथि तक पूरे देशभर में धूमधाम से मनाया जाता है। भक्त इस समय भगवान गणेश की पूजा पूरी श्रद्धा और विधि विधान से करते है।

शुभ मुहूर्त पर विसर्जन से मिलेगा शुभ फल

भगवान गणेश की पूरे विधि विधान से पूजा करने से वे बेहद प्रसन्न होते हैं और भक्तों के जीवन के बड़े से बड़े संकटों को दूर कर उन्हें सुख समृद्धि का आशीर्वाद देते हैं। हिंदू धर्म में बप्पा के आगमन के साथ-साथ विसर्जन का भी खास महत्व होता है।

बप्पा का विसर्जन अगर शुभ तिथि या मुहूर्त पर नहीं किया जाए तो पूजा का शुभ फल नहीं मिलता। चलिए ज्योतिषाचार्य नीतिका शर्मा से जानते हैं कि भगवान गणेश का विसर्जन किस तिथि को करना शुभ माना जाएगा।

ज्योतिषाचार्य नीतिका शर्मा ने बताया कि गणेश चतुर्थी के दिन भगवान गणेश की पूजा शोडशोपचार विधि से करनी चाहिए। जिससे भगवान गणेश प्रसन्न होते हैं और भक्तों के जीवन को मंगलमय करते हैं। इसलिए भगवान गणेश को मंगलकर्ता भी कहा जाता हैं।

ज्योतिषाचार्य ने यह भी बताया कि जिस श्रद्धा और रीति-रिवाज से बप्पा की पूजा आराधना की जाती है, उसी तरह शुभ तिथि में ही भगवान गणेश का विसर्जन भी करना चाहिए। इससे पूजा का शुभ फल मिलता है।

इस शुभ मुहूर्त में करें भगवान गणेश का विसर्जन

गणेश चतुर्थी की पूजा चतुर्थी तिथि से लेकर चतुर्दशी तिथि तक मनाई जाती है। यह पूजा पूरे 10 दिन तक चलती है। इनका विसर्जन अनंत चतुर्दशी के दिन किया जाता है। मगर कोई भी भक्त विसर्जन पहले करना चाहे तो कर सकता है।

जैसे अनंत चतुर्दशी के अलावा आप पंचमी तिथि में या अष्टमी तिथि को भी विसर्जन कर सकते हैं। इसमें कुछ अशुभ नहीं है। इन में से किसी भी तिथि में विसर्जन करने से पहले बप्पा की आरती जरूर करनी चाहिए, इससे भगवान गणेश प्रसन्न होते हैं।

घर की इस दिशा में लगाएं गेंदे का पौधा धन-दौलत से भर जाएगी झोली

पीले और नारंगी रंग के गेंदे के फूलों का हिंदू धर्म में खास महत्व होता है। इसे देवी-देवताओं की पूजा में और धार्मिक कार्यों में विशेष रूप से प्रयोग किया जाता है। गेंदे के पीले फूल बिल्कुल सूर्योदय के रंग जैसे प्रतीत होते हैं। वहीं, नारंगी रंग के गेंदे के फूल सूर्यास्त के प्रतीक होते हैं। साथ ही, भगवान विष्णु और माता लक्ष्मी को ये फूल बेहद प्रिय होते हैं। ऐसे में वास्तुशास्त्र में भी गेंदे के फूलों का खास महत्व बताया गया है। इसे घर में लगाने से सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है और धन-धान्य की भी प्राप्ति होती है।

गेंदे के फूल सही दिशा में लगाने के लाभ

माना जाता है कि घर में सही स्थान पर गेंदे के फूल को रखने से नाकारात्मक ऊर्जा दूर रहती है। साथ ही, इसकी मनमोहक सुगंध से आसपास का वातावरण सकारात्मक होता है। अगर आप गेंदे के फूल को घर में सही दिशा में लगाते हैं तो इससे माता लक्ष्मी और विष्णुजी की कृपा प्राप्त हो सकती है। साथ ही, घर में सुख-समृद्धि और शांति सदैव बनी रहती है। इन फूलों को पूजा में भी जरूर प्रयोग करना चाहिए। ऐसा करने से आपको पैसों की तंगी से निजात मिल सकती है

और धन लाभ योग बनने लगते हैं। घर में गेंदे के फूल लगाने से परिवार के बीच का माहौल खुशनुमा बना रहता है जीवन में तरक्की के नए रास्ते भी खुलने लगते हैं।

गेंदे का फूल घर की इस दिशा में लगाएं

वास्तुशास्त्र के अनुसार, गेंदे के फूलों को घर की सही दिशा में लगाना बहुत जरूरी होता है। अगर आप इसे गलत स्थान या दिशा में रखते हैं तो इससे अशुभ फल की प्राप्ति हो सकती है। वास्तु के अनुसार, गेंदे के फूल का पौधा हमेशा ईशान कोण यानी उत्तर-पूर्व दिशा में लगाना चाहिए। इसके अलावा, आप पूर्व या उत्तर दिशा में भी इस शुभ पौधे को लगा सकते हैं। ऐसा करने से घर से नकारात्मक ऊर्जा दूर होती है और इसकी जगह सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। साथ ही, इस पौधे से आसपास का वातावरण भी शुद्ध होता है।

गेंदे का पौधा लगाने के विशेष वास्तु नियम

इस शुभ पौधे को घर के मुख्य द्वार पर लगाना भी बहुत शुभ माना जाता है। ऐसा करने से घर के अंदर नकारात्मक ऊर्जा प्रवेश नहीं कर पाती है।

वास्तुशास्त्र के अनुसार, घर में कभी भी गेंदे के पौधे को दक्षिण या पश्चिम दिशा में नहीं लगाना चाहिए। ऐसा करने से अशुभ फल की प्राप्ति हो सकती है।

गेंदे के फूल को भूलकर भी गंदे स्थान, रसोई घर, बाथरूम और टॉयलेट के पास नहीं रखना चाहिए। इन जगहों पर गेंदे के पौधे को रखना शुभ नहीं माना जाता है।

घर में कभी भी ऐसा गेंदे का पौधा नहीं रखना चाहिए जो पूरी तरह मुरझा गया हो या उसके फूल और पत्ते सूख रहे हों। साथ ही, पौधे के हरा-भरा रहने का भी ख्याल रखना चाहिए।

गेंदे के फूलों की माला बनाकर देवी-देवताओं को समर्पित करनी चाहिए। ऐसा करने से जातक को भगवान की विशेष कृपा प्राप्त हो सकती है।

नए घर में शिफ्ट होना है तो वास्तु के इन नियमों को जान लें

अपना घर लेना हर किसी का सपना होता है, जो वे पूरा कर भी लेते हैं। ऐसे में अपने मकान को सपनों का घर बनाने के लिए हम कई प्रकार की वस्तुएं और सजावट उसमें करते हैं। वहीं, अगर आप वास्तुशास्त्र के नियमों का ख्याल रखकर नया घर खरीदते, बनवाते और उसमें शिफ्ट होते हैं तो इससे आपको जीवनभर के वास्तु दोष से छुटकारा मिल सकता है। साथ ही, घर में कभी समस्याएं भी नहीं आती हैं। वास्तुशास्त्र में नए घर को लेकर ऐसे कई महत्वपूर्ण नियमों का वर्णन किया गया है, जिनका ख्याल रखने से जातक के जीवन में हमेशा सुख-समृद्धि बनी रहती है।

घर का मेन गेट हो इस दिशा में

मकान का निर्माण करवाते समय या बना हुआ घर लेते वक्त इस बात का ख्याल जरूर रखें कि उसका मुख्य द्वार उत्तर, पूर्व या उत्तर-पूर्व दिशा में हो। साथ ही, घर गेट के सामने किसी अन्य व्यक्ति की सीढ़ी या गेट न बना हो। इसके अलावा, मुख्य द्वार पर पर्याप्त मात्रा में रोशनी भी जरूर आनी चाहिए। इस प्रकार घर का गेट होने से वहां सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है।

बेडरूम से जुड़े वास्तु नियम

घर लेते समय मास्टर बेडरूम की दिशा का ख्याल भी जरूर रखना चाहिए। वास्तुशास्त्र के अनुसार, कमरा अगर दक्षिण-पश्चिम दिशा में हो तो इसे सबसे उत्तम माना जाता है। इससे रूम में शांति का माहौल बना रहता है और घर में समृद्धि आती है। साथ ही, घर में शिफ्ट होते समय कभी भी शीशे के अपने बेड के ठीक सामने न लगाएं। ऐसा करने से वहां नकारात्मकता फैल सकती है।

इस दिशा में हो रसोईघर

कभी भी घर का निर्माण करते वक्त या नए मकान में शिफ्ट होने से पहले यह जरूर देख लें कि रसोईघर किस दिशा में है। गलत स्थान पर किचन होने से अशुभ फल प्राप्त हो सकता है। वास्तु के अनुसार, किचन हमेशा आग्नेय कोण यानी दक्षिण-पूर्व दिशा में होना चाहिए। इससे परिवार के सदस्यों पर सकारात्मक प्रभाव पड़ता है।

लिविंग रूम में ऐसे रखें फर्नीचर और रंग

वास्तुशास्त्र के अनुसार, लिविंग रूम में सही स्थान पर सामान रखना बेहद जरूरी होता है। मान्यता है कि हमेशा दक्षिण या पश्चिम दिशा में फर्नीचर को रखना चाहिए। साथ ही, लिविंग रूम और फर्नीचर के लिए हल्के व शांत रंगों का प्रयोग करना सबसे शुभ माना जाता है। उत्तर-पूर्व भाग में हल्के सामान और उसे खुला रखना उत्तम माना जाता है। इससे घर का माहौल सकारात्मक बना रहता है।

इस दिशा में हो बाथरूम और टॉयलेट

घर में शिफ्ट या नया मकान लेने से पहले इस बात पर जरूर गौर करें की उसमें बाथरूम व टॉयलेट किस दिशा में बना हुआ है। वास्तुशास्त्र की मानें तो बाथरूम और टॉयलेट को हमेशा उत्तर-पश्चिम दिशा में बनवाना चाहिए। इसे उत्तर-पूर्व दिशा में बनवाना सही नहीं माना गया है। साथ ही, टॉयलेट-बाथरूम को हवादार होना चाहिए और उनके दरवाजे हमेशा बंद रखने चाहिए।

सीढ़ियों के लिए सही दिशा

वास्तुशास्त्र के अनुसार, घर में सीढ़ियां हमेशा पूर्व से पश्चिम या उत्तर से दक्षिण के ओर उठी होनी चाहिए। लेकिन कभी भी इन्हें उत्तर पूर्व दिशा में नहीं बनवाना चाहिए। कई लोग सीढ़ियों के नीचे पानी का नल, बाथरूम, टॉयलेट, जूते-चप्पलों का स्थान बना लेते हैं। लेकिन ऐसा करना बहुत गलत माना गया है। वास्तु के अनुसार, सीढ़ियों के नीचे का स्थान खाली रखना उत्तम माना गया है।

घर के मंदिर में इन बातों का रखें ख्याल

मनुष्य के घर का सबसे पवित्र स्थान पूजाघर को माना गया है। ऐसे में मंदिर सही दिशा में होना सबसे महत्वपूर्ण होता है। वास्तु के अनुसार, घर में मंदिर हमेशा उत्तर-पूर्व या पूर्व दिशा में होना चाहिए। साथ ही, इसके अंदर हल्के और शांत रंग करवाने चाहिए। ऐसा करना बहुत शुभ माना जाता है। लेकिन इस बात का ख्याल रखें की मंदिर को कभी भी बाथरूम या किचन के पास नहीं रखना चाहिए।

गणपति विसर्जन के समय करें ये छोटा सा उपाय

साल भर रहेगी बप्पा की कृपा

भाद्रपद की शुक्ल पक्ष की चतुर्थी तिथि 27 अगस्त को गणपति स्थापना की गई। गणेश उत्सव पूरे 10 दिनों तक चलता है और इसके बाद अनंत चतुर्दशी के दिन जल में बप्पा का विसर्जन कर दिया जाता है। इस साल गणपति विसर्जन 6 सितंबर 2025 को किया जाएगा। गणपति उत्सव में 10 दिनों तक पूजा-पाठ और मंत्र जाप आदि किए जाते हैं। लेकिन विसर्जन इस उत्सव का अंतिम और महत्वपूर्ण चरण होता है, जिसे भक्त श्रद्धा, प्रेम और भक्ति भाव से करते हैं।

6 सितंबर को अनंत चतुर्दशी के दिन भगवान गणेश की प्रतिमा का पूजन करने के बाद भक्त उसे नदी, तालाब या किसी जलाशय में विसर्जित करते हैं। गणपति विसर्जन केवल एक धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि इसके पीछे गहरी धार्मिक और सांस्कृतिक मान्यताएं भी जुड़ी हुई हैं। इन्हीं में एक गणपति विसर्जन के समय किए जाने वाले उपाय। मान्यता है कि इन उपायों से बप्पा का आशीर्वाद पूरे सालभर तक प्राप्त होता है और बप्पा अपने भक्तों की सभी इच्छाएं पूर्ण करते हैं।

बता दें कि, कुछ लोग घर में गणपति की स्थापना करते हैं और वे 10 दिनों के बजाय डेढ़, तीन, पांच या सात दिनों में भी बप्पा का विसर्जन कर देते हैं। अगर आप इन दिनों में बप्पा का विसर्जन कर रहे हैं तब भी इस उपाय को कर सकते हैं। इस उपाय को करने से भगवान गणेश के साथ ही कुंडली में बुध ग्रह भी मजबूत होता है।

गणपति विसर्जन पर करें ये उपाय

अभी गणपति उत्सव चल रहा है। इन दिनों में भगवान को लगातार लाल रंग का फूल चढ़ाएं। इस उपाय को करने से मानसिक शांति प्राप्त होती है।

बप्पा की विदाई करने से पहले एक साथ चार नारियल बांध लें और इसकी माला बनाकर भगवान को अर्पित कर दें। इस उपाय को करने से सारे बिगड़े कार्य बनने लगते हैं।

समस्याओं से समाधान के लिए गणेश उत्सव के दौरान या विसर्जन के दिन हाथी को हरा चारा खिलाएं।

गणपति विसर्जन के दिन कच्चे रेशम धागे की सात गांठें बांध लें। इसके बाद जय गणेश काटो कलेश मंत्र का जाप करें और इस धागे को अपने पास रखें। जब भी किसी कार्य के लिए जाएं तो इसे अपने साथ लेकर जाएं। इससे सफलता मिलेगी।

संपादकीय

हिंदू का 'भागवत विचार'

सरसंघचालक मोहन भागवत ने हिंदू और हिंदुत्व पर लगभग वही विचार रखे हैं, जो वह कई बार कह चुके हैं। भाष्य और संदर्भ भिन्न हो सकते हैं, लेकिन 'हिंदू' ही आरएसएस का बुनियादी विचार है। उसके मायने 'हिंदू राष्ट्र' नहीं हैं। संघ प्रमुख आज भी 'अखंड भारत' की कल्पना में जीते रहते हैं, लिहाजा इस भूखंड के इनसानों और समाजों में 'हिंदुत्व' का ही साझापन मानते हैं। वह साझापन आज भी 'अखंड भारत' के कई हिस्सों को जोड़े हुए है, यह संघ का विश्वास है। सरसंघचालक इसीलिए 'हिंदू' को पूर्णतः 'समन्वयवादी' मानते हैं। 'हिंदू' को धर्मनिरपेक्षता की गारंटी मानते हैं। क्या संविधान की प्रस्तावना में से 'पंथनिरपेक्ष' शब्द हटा देना चाहिए, क्योंकि भारत हिंदू-बहुल और धर्मनिरपेक्ष राष्ट्र है? भागवत का मूल विचार 'हिंदू' है, लेकिन वह मुसलमानों की आत्मा, चेतना, मूल को भी 'हिंदू' मानते हैं। यह दीगर है कि आम या शिक्षित अथवा वैचारिक मुसलमान खुद को 'हिंदू' नहीं मानते। जब भी यह संदर्भ उठता है, तो सबसे पुरानी पार्टी कांग्रेस पुराने पन्ने ही पलटने लगती है और 'द्वि-राष्ट्र' की थ्योरी के लिए सावरकर और तत्कालीन संघ प्रमुखों को दोषी करार देने लगती है। बाद में कट्टरपंथी मुसलमान भी 'द्वि-राष्ट्र' चिल्लाने लगे। यह विरासत पाकिस्तान के फील्ड मार्शल जनरल आसिम मुनीर तक जाती है। बुनियादी सवाल यह है कि सरसंघचालक भागवत 'हिंदू' धर्म या जमात अथवा विचारधारा या जीवन-शैली किसकी बात करते हैं? उस 'हिंदू' को धर्मनिरपेक्षता की गारंटी किस आधार पर मानते हैं? 'हिंदू' समन्वयवादी है, तो फिर 'हिंदू राष्ट्र' के आह्वान बार-बार क्यों किए जाते हैं? ऐसे लोग संघ के ही अंश लगते रहे हैं। संघ के 'हिंदू' को नफरत और सांप्रदायिकता का पर्याय क्यों करार दिया जाता रहा है? सरसंघचालक 40,000 साल प्राचीन किसकी बात कर रहे हैं? 'रामायण' और 'महाभारत' भी करीब 5000 साल से भी कम पुरानी होंगी! 40,000 साल पहले कोई सभ्यता-संस्कृति रही होगी, हमारा अध्ययन वहां तक नहीं पहुंच पाया है। ऐसे सनसनीखेज आंकड़े देकर सरसंघचालक भागवत क्या साबित करना चाहते हैं कि सनातन, हिंदू का विचार इतना प्रागैतिहासिक है? इतना प्राचीन तो कोई 'अंधकारकाल' ही हो सकता है, जिसके दौरान शिक्षा, भाषा, लेखन और मानवीय संस्कार नहीं रहे होंगे! फिर संघ-प्रमुख किसे उद्धृत कर रहे थे? वैसे 'फ्रीडम हाउस' की रपटें स्पष्ट करती रही हैं कि जहां 'हिंदू' (विचार और व्यक्ति) हैं, वहां लोकतंत्र 100 फीसदी स्थिर और जीवंत है। जहां ईसाई हैं, वहां लोकतंत्र 50-50 फीसदी स्थिर है और जहां मुसलमान वर्चस्व, बहुमत की स्थिति में हैं, वहां का लोकतंत्र पूरी तरह 'अस्थिर' है। सरसंघचालक भागवत ने इस थ्योरी का उद्धरण क्यों नहीं दिया? दरअसल यह आरएसएस का शताब्दी-वर्ष है। उसे मनाना स्वाभाविक है। संघ-प्रमुख देश भर में ऐसे व्याख्यान देंगे। 'हिंदू' और 'हिंदुत्व' की बात संघ की वैचारिकता ही है, लेकिन सवाल है कि इसकी पुनरावृत्ति क्यों की जाती रही है? क्या संघ भी अपने समर्थकों, स्वयंसेवकों, प्रचारकों को लामबंद करता है और फिर वही आधार राजनीतिक तौर पर भाजपा को चुनावी समर्थन देता है? बेशक 'हिंदू' समन्वयवाद का प्रतीक है, क्योंकि आज भी भारत में मस्जिदों की संख्या दुनिया में नंबर 2 पर है। यदि 'हिंदू' समन्वयवादी नहीं होता, तो यह कभी भी संभव नहीं होता। संघ प्रमुख भी सभी को साथ लेकर चलने की बात बार-बार कहते रहे हैं। फिर नफरत कौन और किससे करता है, यह बेहद अहम सवाल है? देश के प्रथम प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू ने अपनी ऐतिहासिक किताब 'भारत एक खोज' में लिखा था कि हिंदू व्यापक पहचान वाला समुदाय है। उस पर किसे आपत्ति हो सकती है? लेकिन सवाल यह भी है कि बाबा अंबेडकर ने संविधान की प्रस्तावना में 'पंथनिरपेक्ष' शब्द क्यों नहीं रखा? क्योंकि नेहरू 'अल्पसंख्यक' शब्द के पैरोकार थे। दो परस्पर विरोधी शब्द संविधान में नहीं रखे जा सकते थे। नेहरू ने देश में एकता और समभाव का प्रतीक भी 'हिंदू' को माना था। फिर आज के दौर में 'हिंदू' की सोच सांप्रदायिक और नफरती कैसे हो सकती है? हमारी बुनियादी सोच समावेशी और समन्वयवादी है।

संघ प्रमुख आज भी 'अखंड भारत' की कल्पना में जीते रहते हैं, लिहाजा इस भूखंड के इनसानों और समाजों में 'हिंदुत्व' का ही साझापन मानते हैं। वह साझापन आज भी 'अखंड भारत' के कई हिस्सों को जोड़े हुए है, यह संघ का विश्वास है। सरसंघचालक इसीलिए 'हिंदू' को पूर्णतः 'समन्वयवादी' मानते हैं। 'हिंदू' को धर्मनिरपेक्षता की गारंटी मानते हैं। क्या संविधान की प्रस्तावना में से 'पंथनिरपेक्ष' शब्द हटा देना चाहिए, क्योंकि भारत हिंदू-बहुल और धर्मनिरपेक्ष राष्ट्र है? भागवत का मूल विचार 'हिंदू' है, लेकिन वह मुसलमानों की आत्मा, चेतना, मूल को भी 'हिंदू' मानते हैं। यह दीगर है कि आम या शिक्षित अथवा वैचारिक मुसलमान खुद को 'हिंदू' नहीं मानते। जब भी यह संदर्भ उठता है, तो सबसे पुरानी पार्टी कांग्रेस पुराने पन्ने ही पलटने लगती है और 'द्वि-राष्ट्र' की थ्योरी के लिए सावरकर और तत्कालीन संघ प्रमुखों को दोषी करार देने लगती है। बाद में कट्टरपंथी मुसलमान भी 'द्वि-राष्ट्र' चिल्लाने लगे। यह विरासत पाकिस्तान के फील्ड मार्शल जनरल आसिम मुनीर तक जाती है। बुनियादी सवाल यह है कि सरसंघचालक भागवत 'हिंदू' धर्म या जमात अथवा विचारधारा या जीवन-शैली किसकी बात करते हैं? उस 'हिंदू' को धर्मनिरपेक्षता की गारंटी किस आधार पर मानते हैं? 'हिंदू' समन्वयवादी है, तो फिर 'हिंदू राष्ट्र' के आह्वान बार-बार क्यों किए जाते हैं? ऐसे लोग संघ के ही अंश लगते रहे हैं।

मनुष्य अपनी सुविधाओं और लालच के लिए लगातार प्रवृति से खिलवाड़ कर रहा

बाढ़ : प्रावृतिक आपदा या मानवजनित त्रासदी

सुनील वुमार महला

कहना ग़लत नहीं होगा कि मनुष्य अपनी सुविधाओं और लालच के लिए लगातार प्रवृति से खिलवाड़ कर रहा है। जंगलों की कटाईं, नदियों का दोहन, प्रदूषण, अंधाधुंध शहरीकरण और औद्योगिकीकरण ने पर्यावरण का संतुलन बिगाड़ दिया है। इसका परिणाम हमें भूवंप, बाढ़, सूखा, भूस्खलन, ग्लोबल वरमिग और जलवायु परिवर्तन जैसी आपदाओं के रूप में भुगतना पड़ रहा है। इस साल देशभर में बारिश बहुत ज्यादा कहर मचा रही है। जगह-जगह तबाही का आलम है। बरसात, जो कभी वरदान कहलाती थी, आज कईं राज्यों में कहर बनकर बरस रही है। सच तो यह है कि इस बार मॉनसून ने अपनी रौद्र लीला से पूरे उत्तर भारत को हिलाकर रख दिया है। देश में बहुत सी नदियां उफान पर हैं,तो बांध खतरे के निशान को छू रहे हैं, और जगह-जगह भूस्खलन व बादल फटने की घटनाएं प्रवृति के रौद्र रूप की भयावह तस्वीर पेश कर रही हैं। मीडिया के हवाले से आईं खबरों से पता चलता है कि उत्तर भारत में लगातार भारी बरसात के बाद जम्मू के कटरा स्थित वैष्णोदेवी धाम के मार्ग पर भूस्खलन से अब तक 38 लोगों की मौत हो गईं है। बहुत ही दुखद है कि दर्शन की लालसा में निकले श्रद्धालु अचानक आईं इस त्रासदी का शिकार हो गए। जानकारी के अनुसार मंदिर दर्शन के लिए जा रहे कईं श्रद्धालु अर्धवुंवारी के पास मार्ग पर भूस्खलन व भारी बारिश की चपेट में आ गए। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार मंदिर मार्ग पर कईं जगह पत्थर गिरने से हादसे हुए। सेना के जवान और बचाव दल लगातार राहत कार्यो में जुटे हैं। इधर, भूस्खलन के बाद वैष्णोदेवी की यात्रा भी रोक दी गईं। इस घटना पर हमारे देश के प्रधानमंत्री सहित देशभर ने मृतकों के प्रति गहरा शोक व संवेदना व्यत्त की है। यह पहली बार है कि वैष्णो देवी यात्रा में इतनी बड़ी त्रासदी सामने आईं है। यहां पाठकों को बताता चलूं कि जम्मू-कश्मीर में पिछले 24 घंटों में 210 एमएम तथा जम्मू में 380 बारिश दर्ज की गईं है। यहां हुईं बारिश ने पिछले कईं सालों का रेकॉर्ड तोड़ दिया है। मीडिया में आया है कि जम्मू-पठानकोट तथा जम्मू-श्रीनगर हाइवे को भारी क्षति पहुंची है। तवी, चिनाब नदी सहित अन्य नदियों के उफान व बाढ़ से स्थानीय जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। जानकारी के अनुसार सेना ने 10 हजार से ज्यादा लोगों को सुरक्षित स्थानों तक पहुंचाया है। इधर, रेलवे ने जम्मू मार्ग की 58 ट्रेनों का संचालन निरस्त किया है, वहीं 18 ट्रेनों का रूट बदला गया है। उधर, हिमाचल प्रदेश की नदियां व्यास-सतलुज व रावी में भारी बाढ़ चल रही है। चंडीगढ़- मनाली हाइवे को भारी क्षति होने से वुल्लु व मनाली का सम्पर्व कट गया है। लेह एयरपोर्ट से सभी उड़ानें निरस्त कर दी गईं हैं। इतना ही नहीं, पठानकोट पंजाब के माधोपुर हेडवर्क्स के निकट बुधवार 27 अगस्त को सेना के हेलिकॉप्टर ने एक इमारत से 22 सीआरपीएफ जवानों और नागरिकों को निकालकर एक बड़ा हादसा टाल दिया। पंजाब में बाढ़ जैसे हालात हैं। उपलब्ध जानकारी के अनुसार पोंग व भाखड़ा-नांगल बांधों से पानी निकासी के बाद भयानक बाढ़ से पठानकोट, गुरदासपुर, होशियारपुर, कपूरथला, फिरोजपुर सहित कईं क्षेत्रों में हालात बिगड़ गए। गुरदासपुर में नवोदय विद्यालय के ग्राउंड फ्लोर पर 5 फीट से ज्यादा पानी भरने से 400 विद्याथा व शिक्षक पंस गए। रावी नदी में बाढ़ के कारण करतारपुर कॉरिडोर पर 7 फीट तक पानी भर गया। इसके कारण पाकिस्तान में करतारपुरा गुरुद्वारा साहिब भी डूब गया बताते हैं। उपलब्ध जानकारी के अनुसार सभी को निकालते ही इमारत भी बह गईं। इसी ाम में हिमाचल प्रदेश की नदियां भी रौद्र रूप धारण कर चुकी हैं। चम्बा में मणि महेश यात्रा बाधित हुईं और करीब 2,000 यात्री जगह-जगह पंसे। पंजाब में बांधों (डैम्स) का पानी खतरे के निशान तक पहुंच गया है और गेट खोलने की नौबत आ चुकी है। छत्तीसगढ़ में हालात बुरे हैं। जानकारी के अनुसार छत्तीसगढ़ के बस्तर संभाग में बीते दो दिन बारिश ने तबाही मचा दी। इसे 94 साल बाद बड़ी आपदा बताया जा रहा है। खबरों के अनुसार बीते 24 घंटे में 217 एमएम बारिश दर्ज की गईं है तथा सेना ने हेलिकॉप्टर से बाढ़ में पंसे 100 लोगों को रेस्क्यू किया है। एक जानकारी के अनुसार यहां कार के साथ बहे परिवार के चार लोगों की मौत हो गईं। इधर, उत्तराखंड और जम्मूकश्मीर में भी हालात बेकाबू होते जा रहे हैं। सड़वें, पुल और मार्ग बाधित हो रहे हैं। कहना ग़लत नहीं होगा कि धरमिक यात्राओं पर यह प्रावृतिक प्रकोप गहरा असर डाल रहा है। बहरहाल, पाठकों को बताता चलूं कि आइएमडी के अनुसार जम्मू-कश्मीर, उत्तराखंड, हिमाचल, पूवा राजस्थान, हरियाणा, गुजरातकोंकण व मध्य महाराष्ट्र में अगले 7 दिन भारी बरसात की संभावना जताईं गईं है। पामिी व दक्षिणी राजस्थान में 29 से 31 अगस्त तक, उत्तरप्रदेश में 1 से 2 सितम्बर तक तथा छत्तीसगढ़, बिहार व झारखंड में 28 अगस्त से 1 सितम्बर तक भारी बारिश की संभावना जताईं गईं है। आंकड़े बताते हैं कि उत्तर भारत में 12 साल बाद सबसे ज्यादा बारिश हुईं है। विदित हो कि साल 2013 में केदारनाथ में आईं विनाशकारी बाढ़ के बाद उत्तर भारत में इस साल सामान्य से 21™ ज्यादा बारिश हुईं हैं। आइएमडी के अनुसार 2021 के बाद इस बार उत्तर भारत के राज्यों में बेहद भारी बरसात हुईं हैं। कहना ग़लत नहीं होगा कि आज अंधाधुंध विकास के बीच हम प्रवृति से लगातार खिलवाड़ कर रहे हैं और हमें इसका खामियाजा भुगतना पड़ रहा है। प्रावृतिक आपदाओं के सामने मनुष्य आज असहाय प्रतीत होता है। निाति ही इससे देश की अर्थव्यवस्था प्रभावित होती है। हजारों लोगों की आजीविका पर भी व्यापक असर पड़ता है। जनजीवन अस्त-व्यस्त तो होता ही है। ऐसे में सरकार और संबंधित राज्य प्रशासन की यह जिम्मेदारी बनती है कि यात्रियों की सुरक्षा, मार्गो की मरम्मत, मौसम की पूर्व चेतावनी और आपदा-निवारण व्यवस्था को मजबूत करें। बारिश का यह कहर हमें कहीं न कहीं एक गहरा संदेश देता है - प्रवृति को हल्के में लेना हमारी सबसे बड़ी भूल है। बाढ़ अत्यधिक वर्षा, नदियों के उफान, बांध टूटने या बादल फटने के कारण आती है। इसमें नदियाँ और नाले खतरे के निशान से ऊपर बहने लगते हैं, जिससे गांव-शहर जलमग्न हो जाते हैं। कहना ग़लत नहीं होगा कि मनुष्य अपनी सुविधाओं और लालच के लिए लगातार प्रवृति से खिलवाड़ कर रहा है। जंगलों की कटाईं, नदियों का दोहन, प्रदूषण, अंधाधुंध-शहरीकरण और औद्योगिकीकरण ने पर्यावरण का संतुलन बिगाड़ दिया है। इसका परिणाम हमें भूवंप, बाढ़, सूखा, भूस्खलन, ग्लोबल वरमिग और जलवायु परिवर्तन जैसी आपदाओं के रूप में भुगतना पड़ रहा है।अंत में यही कहूंगा कि प्रवृति और विकास का संतुलन बनाए रखना मानव जीवन के लिए आवश्यक है। केवल आर्थिक प्रगति ही पर्यांप्त नहीं है, बल्कि पर्यांवरण और पारिस्थितिकी का संरक्षण भी उतना ही ज़रूरी है। सतत विकास वही है, जिसमें प्रावृतिक संसाधनों का उपयोग सोच-समझकर किया जाए। पेड़- पौधों, जल, भूमि और वायु को सुरक्षित रखकर ही आने वाली पीढ़ियों को बेहतर जीवन दिया जा सकता है। हमें यह चाहिए कि हम प्रवृति का सम्मान करें और संसाधनों को नष्ट न करें, अन्यथा प्रवृति हमें कहीं का भी नहीं छोड़ेगी।

जंगलों की कटाईं, नदियों का दोहन, प्रदूषण, अंधाधुंध शहरीकरण और औद्योगिकीकरण ने पर्यांवरण का संतुलन बिगाड़ दिया है। इसका परिणाम हमें भूवंप, बाढ़, सूखा, भूस्खलन, ग्लोबल वरमिग और जलवायु परिवर्तन जैसी आपदाओं के रूप में भुगतना पड़ रहा है। इस साल देशभर में बारिश बहुत ज्यादा कहर मचा रही है। जगह-जगह तबाही का आलम है। बरसात, जो कभी वरदान कहलाती थी, आज कईं राज्यों में कहर बनकर बरस रही है। सच तो यह है कि इस बार मॉनसून ने अपनी रौद्र लीला से पूरे उत्तर भारत को हिलाकर रख दिया है। देश में बहुत सी नदियां उफान पर हैं,तो बांध खतरे के निशान को छू रहे हैं, और जगह-जगह भूस्खलन व बादल फटने की घटनाएं प्रवृति के रौद्र रूप की भयावह तस्वीर पेश कर रही हैं

देश दुनिया से

उपराष्ट्रपति चुनाव : सीपी राधावृष्णन बनाम न्यायमरूति बी सुदर्शन रेड्डी

भाजपा के शुद्ध वैचारिक पृष्ठभूमि वाले व्यक्ति के पक्ष में संपूर्ण राजग का एकजुट होना साबित करता है कि नरेंद्र मोदी द्वारा सत्ता संभालने के बाद राजनीति भाजपा के संदर्भ में कहां से कहां पहुंच गईं है। यह राजग के भीतर वैचारिक द्वंद्व की संभावनाओं को तत्काल खारिज करने वाला संदेश है। वैसे भी बिहार चुनाव के वत्त कोईं पाटा इस आधार पर दगा करेगी यह कल्पना ही बेमानी है। ाजपा नेतृत्व वाले राजग के सीपी राधावृष्णन के विरुद्ध आईंएनडीआईंए उच्चतम न्यायालय के सेवानिवृत न्यायाधीश न्यायमरूति बी सुदर्शन रेड्डी को उम्मीदवार बनाने पर कांग्रेस का तर्व है भाजपा ने संघ पृष्ठभूमि वाले को उम्मीदवार बनाया जबकि हमने ऐसे न्यायमरूति को सामने लाया है जिनकी संविधान के प्रति प्रतिबद्धता है। इस तरह कांग्रेस इसे विचारधारा से जोड़ने की राजनीति की है। आईंएनडीआईंए में साफ था कि किसी राजनीतिक दल या वैसे चेहरे के पक्ष में पूरे समूह का वोट सुनिाति मानना कठिन होगा। बी सुदर्शन रेड्डी भी दक्षिण के हैं और संयुत्त आंध्र के होने के कारण विपक्ष की सोच है कि भाजपा के सहयोगियों तेलुगूदेशम, जन सेना के साथ तेलंगाना में भारत राष्ट्र समिति के सामने दुविधा पैदा होगी। दोनों सदनों के अंकगणित को देखें लोकसभा की प्रभावी सदस्य संख्या 542 और राज्यसभा की 240 है। तो उपराष्ट्रपति चुनाव में वुल मतदाताओं की संख्या हुईं, 782। राजग की 422 संख्या के अनुसार सीपी राधावृष्णन का उपराष्ट्रपति बनना प्रायः निाति है। आइए अब उम्मीदवारों के पीछे की रणनीति, उनकी योग्यताएं और संदेशों को समझें। चंद्रपुरम पोन्नुसामी राधावृष्णन के व्यक्तित्व में विवादों का स्थान नहीं रहा है। इसलिए उनके विरोध के लिए कोईं तथ्य नहीं मिल सकता। वर्तमान में महाराष्ट्र के राज्यपाल के पूर्व झारखंड के भी राज्यपाल रहे तथा इसी बीच वुछ समय के लिए तेलंगाना और पुडुचेरी का भी अतिरित्त प्रभार उनके पास रहा। लगातार जनता के बीच जाने के लिए झारखंड एवं महाराष्ट्र में यात्राएं करने के बावजूद राजनीतिक विवाद न होना या राजनीतिक दलों द्वारा प्रश्न खड़ा न किया जाना उनकी व्यवहारिक विवेकशीलता का प्रमाण है। वह 1998 और 1999 में दो बार तमिलनाडु के कोयंबटूर से लोकसभा सांसद रह चुके हैं। इसलिए कोईं उन्हें संसदीय प्रणाली से भी अनभिज्ञ नहीं कह सकता। उनका राजनीतिक वैरियर लगभग पांच दशक का है। वे तमिलनाडु में भाजपा के सचिव और अध्यक्ष रह चुके हैं। वैसे तमिलनाडु से ही सर्वपल्ली राधावृष्णन पहले उपराष्ट्रपति और बाद में राष्ट्रपति बने जो न कभी किसी सदन के सदस्य रहे और न किसी दल से जुड़े थे। हां तमिलनाडु से दूसरे उपराष्ट्रपति और राष्ट्रपति बीबी गिरी अवश्य गवर्नर का पद संभाल चुके थे। इसलिए विपक्ष के पास इस आधार पर भी आलोचना का कोईं कारण नहीं है। सुदर्शन रेड्डी आंध्रप्रदेश और गुवाहाटी उच्च न्यायालय के न्यायाधीश रहे और 2007 से 2011 तक उच्चतम न्यायालय में। नवर्तमान तेलंगाना की कांग्रेस सरकार ने जब सामाजिक ,आर्थिक, शैक्षणिक, जातीय सव्रेक्षण का पैसला किया तो उसके रिपोर्ट के लिए सुदर्शन रेड्डी की अध्यक्षता में ही एक समिति बनाईं थी। इस तरह कांग्रेस के साथ उनका संपर्व था। हालांकि जब वे गोवा के लोकायुत्त थे तब कांग्रेस ने विरोध किया था। उस समय उनकी नियुत्ति भाजपा सरकार की ओर से हुईं थी और इसलिए कांग्रेस में उन्हें पक्षपाती माना था। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने उन्हें सिविल लिबटाज यानी नागरिक स्वतंत्रता का झंडा उठाने वाला न्यायाधीश कहा है। छत्तीसगढ़ में माओवादी हिसा के विरुद्ध जनता के सलवा जुडूम संघर्ष को उन्होंने असंवैधानिक करार देकर प्रतिबंधित किया था। इस पैसले की तब से आज तक आलोचना हो रही है क्योंकि इसे जनता की अपने जीवन और संपत्ति की रक्षा तथा हिसा के द्वारा इन्हें नष्ट करने वालों के विरुद्ध संघर्ष का अधिकार छीना गया था। तो इसका संदेश क्या हो सकता है? शीर्ष स्तर पर न्यायाधीश की योग्यता छोड़ दें तो राजनीतिक दृष्टि से कांग्रेस या किसी पाटा के समर्थकों, नेताओं, कार्यकर्ताओं आदि के बीच इसका कोईं विशेष संदेश नहीं गया होगा। कांग्रेस इसे विचारधारा का विषय भले बनाए उसके या आईंएनडीआईंए दलों के लिए इसमें जनता के बीच आकर्षक राजनीतिक संदेश देने का पहलू नहीं है। कांग्रेस ने पिछली बार जगदीप धनखड़ के विरुद्ध अपनी नेत्री मारग्रेट अल्वा को खड़ा किया था। सो यह दावा नहीं कर सकते कि ऐसे पद के लिए राजनीति से परे हटकर विचार करते हैं। ऐसा लगता है कि विपक्षी दलों के मत दूसरी ओर जाने से रोकने के लिए सुदर्शन रेड्डी को उम्मीदवार बनाया गया है। दूसरी ओर साफ दिखता है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भाजपा ने उम्मीदवार पर गहराईं से मंथन किया है। प्रधानमंत्री मोदी अपनी नीतियों और व्यवहारों से तमिल बनाम अन्य, उत्तर बनाम दक्षिण के भेद को समाप्त करने के लिए सतत कोशिश कर रहे हैं। प्रधानमंत्री संपूर्ण भारत के साथ तमिल संस्वृति और वहां के आस्था स्थलों के जुड़ाव को अलग-अलग तरीकों से रेखांकित करते रहे हैं। काशी तमिल संगम तथा महत्वपूर्ण तमिल ग्रंथों का अन्य भारतीय भाषाओं में अनुवाद आदि से तमिल राजनीति के उत्तर दक्षिण, आर्यं द्रविड़ ,तमिल गैर तमिल जैसी विभाजनकारी राजनीति का उत्तर देने की भी प्रभावी कोशिश कर कर रहे हैं। भाजपा तमिलनाडु में अपना प्रभावी अस्तित्व बनाने के लिए साथि है। इस दृष्टि से राधावृष्णन का तमिल और पिछड़ा होने का राजनीतिक अर्थ समझ में आता है। एक राजनेता होते हुए भी राज्यपाल के रूप में अपनी भूमिका का निर्वहन कर राजनीति को नहीं आने देना उनका ऐसा गुण है जिसकी प्रशंसा दोनों राज्यों के भाजपा विरोधी परटियां करतीं हैं। दिन रात भाजपा के विरुद्ध बयान देने वाले शिवसेना उद्धव के नेता संजय राउत ने कहा कि उनका एक अविवादित व्यत्तित्व है। झारखंड से भी उनके बारे में यही आवाज है। इन पंत्तियों के लिखे जाने तक आंध्र की परटियों से सुदर्शन रेड्डी को समर्थन देने की घोषणा नहीं है जबकि जगनमोहन रेड्डी राधावृष्णन के समर्थन का बयान दे चुके हैं। वैसे राधावृष्णन को उम्मीदवार बनाने का भाजपा की दृष्टि से महत्वपूर्ण संदेश दूसरे हैं। पहले सत्यपाल मलिक और बाद में जगदीप धनखड़ के अनुभव से सीख लेते हुए ऐसा लगता है कि भाजपा पूरी तरह परीक्षित नेता को ही महत्वपूर्ण स्थानों पर लाने की नीति की ओर अग्रसर हो रही है। ऐसा होता है तो यह नरेंद्र मोदी सरकार के कार्यकाल का महत्वपूर्ण पड़ाव होगा। पिछले लोकसभा चुनाव में कार्यकर्ताओं और समर्थकों के असंतोष के पीछे यह एक प्रमुख कारण था जिसके क्षति भाजपा को उठानी पड़ी। राधावृष्णन की पूरे राजनीतिक जीवन में वैचारिक प्रतिबद्धता स्पष्ट रही है। तमिलनाडु में तमिल और सनातन विभाजन के विरुद्ध तथा सनातन संस्वृति के पक्ष में वे प्रखर रहे हैं। कोयंबटूर में 1997 के दंगों के बीच उनकी भूमिका को हिदू संगठनों ने काफी सराहा। जिन लोगों को पिछली सदी के अंतिम दशक में तमिलनाडु के अंदर बढ़ते मुस्लिम कट्टरवाद , दंगों और आतंकवाद की जानकारी है वे उनके कार्यं को भली-भांति समझते हैं।

आप का नजरिया

खोटा बनाम मोटा सवाल

कर्ज की सांसों में भी नखरे बहुत, सुना है सोने के चम्मच से ऑक्सीजन पीते हैं। विधानसभा में मोटे और खोटे सवालों पर खूब चर्चा होती रही है। मोटे तो वही जिन पर सरकार के उत्तर विपक्ष को निरुत्तर कर दें या विपक्ष बहिष्कार के माध्यम से खुद को दर्ज कर ले, लेकिन खोटे प्रश्न विधानसभा अध्यक्ष की अदालत में नाकारा हो रहे हैं। मसलन विधायक सुधीर शर्मा के विशेषाधिकार हनन नोटिस के छिलके उतारे गए, तो नियमों के हवाले और नियमों के दायरे फैल गए। दरअसल सोशल मीडिया की गफलत में विधानसभा की रुह समय से पहले ही बाहर आ रही है। मीडिया के सोशल पक्ष में हर विधायक रिपोर्टर बनना चाहता है और इस तरह असंपादित अंश की कचहरी में हर विधानसभा क्षेत्र अब सीधे संबोधित होने लगा है। जाहिर है सोशल मीडिया के मार्फत छोटे सवाल को मोटा बनाने की होड़ चली है। सदन की भाषा, देह भाषा, संदर्भों की मात्रा और अपने-अपने तर्कों से आशा बढ़ी है। एक ओर सरकार है जिसे अपनी छवि के तहत बहुत कुछ कहते हुए कोरा-कोरा कहना है, तो विपक्ष सदन के बाहर अपनी फील्ड की तैयारी को सदन के भीतर बताना चाहता है। इसका एक उल्लेख हम भीतर बैठे राजस्व मंत्री जगत सिंह नेगी और उनके विभागीय उत्तरों से दिशाओं का बोध कर सकते हैं। सवाल भाजपा के विक्रम ठाकुर और राकेश जम्बाल की ओर से पूछे जाने थे, लेकिन बहिष्कार की चुप्पियों ने सदन की परंपराओं से विरोध कर दिया। जनता के लिए प्रश्न खामोश थे, वहां गूंज रहे थे सियासी मंसूबे। किसके सामने कौन, कितने पानी में सत्ता या विपक्ष और किसके फरमान में संविधान के संबोधन सही हो जाएंगे, इसका न कोई हिसाब और न कोई मुखबिर, क्योंकि जनता इस परिदृश्य में न मेजबान और न ही जजमान बन सकती। इस सबके बीच हिमाचल अपने लिए मोटे सवाल लेकर बैठा रहा। सुबह से शाम और एक जवाब आया जब भरमौर से विधायक डा. जनकराज को उत्तर मिला कि 31 जुलाई 2025 तक, न उनका-न मेरा, बल्कि हम सभी का हिमाचल 98182 करोड़ रुपए का कर्जदार हो चुका है। अब सिर्फ 1818 करोड़ लोन लेकर हमारा यह प्यारा सा राज्य एक लाख करोड़ के उधार के नीचे गोटियां खेलेगा। आश्चर्य होता है कि हमारे सिंहासन, हमारे सवाल, हमारी वकालत, हमारी अदालत और हमारी इबादत खुद को बेहतर साबित करने में जुटी है, जबकि हर तरफ उधार के कंकाल लटक रहे हैं। उधार की किश्ती में सोना ढोने वाले, फकीर की बस्ती तक नहीं पहुंच पाएंगे। ये दरिया नहीं, दलदल है, धंसने के बाद निकल नहीं पाएंगे। इस हमाम में कई सरकारें और कई सियासी जादू कुर्बान हैं। एक लाख करोड़ ऋण उठाकर भी हमने बांटी है हस्तियां, सरकारी नौकरी में जाली अर्जियां। हम ऋण उठाकर कर्मचारी वर्ग को उठाते रहे। एचआरटीसी की खाली बसों से निजी बसों की क्षमता को हटाते रहे। ऐसी कौनसी अधोसंरचना है जो उधार की प्रासंगिकता में हमें कभी जीवनदान दे देगी। हमारे खाली पर्स में उधार की रसीदें हैं और सामने एक नए ऋण की खोज में अर्जियां ही अर्जियां। कर्ज के हिसाब में हमारे बजट में मूल धन व ब्याज की अदायगी के ग्यारह हजार करोड़ का प्रावधान भी एक फांस है, दिन में तारे खोज लाने की। अब वित्तायोग से आशा भरी निगाहों से देखने के अलावा हमारे पास और क्या चारा बचा है। क्या राजस्व घाटा अनुदान की भरपाई फिर से सही मिकदार में शुरू हो पाएगी। क्या जीएसटी से हुए घाटे की भरपाई में फिर से कोई दलील सामने आएगी। वित्तीय व्यवस्था के इस दौर में मितव्ययता के प्रश्न कौन उठाएगा। हैरानी यह कि एक लाख करोड़ के कर्ज के बावजूद कर्मचारी वर्ग की नाराजगी दूर नहीं होती, बेरोजगार की आशा पूरी नहीं होती और न ही हमारे नखरे काबू में रहते हैं। मुश्किल भरी यह हकीकत न हमारे आंसुओं में है और न ही हमारे संकल्पों के रास्तों पर खड़ी है।

मसलन विधायक सुधीर शर्मा के विशेषाधिकार हनन नोटिस के छिलके उतारे गए, तो नियमों के हवाले और नियमों के दायरे फैल गए। दरअसल सोशल मीडिया की गफलत में विधानसभा की रुह समय से पहले ही बाहर आ रही है। मीडिया के सोशल पक्ष में हर विधायक रिपोर्टर बनना चाहता है और इस तरह असंपादित अंश की कचहरी में हर विधानसभा क्षेत्र अब सीधे संबोधित होने लगा है। जाहिर है सोशल मीडिया के मार्फत छोटे सवाल को मोटा बनाने की होड़ चली है। सदन की भाषा, देह भाषा, संदर्भों की मात्रा और अपने-अपने तर्कों से आशा बढ़ी है। एक ओर सरकार है जिसे अपनी छवि के तहत बहुत कुछ कहते हुए कोरा-कोरा कहना है, तो विपक्ष सदन के बाहर अपनी फील्ड की तैयारी को सदन के भीतर बताना चाहता है। इसका एक उल्लेख हम भीतर बैठे राजस्व मंत्री जगत सिंह नेगी और उनके विभागीय उत्तरों से दिशाओं का बोध कर सकते हैं।

कुछ अलग

चाय पे चर्चा एक ये भी...

आइए टॉमी जी, घर ढूंढने में कोई मुश्किल...?' 'नहीं, नहीं। वो गूगल मैप...।' 'आपका चेहरा कुछ उतरा हुआ सा...?' 'हां, वो जो कोर्ट का डिसीजन आया है न।' 'पर अब तो उस डिसीजन को पलटी भी कब की लग गई मियां।' 'वो तो ठीक है, पर हम कुत्तों ने कितना स्ट्रैस और डिप्रेशन झेला, वो कुछ नहीं?' 'अरे! आप पहले सांस...।' 'भाड़ में गई सांस। अरे भई! जब तुम स्वयं जिंदगी में स्वतंत्रता चाहते हो तो किसी को क्या हक है कि कोई हमें सांकलों में बंद करे। तुम इनसानों से तो अच्छे हैं हम। तुम इनसान तो न जाने कितनों को अपनी जिंदगी में बिना छेड़े ही ईर्ष्या-द्वेष में ही एक-दूसरे को काट डालते हो।' 'सो तो है। आज आपके साथ ये सब हो रहा है। कल को हम बंदरों के साथ भी और फिर परसों चिडियां-कबूतरों, मुर्गियों के साथ भी यही होगा। कबूतर भी तो सबके बरामदे बालकनी में आकर बीट करते हैं और फडफ़ड़ाते हैं।' 'अरे बेगम! दार्जिलिंग चली गई क्या चाय लेने...वैसे हम बंदर भी बहुत चिंतित हैं।...देखो न वैसे तो हमें सीधे उठाकर गाड़ी में भरकर कितना दर्द-भरा इंजेक्शन लगा देते हैं।' 'हां, मिंकू जी, वही तो। हम कुत्तों को भी तो भैरव बाबा, भैरव बाबा कहकर मंदिर में पूजते हैं। कहां गए वो हमारे तथाकथित भक्त?...अब जब इन्हें अपने ग्रह काटने के लिए सडक़ के काले कुत्ते को रोटी खिलानी होती तो फिर बताओ, हम कहां मिलते?' 'हां, टॉमी जी! पुलिस, आर्मी, जासूस लोग भी तो आपका कितना इस्तेमाल करते हैं।' 'अरे! चाय भी आ गई।...बेगम! टॉमी जी के लिए कुछ इसके साथ...।' 'अरे! नहीं, नहीं...। एक बात है, ये इनसान नाम का आइटम है बड़ा मतलबी।'

दृष्टि कोण

मातृभूमि को सिजदा करने को लेकर विवाद

संस्कृत भाषा में एक गीत है जिसकी पहली पंक्ति है, नमस्ते सदा वत्सले मातृभूमे। इसका हिंदी भाषा में अर्थ है कि मां की तरह सदा प्यार करने वाली मातृभूमि, मैं तुम्हारा पुत्र तुम्हें प्रणाम करता हूं। संस्कृत का यह गीत या कविता देश में करोड़ों लोग पढ़ते और गाते हैं। बहुत साल पहले इसी प्रकार का एक और गीत भी संस्कृत में लिखा गया था, जिसका पहला वाक्य 'वंदे मातरम्' से शुरू होता है। उसका हिंदी में अर्थ यही था कि मैं मातृभूमि की वंदना करता हूं। उसे प्रणाम करता हूं। यह गीत आनंदमठ उपन्यास के रचयिता बंकिम चंद्र चटोपाध्याय ने लिखा था। यह गीत गाते हुए अनेक क्रांतिकारी फांसी का फंदा चूम गए थे। जब देश आजाद हो गया तो बहुत से लोगों ने यह गीत गाने का विरोध कर दिया। उनका कहना था कि हमारे मजहब के अनुसार सिजदा सदा खुदा के आगे ही किया जा सकता है। मां या मातृभूमि के आगे सिजदा करना या उसे प्रणाम करने की इजाजत उनका मजहब उन्हें नहीं देता। यह विवाद आज भी चलता रहता है। लेकिन पिछले दिनों इस विवाद ने एक नई बहस पकड़ ली। कर्नाटक प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष और राज्य सरकार में उप मुख्यमंत्री डीके शिव कुमार ने विधानसभा में संस्कृत की इस कविता 'नमस्ते सदा वत्सले मातृभूमे' की एक-दो पंक्तियां गा दीं। कभी स्कूल के दिनों में उन्होंने संस्कृत की यह कविता पढ़ी या गाई होगी। विधानसभा में देश या राष्ट्र को लेकर कोई प्रसंग आया होगा तो उन्होंने ये दो पंक्तियां जो उन्हें अब तक भी कंठस्थ रही होंगी, उस प्रसंग में जोड़ दीं। उसके बाद जो हुआ, उसकी तो न शिव कुमार ने कल्पना की होगी और न ही कर्नाटक के लोगों ने। कर्नाटक में सोनिया कांग्रेस की सरकार हैं और शिव कुमार लंबे अरसे से इसी पार्टी से जुड़े हुए हैं। शिव कुमार ने जैसे ही मातृभूमि को नमन किया, कांग्रेस के कुछ सदस्यों ने उसके विरोध में तूफान खड़ा कर दिया। मातृभूमि को इस प्रकार नमन तो राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के लोग करते हैं, आप इस प्रकार मातृभूमि को नमन करने के गीत सार्वजनिक रूप से कैसे गा सकते हैं? यह तो कांग्रेस से गद्दारी है। शिव कुमार पर यह आरोप लगाए जा रहे थे। वैसे केवल रिकार्ड के लिए, जब कांग्रेस कर्नाटक में जीती थी, तो उसके कुछ लोगों ने परिसर में ही पाकिस्तान जिंदाबाद के नारे लगा कर अपनी खुशी का इजहार किया था। उस वक्त किसी ने इसे गंभीरता से नहीं लिया था और कांग्रेस के भीतर से भी किसी ने नहीं कहा था कि पाकिस्तान जिंदाबाद कहने से कुछ गड़बड़ होती है। कुछ वरिष्ठ कांग्रेस जनों का कहना था कि व्यक्तिगत हैसियत में तो शिव कुमार कुछ भी गा सकते हैं। लेकिन वे अब प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष भी हैं। उनका कहना था भला कांग्रेस का अध्यक्ष सार्वजनिक तौर पर और वह भी विधानसभा में, मातृभूमि को प्रणाम करने वाले गीत कैसे गा सकता है? इस प्रकार के गीत तो संघ के लोग गाते हैं। इसलिए कांग्रेस के अध्यक्ष की हैसियत से मातृभूमि को प्रणाम करने का गीत गाने के लिए उनको माफी मांगनी चाहिए । कांग्रेस के ही एक दूसरे विधायक डा. रंगनाथन बैठे बिठाए इस विवाद में फंस गए। वे पेशे से डाक्टर हैं। उन्होंने कह दिया कि शिव कुमार ने गलत क्या किया है, यह देशभक्ति का गीत है। इसके गाने से कांग्रेस का विरोध कैसे हो जाता है? रंगनाथन की जिज्ञासा तो ठीक थी। यदि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के लोग मातृभूमि को प्रणाम करते हैं तो क्या कांग्रेस के लोग मातृभूमि को सिजदे का गीत नहीं गा सकते हैं? कर्नाटक में कांग्रेस के आम कार्यकर्ता में भी यह बहस शुरू हो गई थी। डीके शिव कुमार, डा. रंगनाथन समेत प्रदेश के सभी कार्यकर्ताओं का ध्यान बिहार में पदयात्रा कर रहे राहुल गांधी, मल्लिकार्जुन खडग़े की ओर लगा हुआ था।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

गलतफहमी और लगातार असहमति परिवारिक माहौल को निराशाजनक बना सकती है. यह स्थिति आपको तनावग्रस्त कर सकती है. आज कार्य स्थल पर सहकर्मियों और अधीनस्थों से टकराव होने का खतरा है. घरेलू मोर्चे से निपटने के लिए राजनयिक बनने की कोशिश करें और दार्शनिक दृष्टिकोण अपनाकर वास्तविक दुनिया को उसके वास्तविक परिप्रेक्ष्य में देखने का प्रयास करें. वित्तीय व्यवहार और निवेश के साथ अधिक सतर्क और सावधान रहें क्योंकि दिन ज्यादा अनुकूल नहीं है, कमाई घट सकती है और धन अवरुद्ध हो सकता है. दूसरों के लिए स्थायी गारंटी देने से बचें.

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आज आपका कोई सोचा हुआ काम पूरा हो जायेगा. इस राशि के छात्रों के करियर में आज नया बदलाव आयेगा, जो उनके भविष्य के लिए फायदेमंद होगा. आपकी सेहत बेहतर बनी रहेगी. इस राशि के जो लोग सोशल साइट्स पर काम करते हैं, उनकी जान–पहचान किसी ऐसे व्यक्ति से होगी, जिससे आपको काफी लाभ मिलेगा. कारोबार में कुछ लोग मददगार साबित होंगे. आपको कोई महत्वपूर्ण काम मिल सकता है. सामाजिक क्षेत्र में आपकी सराहना होगी. अपने मस्तक पर चंदन का तिलक लगाएं, आपके साथ सब अच्छा होगा.

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

बिजनेस और नौकरी में परिवार से सहयोग मिलेगा. कार्यस्थल पर सोच–समझकर बोलें. उन्नति के रास्ते खुलेंगे. बिजनेस में फायदा होने के योग बन रहे हैं. घर में उपयोग होने वाली वस्तुएं खरीद सकते हैं. अपनी सोच सकारात्मक रखें. विश्वसनीय व्यक्ति का सहयोग भी मिल सकता है. आपका पार्टनर संवेदनशील मूड में रहेगा. आपकी भावनाओं का सम्मान होगा. आपको अपनी सेहत पर विशेष ध्यान देना चाहिए.

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आज पारिवारिक समस्याओं से मन विचलित हो सकता है. सामाजिक प्रतिष्ठा मिलेगी. व्यापार–व्यवसाय में वृद्धि के योग हैं. उत्साह बना रहेगा. काम में मन लगेगा. नया काम मिलेगा. प्यार के लिए समय बेहतरीन है. नई जगह निवेश करने के लिए आप उत्सुक रहेंगे. कार्यक्षेत्र में पदोन्नति के योग बन रहे हैं. बिजनेस में धन लाभ के योग बन रहे हैं. आज प्रेमी और जीवनसाथी ही आपकी बड़ी ताकत होगा. आज अचानक ही आपके घर मेहमान आ सकते हैं

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

इस माह आपको भाग्य के साथ शानदार परिणाम मिलेंगे. आप प्रभावशाली लोगों से संपर्क स्थापित करेंगे. आप एक नई साझेदारी में प्रवेश कर सकते हैं और अपने लाभ को बढ़ा सकते हैं. अगर आप काम के लिए विदेश जाना चाहते हैं तो अपने प्रयासों को आगे बढ़ाएं. वित्तीय मामले आसानी से आगे बढ़ेंगे. प्रतिद्वंद्वी गतिविधि आपको नुकसान नहीं पहुंचाएगी. पारिवारिक जीवन आनंदमय रहेगा और आप अपने परिवार के सदस्यों के साथ किसी धार्मिक पर जा सकते हैं. यह एक मनोरंजक यात्रा होगी और इससे आपको मानसिक शांति भी मिलेगी.

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आज आर्थिक पक्ष मजबूत रहेगा. इस राशि के छात्रों को अपने शिक्षकों का पूरा–पूरा सहयोग मिलेगा। साथ ही करियर में आगे बढ़ने के नए अवसर भी सामने आएंगे। संतान पक्ष की ओर से आपको सुख की प्राप्ति होगी. अपने कार्यों में संतान से पूरी मदद मिलेगी. आपको पैसे कमाने के अच्छे मौके मिलेंगे. किसी खास व्यक्ति से कामकाज के मामले में आपको कुछ नए आइडिया मिल सकते हैं. शाम को बच्चों के साथ पार्क में घूमने जायेंगे। गाय को रोटी खिलाएं, घर में सुख–शांति बनी रहेगी.

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

कर्ज से छुटकारा मिल सकता है. अपने काम पर पूरी नजरे रखें. अधिकारियों से सहयोग मिलेगा. आज आपके लिए योजना बनाना मेहनत करने से भी ज्यादा कारगर साबित हो सकता है. आपके लिए परिवार, जमीन–जायदाद के मामले, दोस्त और रिश्तेदार बहुत खास हो सकते हैं. आपका व्यवहार पार्टनर को खुशी देगा. कुछ नया और सकारात्मक काम करेंगे, तो आप अपने जीवन में अच्छा खासा सुधार कर सकते हैं.

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आज आपकी घरेलू जिम्मेदारियों में धन खर्च होने की संभावना है, प्रयासरत कोई महत्वपूर्ण कार्य हल होने से मन प्रसन्न होगा. आपको परिवार के सदस्यों और दोस्तों के साथ बिताने के लिए पर्याप्त समय मिलेगा. आपको प्यार में ग़म का सामना करना पड़ सकता है. आत्मविश्वास में वृद्धि होगी. पुराने मित्रों के साथ यात्रा का कार्यक्रम बन सकता है. आपके कामों की तारीफ हो सकती है. अपनी प्राथमिकताएं निर्धारित कर लें और अपने काम पर लग जाएं.

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आर्थिक रूप से यह बहुत अच्छी अवधि है. व्यापारी वर्ग वांछित परिणाम प्राप्त करेंगे और अपने कार्य क्षेत्र में अपने लिए जगह बनाएंगे. सामाजिक लोकप्रियता प्राप्त करने के शुभ संकेत हैं. आपको कोई शुभ समाचार प्राप्त होगा. परिवार में शादी या बच्चे का जन्म हो सकता है. खेलप्रेमियों को अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर मिलेगा. प्रेम सम्बन्ध मजबूत होंगे. छात्र अच्छा प्रदर्शन करेंगे. जोड़ो से सम्बंधित रोगों से जूझ रहे जातकों को अत्यधिक ध्यान रखने की आवश्यकता है.

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

पारिवारिक मामलों में आपको भागदौड़ करनी पड़ेगी. ऑफिस में काम धीमी गति से पूरे हो सकते हैं, इससे आपकी परेशानी थोड़ी बढ़ सकती है. किसी बात को लेकर भाई–बहन से अनबन हो सकती है. आज किसी से भी बेवजह मजाक करने से आपको बचना चाहिए. आप नए काम पर सोच–विचार कर सकते हैं. आप किसी दोस्त से मदद मांग सकते हैं. सेहत ठीक बनी रहेगी. मंदिर में सुबह–शाम घी का दीपक जलाएं, आपके काम में स्थिरता बनी रहेगी.

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

बिजनेस में आत्मनिर्भरता रहेगी. नए लोगों से कॉन्टैक्ट बनेंगे. कामकाज बढ़ेगा. साथ के लोगों से सहयोग मिल सकता है. नए लोगों से भी अच्छे संबंध बनेंगे. बेरोजगार लोगों को रोजगार मिलेगा. आपकी आर्थिक स्थिति में जल्दी ही सुधार लाने में सफल रहेंगे. आपके सोचे हुए काम समय पर पूरे हो जाएंगे. पुरानी समस्याओं का समाधान मिल सकता है. मौसमी बीमारियां भी हो सकती हैं.

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

अपने परिवार के साथ रुखा व्यवहार न करें. यह पारिवारिक शान्ति को भंग कर सकता है. वाहन व मशीनरी के प्रयोग में सावधानी रखें. किसी बड़ी समस्या से सामना हो सकता है. दूसरों के बहकावे में न आएं. आय में निश्चितता रहेगी. अपने स्वास्थ्य पर ध्यान दें. निवेश के लिए अच्छा दिन है, लेकिन उचित सलाह से ही निवेश करें. शिक्षा–प्रतियोगिता में सफलता,षड्यंत्र का शिकार होने से बचें. इस राशि के स्टूडेंट्स का मन पढ़ाई में लगेगा.

आज का पंचांग

दिनांक : 30 अगस्त 2025 , शनिवार
विक्रम संवत : 2082
मास : भाद्रपद , शुक्ल पक्ष
तिथि : सप्तमी रात्रि 10:48 तक
नक्षत्र : विशाखा दोपहर 02:38 तक
योग : ऐन्द्र रात्रि 03:10 तक
करण : गर प्रातः 09:37 तक
चन्द्रराशि : तुला प्रातः 07:54 तक
सूर्योदय : 06:01 सूर्यास्त 06:31 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:08 , सूर्यास्त 06:31 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:00 , सूर्यास्त 06:24 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:54 ,सूर्यास्त 06:22 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

शुभ : 07:30 से 09:00
चल : 12:00 से 01:30
लाभ : 01:30 से 03:00
अमृत : 03:00 से 04:30
राहुकाल : प्रातः 09:00 से 10:30
दिशाशूल : पूर्व दिशा
उपाय : उडद खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : दूबडी साते, पूर्वाफाल्गुनी में रवि रात्रि 09:44 से, सन्तान सप्तमी , भद्रा रात्रि 10:41 से

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

सरकार ने पेपरलीक पर की कड़ी कार्रवाई, नहीं बख्शेंगे दोषियों को : भजनलाल

जयपुर, 29 अगस्त (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार ने पिछले साल हरियाली तीज के अवसर पर 'हरियालो राजस्थान' अभियान शुरू किया। जिसके अन्तर्गत हमनें पिछले वर्ष 7 करोड़ पौधे लगाने का लक्ष्य रखा और साढ़े 7 करोड़ पौधे लगाकर लक्ष्य को पूरा किया। इस वर्ष हमनें 10 करोड़ पौधे लगाने का लक्ष्य रखा और अब तक 11 करोड़ से अधिक पौधे लगाए हैं। इस तरह हम अब तक साढ़े 18 करोड़ पौधे लगा चुके हैं। हमारी सरकार 5 वर्ष में 50 करोड़ पेड़ लगाएगी और प्रदेश को हरा भरा बनाएगी।

मुख्यमंत्री शर्मा शुक्रवार को टोंक के टोडारायसिंह में 'एक पेड़ मां के नाम' एवं 'हरियालो राजस्थान' के तहत आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि हमारी संस्कृति में प्रकृति का विशेष स्थान है। हमारी परंपरा में पेड़, पहाड़ और जल स्रोतों की पूजा की जाती है। इस धरती पर भोलेनाथ का मंदिर, बीसलपुर बांध और हरियाली से युक्त पहाड़ियों का संगम इस भावना को साकार कर रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अनूठी पहल 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान से प्रेरणा लेकर हमारी सरकार ने 'हरियालो राजस्थान' की शुरुआत की है। यह संकल्प धरती माँ के प्रति सम्मान का प्रतीक है। हमनें अरावली पर्वतमाला के संरक्षण और इसे हरा–भरा बनाने के लिए 250 करोड़ रुपये की हरित अरावली विकास परियोजना बनाई है। परियोजना के तहत इस मानसून में 19 अरावली जिलों के 32 हजार हेक्टेयर क्षेत्र में वृक्षारोपण करवा रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार ने प्रदेश के किसानों को पेयजल एवं सिंचाई के लिए जल उपलब्ध करवाने की दिशा में कई फैसले किए हैं। हमनें पूर्वी राजस्थान के किसानों के लिए रामजल सेतु लिंक परियोजना, शेखावाटी के लिए यमुना जल समझौते को आगे बढ़ाया है। वहीं, पश्चिमी एवं दक्षिणी राजस्थान के लिए माही बांध को जवाई बांध से जोड़ने और अन्य जिलों के लिए ब्राह्मणी नदी को बीसलपुर बांध से जोड़ने का काम किया जा रहा है। इसी तरह, हमारी सरकार 2027 तक प्रदेशभर के किसानों को दिन में बिजली उपलब्ध करवाने के लक्ष्य के साथ कार्य कर रही है और अब तक 22 जिलों के किसानों को दिन में बिजली उपलब्ध करवाई जा रही है। किसान अब अन्नदाता के साथ–साथ ऊर्जादाता बनने की ओर अग्रसर है। इसी तरह, पशुपालकों के लिए हमारी सरकार गोपाल क्रेडिट कार्ड के माध्यम से ऋण उपलब्ध करवा रही है।

मुख्यमंत्री शर्मा ने कहा कि पूर्ववर्ती सरकार के कार्यकाल में पेपरलीक जैसी घटनाओं से किसानों और उनके युवा बेटों के सपनों पर कुठाराघात हुआ। वहीं, हमारी सरकार ने पेपरलीक के खिलाफ कार्रवाई के लिए एसआईटी गठित की और दोषियों को सलाखों के पीछे भेजा। हमारी सरकार एक भी दोषी को नहीं बख्शेगी। उन्होंने कहा कि पिछले डेढ़ वर्ष में पूरी पारदर्शिता और समयबद्ध रूप से भर्ती परीक्षाएं आयोजित हुई और एक भी पेपर लीक नहीं हुआ। हमारी सरकार ने पांच साल में 4 लाख सरकारी नौकरी के लक्ष्य की दिशा में हजारों युवाओं को समय पर नियुक्ति प्रदान करने के साथ ही भर्ती परीक्षाओं के लिए पूरे साल का कलैण्डर भी जारी किया है।

मुख्यमंत्री शर्मा ने कहा कि जन सेवा की नीयत से किए गए काम धरातल पर दिख रहे हैं। हमारी सरकार ने पिछले डेढ़ साल में प्रदेश की सूरत बदलने का काम किया है और पूर्ववर्ती सरकार के 5 साल में किए गए कार्यों से ज्यादा काम किए हैं। उन्होंने कहा कि हमनें टोंक जिले के विकास के लिए दोनों वर्ष के बजट में प्रावधान किए है। 650 करोड़ रुपये से नसीराबाद से देवली तक सड़क को 4 लेन करवाने की डीपीआर के लिए निविदा आमंत्रित की जा चुकी है। इसके साथ ही 147 करोड़ रुपये से बनास नदी पर पुलिया निर्माण हेतु डीपीआर एवं 103 करोड़ रुपये से बीसलपुर परियोजना की दायीं व बायीं मुख्य नहर व विभिन्न माइनर प्रणालियों की मरम्मत व जीर्णोद्धार का काम शुरू किया है। उन्होंने कहा कि इसी तरह, पेयजल के लिए हमनें 92 करोड़ 15 लाख रुपये से निवाई, डिग्गी व लांबा हरिसिंह की पेयजल योजनाओं का काम शुरू कर दिया है और 275 करोड़ रुपये से टोंक में सतत् जलापूर्ति गुणात्मक संवर्धन कार्य करवाएंगे।

भजनलाल शर्मा का ग्रीन रिकॉर्ड : राजस्थान में 11 करोड़ पौधे, लक्ष्य से 4 करोड़ अधिक

टोंक/टोडारायसिंह, 29 अगस्त (एजेंसियां)। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शुक्रवार को 'हरियालो राजस्थान' अभियान के तहत टोंक ज़िले में एक ऐतिहासिक रिकॉर्ड बनाया। यहाँ महज़ एक घंटे में 60,000 लोगों ने एक साथ 60,000 पौधे लगाए। यह आयोजन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पहल 'एक पेड़ मां के नाम' और राज्य सरकार के 'हरियालो राजस्थान' अभियान का हिस्सा था।

कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने घोषणा की कि पर्यावरण संरक्षण और राज्य को हराभरा बनाने के लिए 250 करोड़ रुपये की एक महत्वाकांक्षी परियोजना पर काम किया जा रहा है। उन्होंने कहा, जहाँ हरियाली होगी, वहीं बरसात अधिक होगी। इसी सोच के साथ हमारी सरकार ने पौधारोपण का बड़ा लक्ष्य रखा है।

मुख्यमंत्री ने बताया कि पिछले वर्ष 7 करोड़ पौधों के लक्ष्य के मुकाबले 7.5 करोड़ पौधे लगाए गए थे। इस वर्ष 10 करोड़ पौधे लगाने का लक्ष्य रखा गया था, लेकिन पिछले दो महीनों में ही 11 करोड़ पौधे रोपे जा चुके हैं।

राज्य में अफॉर्डेबल हाउसिंग उपलब्ध करवाने के लिए सरकार प्रतिबद्ध : मुख्य सचिव

जयपुर, 29 अगस्त (एजेंसियां)। मुख्य सचिव सुधांश पंत ने कहा कि राज्य सरकार प्रदेश में सभी को अफॉर्डेबल हाउसिंग उपलब्ध करवाने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राजस्थान में अर्बन इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूती देने के लिए कई योजनाएं लागू की गई हैं। साथ ही केंद्र सरकार की नीतियों को भी राज्य स्तर पर प्रभावी ढंग से लागू किया जा रहा है।

सुधांश पंत शुक्रवार को नई दिल्ली में आयोजित राष्ट्रीय रियल एस्टेट विकास परिषद (नरेडको) के 17वें राष्ट्रीय सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर शहरी विकास और आवास विभाग के प्रमुख शासन सचिव देबाषीष पृष्ठी, स्वायत शासन सचिव रवि जैन और रेरा की चेयरपर्सन वीनू गुप्ता भी उपस्थित थी।

सम्मेलन में उपस्थित प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए पंत ने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश के अर्बन सेक्टर और इंफ्रास्ट्रक्चर में उल्लेखनीय प्रगति हुई है। देश में सड़कों का विकास हो अथवा सभी को अफॉर्डेबल हाउसिंग उपलब्ध करवाने या हर घर तक स्वच्छ पीने योग्य जल पहुंचने का लक्ष्य हो, इन सभी क्षेत्रों में देश के साथ–साथ राजस्थान ने भी महत्वपूर्ण उपलब्धियां हासिल की है। राजस्थान में इस वर्ष नई टाउनशिप पॉलिसी और मॉडल बिल्डिंग बायलॉज लॉन्च किए गए हैं, जिससे नए प्रोजेक्ट्स को सुविधा और गति मिलेगी। मुख्य सचिव पंत ने कहा कि किसी भी राज्य में बेहतर निवेश माहौल बनाने के लिए नीतियों और प्रक्रियाओं को सरल बनाना आवश्यक है। इसी दिशा में कार्य करते हुए राजस्थान में पुराने नियमों को सरल कर अनावश्यक बोझ घटाने की प्रक्रिया जारी है। साथ ही ट्रांजैक्ट ओरिएंटेड डेवलपमेंट और ट्रांसफरेबल डेवलपमेंट राइट (टीडीआर) पॉलिसी को भी प्रभावी रूप से लागू किया जा रहा है।

उन्होंने बताया कि इस वर्ष राजस्थान सरकार ने ग्रीन बजट प्रस्तुत किया है, जिसमें शहरों को सतत और पर्यावरण अनुकूल बनाने के विशेष प्रावधान किए गए हैं। इसमें सर्कुलर इकॉनोमी, रिसोर्सेस का सस्टेनेबल उपयोग और लैंड उपयोग को अधिक प्रभावी बनाने पर जोर दिया गया है।

पंत ने ''राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट'' का उल्लेख करते हुए कहा कि इसमें अर्बन सेक्टर में लगभग 1.25 लाख करोड़ रुपये के प्रोजेक्ट्स के एमओयू साइन किए गए हैं। इनमें से 25,000 करोड़ रुपये के प्रोजेक्ट्स मौके पर ही शुरू हो गए, जो एक बड़ी उपलब्धि है। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि पिछले एक वर्ष में राजस्थान सरकार ने औद्योगिक, पर्यटन, खनन एवं खनिज, सिविल एविएशन और ऊर्जा क्षेत्र सहित विभिन्न क्षेत्रों में 15 नई नीतियां लागू की हैं।

राज्यपाल से ब्राजील के राजदूत केनेथ फेलिक्स हैकिंस्की दा नोब्रेगा ने मुलाकात की

जयपुर, 29 अगस्त (एजेंसियां)। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे से शुक्रवार को भारत में ब्राजील के राजदूत केनेथ फेलिक्स हैकिंस्की दा नोब्रेगा ने राजभवन पहुंचकर मुलाकात की। राज्यपाल से उनकी यह शिष्टाचार भेंट थी। इस दौरान उन्होंने राज्यपाल को ब्राजील में कृषि से जुड़े उत्पादों, वहां के जीवन और लोगों के बारे जानकारी दी।

राज्यपाल बागडे ने ब्राजील के कृषि–व्यवसाय के बारे में विशेष जानकारी ली और भारत में प्राकृतिक खेती के बारे में किए जा रहे प्रयासों के बारे में बताया। राज्यपाल ने कहा कि राजस्थान कृषि, सहकारिता और डेयरी क्षेत्र के साथ विभिन्न अन्य क्षेत्रों में तेजी से विकास कर रहा है। उन्होंने राजस्थान और देश के विकास से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर भी संवाद किया।

ब्राजील के राजदूत केनेथ फेलिक्स हैकिंस्की दा नोब्रेगा ने बताया कि कृषि ब्राजील के सकल घरेलू उत्पाद का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। सोयाबीन, कॉफी, चीनी आदि उत्पादों में ब्राजील अपने घरेलू खपत व निर्यात दोनों में विश्वभर में अग्रणी है। राज्यपाल बागडे ने राजस्थान के मोटे अनाज और उनकी पोषण गुणवत्ता के बारे में विशेष रूप से जानकारी दी। ब्राजील के राजदूत से अनौपचारिक संवाद में उन्होंने वैश्विक स्वास्थ्य, कृषि और अर्थव्यवस्था के विभिन्न क्षेत्रों में भारत को अग्रणी किए जाने, साझा प्रयासों पर भी विमर्श किया।

राज्यपाल बागडे ने ब्राजील में एथेनॉल और बायो उर्वरकों के बारे में विशेष रूप से संवाद किया। इस दौरान ब्राजील की शहरी और ग्रामीण आबादी, उनकी आजीविका आदि विषयों पर भी विशेष रूप से संवाद हुआ। आरंभ में राज्यपाल बागडे ने राजदूत का राजभवन आगमन पर अभिनंदन किया।

गुरुग्राम स्पेशल कोर्ट का एसआरएस ग्रुप के भगोड़े प्रमोटरों के खिलाफ एक्शन, नोटिस जारी

गुरुग्राम, 29 अगस्त (एजेंसियां)। गुरुग्राम की विशेष अदालत (पीएमएलए) ने एसआरएस ग्रुप की विभिन्न कंपनियों के प्रमोटरों और निदेशकों (जितेंद्र कुमार गर्ग, सुनील जिंदल और प्रवीण कुमार कपूर) को नोटिस जारी किया है। विशेष अदालत ने भगोड़ा आर्थिक अपराधी अधिनियम (एफईओए), 2018 के तहत एसआरएस ग्रुप की कंपनियों के प्रमोटरों और निदेशकों को यह नोटिस जारी किया है।

ईडी के अनुसार, यह नोटिस धारा 4, एफईओए, 2018 के तहत दायर एक आवेदन के आधार पर जारी किया गया है, जिसमें इन आरोपियों को भगोड़ा आर्थिक अपराधी घोषित करने और उनके द्वारा नियंत्रित कंपनियों, सहयोगियों और उनकी 212.73 करोड़ रुपए की चल और अचल संपत्तियों को जब्त करने की मांग की गई है।

एसआरएस ग्रुप रियल एस्टेट और वित्तीय व्यवसाय में सक्रिय था। इन प्रमोटरों पर धोखाधड़ी, आपराधिक विश्वासघात, संपत्ति का आपराधिक दुरुपयोग और आपराधिक साजिश जैसे अपराधों का आरोप है, जिसमें उन्होंने होमबायर्स, प्लॉट खरीदारों, बैंकों और अन्य वित्तीय संस्थानों को ठगा है।

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने हरियाणा पुलिस, दिल्ली ईओडब्ल्यू और सीबीआई, नई दिल्ली द्वारा दर्ज लगभग 81 एफआईआर के आधार पर जांच शुरू की। इन एफआईआर में भारतीय दंड संहिता, 1860 की विभिन्न धाराओं के तहत अनिल जिंदल, जितेंद्र कुमार गर्ग, सुनील जिंदल, प्रवीण कुमार कपूर और एसआरएस ग्रुप के अन्य निदेशकों तथा प्रमुख कर्मचारियों के खिलाफ आरोप लगाए गए थे।

गुरुग्राम में भाजपा की संगठनात्मक बैठक, सेवा पखवाड़ा की तैयारी

गुरुग्राम, 29 अगस्त (एजेंसियां)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रदेश अध्यक्ष मोहन लाल बड़ौली की अध्यक्षता में गुरुग्राम स्थित भाजपा कार्यालय में दो महत्वपूर्ण संगठनात्मक बैठकें हुईं। इन बैठकों का मुख्य उद्देश्य प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस (17 सितंबर) के उपलक्ष्य में मनाए जाने वाले 'सेवा पखवाड़ा' की रूपरेखा तैयार करना था। इन बैठकों में राष्ट्रीय सचिव ओम प्रकाश धनखड़, राष्ट्रीय कार्यालय सचिव महेंद्र पांडे, राज्यसभा सांसद नरेश बंसल और संगठन मंत्री फणींद्रनाथ शर्मा सहित सभी जिलों के अध्यक्ष और जिला प्रभारी मौजूद रहे। राष्ट्रीय कार्यालय सचिव ने सभी कार्यालयों के बेहतर रखरखाव के लिए जरूरी निर्देश दिए।

पंडित मोहन लाल बड़ौली ने कहा कि 17 सितंबर से 2 अक्टूबर तक चलने वाले इस 'सेवा पखवाड़ा' में भाजपा कार्यकर्ता सेवा से जुड़े विभिन्न कार्य करेंगे। उन्होंने बताया कि 'नायब' सरकार तेजी से संकल्प पत्र के वादों को पूरा कर रही है और आने वाले समय में सभी घोषणाएं पूरी की जाएंगी।

मोहन लाल बड़ौली ने 'दीनदयाल लाडो लक्ष्मी योजना' की सराहना करते हुए कहा कि हरियाणा महिलाओं को 2100 रुपये देने वाला देश का पहला राज्य बन गया है। उन्होंने कहा कि 23 से 60 वर्ष की लगभग 21 लाख बहनों को इस योजना का लाभ मिलेगा। उन्होंने बताया कि इस योजना के लिए 5 हजार करोड़ रुपये का बजट रखा गया है, जिसे जरूरत पड़ने पर बढ़ाया जा सकता है।बैठक के बाद मीडिया से बातचीत में बड़ौली ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि 'सोने की चम्मच मुंह में लेकर पैदा हुए राहुल गांधी' गरीबों का दर्द नहीं समझ सकते।

भारत और अफ्रिका एक-दूसरे की क्षमताओं पर करें विश्वास : सैनी

हरियाणा, 29 अगस्त (एजेंसियां)। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सैनी ने हरियाणा को कृषि–प्रधान राज्य बताते हुए शुक्रवार को कहा कि राज्य सरकार का उद्देश्य केवल उत्पादन बढ़ाना ही नहीं, बल्कि कृषि को लोगों के लिए एक स्थायी और लाभदायक व्यवसाय बनाना है।

नई दिल्ली में 20वें सीआईआई इंडिया–अफ्रीका बिजनेस कॉन्क्लेव में 'खेत से भविष्य तक: भारत का अनुभव साझा करना – हरियाणा की कहानी' विषय पर आयोजित एक सत्र में सैनी ने कहा कि राज्य सरकार खेती से लेकर बाजार में उपज बेचने तक, हर कदम पर किसानों की मदद के लिए हर संभव प्रयास कर रही है।

उन्होंने अफ्रिका के अपने सभी भागीदारों से मिलकर काम करने और अपने अनुभवों को साझा करने का आग्रह किया। उन्होंने दोनों देशों की सर्वोत्तम कृषि पद्धतियों का आदान–प्रदान करने का आह्वान किया।

सैनी ने कहा, हमें एक–दूसरे की क्षमताओं पर विश्वास करना चाहिए और नए अवसरों को मिलकर तलाशना चाहिए। भारत और अफ्रिका के बीच यह साझेदारी मानवता, गरीमा और एक साझा भविष्य के लिए एक शक्तिशाली संदेश भी है। हम हरियाणा के लोग बिजनेस टू बिजनेस और गवर्नमेंट टू गवर्नमेंट डील नहीं करते बल्कि हार्ट टू हार्ट डील करते हैं। उन्होंने मिलकर इस 20वें कॉन्क्लेव को मील का पत्थर बनाने की आह्वान किया, जो आगामी दशकों के लिए दोनों देशों की साझेदारी की दिशा तय करे।

उन्होंने सीआईआई को लेकर कहा, सीआईआई उद्योग जगत और सरकार के बीच लंबे समय से एक सेतू के रूप में कार्य कर रहा है। देश में ओद्योगिक क्षेत्र के विकास और प्रगति में इस संस्था का महत्वपूर्ण योगदान है। यह संस्था उद्योग जगत प्रतिनिधियों को उनके अनुभवों और विचारों के आदान प्रदान के लिए उपयुक्त मंच प्रदान करती है। सैनी ने ग्लोबल साउथ को लेकर कहा कि पीएम मोदी ने ग्लोबल साउथ की भूमिका पर जोर देते हुए कहा है कि विकासशील देशों की आवाज को मजबूती से उठाया जाए। साथ ही सामूहिक विकास के लिए सहयोग और साझेदारी की जरूरत है। पीएम मोदी ने कहा है कि ग्लोबल साउथ की एकता से ही वैश्विक समस्याओं का समाधान संभव हो सकता है।

सैनी ने जानकारी देते हुए बताया कि प्रदेश में हरियाणा राज्य स्टार्टअप नीति 2022 को भी लागू किया गया है, इसमें कैपिटल सब्सिडी, लीज रेंट सब्सिडी, पेमेंट लागत की प्रतिपूर्ती, नेट एसज–ीएसटी में रियायत, क्लाउड, स्टोरेज सहायता और सीड फंडिंग जैसी सुविधाएं शामिल हैं।

उन्होंने कहा, हमारे युवा बिना किसी वित्तीय चिंता के अपने विचारों पर काम कर सकेंगे। इसी का परिणाम है कि प्रदेश में युवाओं द्वारा 9500 स्टार्टअप शुरू किए गए हैं। आज हरियाणा भारत में स्टार्टअप की संख्या में 7वें बड़े राज्य के रूप में उभरा है। इसमें 50 प्रतिशत स्टार्टअप संस्थापक महिलाएं हैं। हमने अगले चरण में स्टार्टअप में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाकर 60 प्रतिशत करने का लक्ष्य रखा है।

उच्चस्तरीय जांच समिति ने सीएम योगी को सौंपी 450 पन्ने की रिपोर्ट

संभल हिंसा के पीछे सपा सांसद जियाउर रहमान बर्क का हाथ

हिंदुओं पर हमला करने और तीर्थ स्थलों पर कब्जा करने की थी साजिश

लखनऊ, 29 अगस्त (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के संभल में 24 नवंबर 2024 को हुई सांप्रदायिक हिंसा की जांच के लिए गठित की गई तीन सदस्यीय उच्चस्तरीय जांच समिति ने 450 पन्नों की रिपोर्ट मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को सौंप दी है। इस जांच रिपोर्ट से बड़ा खुलासा हुआ है। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि यह दंगा अचानक नहीं भड़का बल्कि इसे पूर्वनियोजित साजिश के तहत अंजाम दिया गया था। इसमें कई राजनीतिक और मजहबी किरदारों की भूमिका रही है।

रिपोर्ट के अनुसार, समाजवादी पार्टी के सांसद जियाउर रहमान बर्क ने 22 नवंबर को नमाजियों को संबोधित करते हुए कहा था, हम इस देश के मालिक हैं, नौकर-गुलाम नहीं। मस्जिद थी, है और कयामत तक रहेगी। अयोध्या में हमारी मस्जिद ले ली गई, यहां ऐसा नहीं होने देंगे। इस भाषण का कन्वर्टेड हिंदू पठानों ने विरोध किया, जिससे तुर्क और पठान समुदाय आमने-सामने आ गए। 24 नवंबर को यही तनाव हिंसा में बदल गया। रिपोर्ट में साफ कहा गया है कि इस साजिश में सांसद बर्क, विधायक के बेटे सुहैल इकबाल और जामा मस्जिद की इंतजामिया कमेटी की बड़ी भूमिका रही थी। रिपोर्ट में यह भी दर्ज है कि दंगे की आड़ में 68 तीर्थ स्थलों और 19 पावन कूपों पर कब्जे की कोशिश की गई। हरिहर मंदिर को भी निशाना बनाया गया, जिसने बाबर काल की यादें ताजा कर दीं। हरिहर मंदिर को भी निशाना बनाया गया था।

योगी सरकार ने इन स्थलों के पुनरुद्धार की योजना बनाई और 30 मई 2025 को इसका शिलान्यास किया। दंगे को बढ़ाने के लिए बाहरी उपद्रवियों को बुलाया गया और हिंदू मोहल्लों को निशाना बनाने की योजना बनाई गई लेकिन पुलिस की कड़ी तैनाती से यह मंसूबा विफल हो गया। फिर भी, तुर्क और पठान समुदायों के बीच हुई क्रॉस फायरिंग में चार लोगों की मौत हुई। रिपोर्ट के मुताबिक 1936 से 2019 तक यहां 73 दिन कर्फ्यू लगा, जिसमें 1948 में 20 दिन, 1978 में 30 दिन और 2019 में सीएए हिंसा के दौरान 6 दिन शामिल हैं। रिपोर्ट में संभल को आतंकी संगठनों और अवैध हथियारों का अड्डा बताया गया है। अलकायदा और हरकत-उल-मुजाहिदीन की गतिविधियों का जिक्र है और अमेरिका द्वारा आतंकी घोषित मौलाना आसिम का कनेक्शन भी संभल से जुड़ा बताया गया है। संभल में जनसंख्या (डेमोग्राफी) में भी बड़ा बदलाव हुआ है। आजादी के समय 55 प्रतिशत मुस्लिम और 45 प्रतिशत हिंदू थे लेकिन अब हिंदू घटकर 15 प्रतिशत और मुस्लिम बढ़कर 85 प्रतिशत हो गए हैं। 1947 से 2019 तक यहां 15 बड़े दंगे हुए जिनका सबसे ज्यादा असर हिंदू समाज पर पड़ा है।

उत्तर प्रदेश के संभल स्थित कथित शाही जामा मस्जिद के सर्वे के दौरान 24 नवंबर 2024 को हुई हिंसा ने पूरे देश का ध्यान खींचा। कट्टरता से ओतप्रोत हजारों की कट्टरपंथियों की भीड़ ने पुलिस की टीम पर जानलेवा हमला किया। जबावी कार्रवाई में तीन लोगों की मौत हुई और कई घायल हो गए थे। अब उसी हिंसा को लेकर चौंकाने वाला खुलासा पुलिस की चार्जशीट में हुआ है। चार्जशीट में खुलासा हुआ है कि हिंसा के दौरान कट्टरपंथियों ने पाकिस्तान समेत कई और देशों द्वारा निर्मित विदेशी हथियारों का इस्तेमाल किया था। इसके साथ ही इसमें दुबई में बैठे शारिक साठा नाम के शख्स का नाम सामने आया है।

संभल की कथित शाही जामा मस्जिद का सर्वे कोर्ट के आदेश पर हुआ। हिंदू संगठनों का दावा है कि जिस स्थान को मुस्लिम समुदाय मस्जिद कह रहा है, असल में वो कभी हरिहर मंदिर था। बस इसी को जांचने के लिए सर्वे किया जा रहा था।

19 नवंबर को पहला सर्वे शांति से हुआ, लेकिन 24 नवंबर को दूसरा सर्वे शुरू होते ही माहौल बिगड़ गया। सर्वे के दौरान वजूखाने (नमाज से पहले हाथ-पैर धोने की जगह) को खाली करने की अफवाह फैली, जिससे गुस्साए लोगों ने पथराव शुरू कर दिया। भीड़ ने पुलिस पर गोलीबारी की, गाड़ियां जलाईं और हालात बेकाबू हो गए। पुलिस को आंसू गैस और रबर बुलेट्स का इस्तेमाल करना पड़ा। इस हिंसा में नईम, बिलाल और नोमान नाम के तीन युवकों की मौत हुई, जबकि 20 से ज्यादा पुलिसकर्मी और एक डिप्टी कलेक्टर घायल हुए।

पुलिस और फॉरेंसिक टीम की जांच में पता चला कि हिंसा में विदेशी हथियारों का इस्तेमाल हुआ। घटनास्थल से छह कारतूस के खोखे मिले, जिनमें से एक पर पीओएफ (पाकिस्तान ऑर्डिनेंस फैक्ट्री) लिखा था। दूसरा कारतूस .32 बोर का था, जिस पर मेड इन यूएसए लिखा था। इसके अलावा, एक 9 एमएम का कारतूस चेकोस्लोवाकिया और एक ब्रिटिश मूल का भी मिला। ये खुलासा चौंकाने वाला था, क्योंकि संभल जैसे छोटे शहर में विदेशी हथियारों का इस्तेमाल साजिश की ओर इशारा करता है। पुलिस अब विदेशी फंडिंग और हथियारों की तस्करी की जांच कर रही है।

चार्जशीट में शारिक साठा का नाम मुख्य साजिशकर्ता के तौर पर आया है। पुलिस के मुताबिक, शारिक ने हिंसा को भड़काने के लिए हथियार सप्लाई किए। वह दुबई में बैठकर जंगी ऐप के जरिए अपने गुर्गों को निर्देश दे रहा था। शारिक के साथी गुलाम को पुलिस ने गिरफ्तार किया, जिसके पास से 9 एमएम की पिस्तौल, दो .32 बोर की पिस्तौल और 15 जिंदा कारतूस बरामद हुए। गुलाम ने बताया कि शारिक ने सर्वे को रोकने और एक वकील को निशाना बनाने की साजिश रची थी। गुलाम के मोबाइल से सोने की तस्करी और हिंसा से जुड़े वीडियो भी मिले।

पुलिस ने इस मामले में 79 लोगों को गिरफ्तार किया है। सात एफआईआर दर्ज की गईं, जिनमें सांसद जियाउर रहमान बर्क और विधायक इकबाल महमूद के बेटे नवाब सुहैल इकबाल का नाम भी शामिल है। पुलिस ने हिंसा में शामिल लोगों के मोबाइल नंबरों की जांच शुरू की और संसद संभल नाम के वाट्सएप ग्रुप से हिंसा भड़काने के सबूत मिले। पुलिस का कहना है कि यह हिंसा सुनियोजित थी, और इसमें बाहरी ताकतों का हाथ हो सकता है।

खुफिया एजेंसी ने भेजी गृह मंत्रालय को रिपोर्ट, गंभीर खतरे की आशंका

नेपाल सीमा पर स्थित जिलों में दोगुनी रफ्तार से बढ़ी मुस्लिम आबादी

लखनऊ, 29 अगस्त (एजेंसियां)। नेपाल सीमा पर स्थित यूपी के तीन संवेदनशील जिलों श्रावस्ती, बहराइच और बलरामपुर में मुस्लिम समुदाय की आबादी अप्रत्याशित रूप से बढ़ी है। सीमावर्ती क्षेत्रों में जनसांख्यिकीय बदलाव और अवैध धार्मिक अतिक्रमण पर केंद्रीय गृह मंत्रालय ने चिंता जताई है। अवध के तीन संवेदनशील जिले श्रावस्ती, बहराइच और बलरामपुर नेपाल से सीधे जुड़े हैं। श्रावस्ती और बहराइच के कुछ क्षेत्रों में तो बीते दस वर्षों में मुस्लिम समुदाय की आबादी दोगुनी से अधिक बढ़ी है।दोनों जिलों में सीमा से 30 किलोमीटर की परिधि में बड़े पैमाने पर धार्मिक अतिक्रमण भी हुए हैं। सुरक्षा एजेंसियों ने यहां विदेशी फंडिंग के मामले भी पकड़े हैं। जाली नोटों की तस्करी और धर्मांतरण में पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई की संलिप्तता पहले ही उजागर हो चुकी है। नेपाल के सीमावर्ती क्षेत्रों में तैनात रहे एक अधिकारी बताते हैं कि संदिग्ध गतिविधियों के मामले में बलरामपुर भी बेहद संवेदनशील है। खासकर अवैध धर्मांतरण में छांगुर की गिरफ्तारी के बाद। छांगुर ने विदेशी फंडिंग का इस्तेमाल कर सुनियोजित तरीके से सीमावर्ती क्षेत्रों में धर्मांतरण कराया। उसके अड्डे पर बड़े पैमाने पर विदेशी नागरिकों का भी जमावड़ा रहा। धर्मांतरण के लिए उसने नेपाल के बैंक खातों में विदेश से पैसे मंगाए। ईसाई मिशनरियों ने भी यहां सक्रियता बढ़ाई। दलित और गरीब परिवारों के धर्मांतरण कराए जा रहे हैं। इसके इतर ताजा मामला टेरर फंडिंग का है जिसके तहत करीब 100 करोड़ रुपए पाकिस्तान भेजे गए हैं। उनका कहना है कि यूपी के सीमावर्ती सभी सात जिलों पीलीभीत, लखीमपुर खीरी, बहराइच, श्रावस्ती, बलरामपुर, सिद्धार्थनगर और महराजगंज की स्थिति चिंताजनक है। इसके दूरगामी परिणाम बेहद घातक होने वाले हैं।

खुफिया एजेंसियां बताती हैं कि सीमावर्ती जिलों में तेजी से जनसांख्यिकीय बदलाव भीषण खतरे का संकेत है। इन इलाकों से स्थानीय लोगों का पलायन हुआ है और बाहरी लोगों की सक्रियता बढ़ी है। सीमा के आसपास अवैध धार्मिक अतिक्रमण बेतहाशा हुए हैं। मानव तस्करी और आपराधिक घटनाओं में वृद्धि हुई है।

वर्ष 2024 में बलरामपुर के तत्कालीन डीएम अरविंद सिंह ने सीमावर्ती जिले में संदिग्ध गतिविधियों की रिपोर्ट शासन को भेजी थी, लेकिन रिपोर्ट दबा दी गई। रिपोर्ट में जिक्र था कि बलरामपुर में बड़ी मात्रा में विदेशी फंडिंग हो रही है। धन शोधन से काले धन को वैध बनाकर असामाजिक तत्व उसका उपयोग कर रहे हैं। इसमें उन्होंने तत्कालीन पुलिस अधिकारियों और तीन चर्चित थानेदारों की संलिप्तता भी उजागर की थी। हालांकि, इस रिपोर्ट के बाद अरविंद को जिले से हटा दिया गया। सीमावर्ती क्षेत्रों में तेजी से हो रहे जनसांख्यिकीय बदलाव और अवैध धार्मिक अतिक्रमण पर अक्टूबर 2024 में ही खुफिया एजेंसियों ने चेताया था। नो मेंस लैंड को पाटकर रास्ता बना दिया गया है। बॉर्डर पर अतिक्रमण कर मदरसा खोला गया है। सीमावर्ती क्षेत्रों में बने मदरसों से घुसपैठ की साजिश, मनी एक्सचेंज के काले कारोबार से बॉर्डर पर टेरर फंडिंग का खेल, मजहबी शिक्षा की आड़ में नेपाल बॉर्डर पर मिशन आबाद की जानकारी भी दी। अब उन्हीं बिंदुओं पर केंद्रीय गृह मंत्रालय गंभीर हुआ है और सीमावर्ती सभी जिलों के डीएम व एसपी को कार्रवाई के निर्देश दिए हैं।

भारत के साथ ही नेपाल के सीमावर्ती जिलों की स्थिति भी ठीक नहीं है। वहां पर भी जनसांख्यिकी बदलाव हो रहा है। नेपाल में 2021 में हुई जनगणना के अनुसार पिछले दशक में हिंदुओं की आबादी में गिरावट आई है। केंद्रीय जनसांख्यिकीय ब्यूरो के अनुसार 2021 की जनगणना में 2,36,77,744 हिंदू थे। इसमें 0.11 फीसदी की गिरावट आई है। यहां मुस्लिम और ईसाइयों की आबादी में वृद्धि हुई है। अब इस्लाम नेपाल में तीसरा सबसे बड़ा धर्म हो गया है। यहां करीब 15 लाख मुस्लिम रहते हैं जो वहां की जनसंख्या का 5.09 प्रतिशत हैं। 2011 में नेपाल में मुस्लिम आबादी 4.39 प्रतिशत थी। ये सभी मूल रूप से नेपाली नहीं हैं। नेपाल की अधिकांश मुस्लिम आबादी तराई क्षेत्र में रहती है जिसकी सीमा भारत से जुड़ी है। देवीपाटन मंडल के कमिश्नर शशिभूषण लाल सुशील ने कहा, केंद्रीय गृह मंत्री की बैठक में देवीपाटन मंडल से आईजी अमित पाठक और श्रावस्ती के डीएम शामिल हुए। उनकी रिपोर्ट के आधार पर सीमावर्ती जिलों में कार्रवाई की योजना तैयार की जाएगी। सीमा की सुरक्षा को लेकर हम गंभीर हैं। इसमें नेपाल से भी सहयोग लिया जा रहा है।

उद्योग और व्यापार से जुड़े 99% आपराधिक कानून खत्म होंगे

लखनऊ, 29 अगस्त (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश में औद्योगिक व श्रम सुधारों की दिशा में बड़ा कदम उठाते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उद्योग और व्यापार से जुड़े 13 राज्य अधिनियमों में लगभग 99 प्रतिशत आपराधिक प्रावधान खत्म करने के निर्देश दिए हैं। इसके लागू होते ही यूपी अव्यवहारिक हो चुके आपराधिक प्रावधानों को गैर-आपराधिक श्रेणी में बदलने वाला देश का पहला राज्य बन जाएगा। इसके तहत कारावास की सजा के प्रावधान को अधिक आर्थिक दंड व प्रशासनिक कार्रवाई में बदलने की योजना है।

उच्चस्तरीय बैठक में मुख्यमंत्री ने कहा कि ईज ऑफ डूइंग बिजनेस को और मजबूत बनाने के लिए नए कदम उठाना जरूरी है। मुख्यमंत्री के निर्देश पर जल्द ही सुगम्य व्यापार (प्रावधान का संशोधन) विधेयक, 2025 लाया जाएगा। इसके अंतर्गत आबकारी अधिनियम, शीरा अधिनियम, वृक्ष संरक्षण अधिनियम, राजस्व संहिता, गन्ना अधिनियम, भूगर्भ जल अधिनियम, नगर निगम अधिनियम, प्लास्टिक कचरा अधिनियम, सिनेमा अधिनियम तथा क्षेत्र व जिला पंचायत अधिनियम सहित कई कानूनों को अधिक व्यावहारिक बनाया जाएगा।

श्रम कानूनों के सरलीकरण के प्रस्तावों में फैक्ट्री लाइसेंस की अवधि बढ़ाने, दुकानों व प्रतिष्ठानों के नियमों में व्यावहारिक बदलाव करने और महिलाओं को अधिक अवसर उपलब्ध कराने जैसे कदम शामिल हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि निरीक्षण व्यवस्था में पारदर्शिता लाने के लिए स्व-सत्यापन और थर्ड पार्टी ऑडिट की प्रणाली अपनाई जानी चाहिए। निवेश मित्र 3.0 के तहत निवेशकों की आवेदन व अनुमोदन प्रक्रिया को पूरी तरह डिजिटल और सुगम बनाया जाएगा। कॉमन एप्लीकेशन फॉर्म, पैन-आधारित पहचान, स्मार्ट डैशबोर्ड, बहुभाषी सहायता और एआई चैटबॉट जैसी सुविधाएं जोड़ी जाएंगी। सीएम ने निवेश मित्र पोर्टल के नए संस्करण को लांच करने के निर्देश दिए।

बरेली धर्मांतरण गिरोह का पाकिस्तान कनेक्शन

जांच में सामने आए चौंकाने वाले तथ्य

बरेली, 29 अगस्त (एजेंसियां)। अलीगढ़ के नेत्रहीन शिक्षक प्रभात का धर्मांतरण कर हामिद बनाने की कोशिश करने वाले गिरोह का पाकिस्तान से कनेक्शन मिला है। आरोपियों के पास पाकिस्तानी धर्मगुरु अली मिर्जा की तकरीर की सीडी बरामद हुई हुई है। लोगों का ब्रेनवाश करने के लिए उनको अली मिर्जा की ही तकरीर सुनाई जाती थी। बरेली में पकड़े गए धर्मांतरण गिरोह की जांच में नए तथ्य सामने आ रहे हैं। कट्टरपंथी जाकिर नाइक के अलावा गिरोह के सदस्य पाकिस्तानी धर्मगुरु इंजीनियर अली मिर्जा के भी मुरीद हैं। दूसरे धर्म के लोगों को अपने धर्म से जोड़ने से पहले वे अली मिर्जा जैसे धर्मगुरुओं का भाषण उन्हें सुनाते थे। प्रभात को हामिद बनाने वाले गिरोह के पास से अली मिर्जा से जुड़ा साहित्य मिला है। बरामद सीडी में अली मिर्जा की तकरीर भी है।

अली मिर्जा यूट्यूब पर अक्सर भारत के मुद्दों पर चर्चा करता है। कुछ दिन पहले दाढ़ी को लेकर टिप्पणी की थी और संगीत को जायज बताया था। वहां सरकार के खिलाफ बोलने पर उसे गिरफ्तार भी किया गया था। चूंकि अली मिर्जा कट्टरपंथी विचारधारा के विरोध में रहता है, इसलिए उसे पाकिस्तान के साथ ही भारत के समुदाय विशेष के युवा भी फॉलो करते हैं। अधिकारियों को जानकारी मिली है कि शुरुआत में शिकार का ब्रेनवॉश करने के लिए उनको अली मिर्जा की ही तकरीर सुनाई जाती थी।

अधिकारियों ने बताया कि गिरोह के पास से जाकिर नाईक का भी साहित्य मिला है। इससे ऐसा लग रहा है कि गिरोह के सदस्य धर्मांतरण के लिए पहले शिकार के दिमाग में अली मिर्जा की आधुनिक विचारधारा डालते थे। हिंदू और मुस्लिम धर्म की समानता बताते थे। जब शिकार फंस जाता था तो धीरे-धीरे ब्रेनवॉश कर उसके अंदर जाकिर नाईक की नफरती विचारधारा विकसित करते थे। गिरोह के लोगों को बाकायदा इसके लिए फंडिंग की जाती थी। आरोपी अब्दुल मजीद, सलमान, आरिफ और फहीम कोई बड़ा कारोबार नहीं करते, फिर भी उनकी आर्थिक स्थिति बेहतर है। पूरे गिरोह को संचालित करने के लिए कहां से फंडिंग हो रही थी? इसकी जांच की जा रही है। सभी के खाते खंगाले जा रहे हैं। कुछ दिनों में बड़ा खुलासा हो सकता है।

अब्दुल मजीद के गिरोह के पास ऐसे वीडियो मिले हैं, जिसमें कुरान और बाइबिल के बारे में डिबेट दिखाई जाती थी। डिबेट के अंत में मुस्लिम धर्म को सर्वोपरि दिखाया जाता था और बताया जाता था कि वह देश के सर्वोपरि धर्म का हिस्सा बनने जा रहे हैं। इस दौरान गिरोह के सदस्य अपनी धर्म की लड़की से निकाह कराने का वादा भी करते थे। इससे अवसाद और अकेलेपन के शिकार लोग झांसे में आ जाते थे। गिरोह के निशाने पर ऐसे परिवार या लोग होते थे, जो किन्हीं कारणों से समाज से कट जाते हैं। धर्मांतरण के लिए यह लोग फर्जी प्रमाणपत्र भी बनाकर देते थे। यह प्रमाणपत्र दिल्ली की मस्जिद से दिया जाता था। गिरोह का नेटवर्क कई राज्यों में फैला है। पुलिस टीम इन राज्यों में छापेमारी के लिए रणनीति बना रही है।

हादसे में अपाहिज हुए शिक्षक ब्रजपाल को शादी का झांसा देकर गिरोह ने अब्दुल्ला बना दिया। ब्रजपाल के साथ ही उनका पूरा परिवार गिरोह के प्रभाव में आ गया। बहन राजकुमारी का धर्म परिवर्तन कराकर उसे आयशा बना दिया गया। मुस्लिम शख्स से ही उसका निकाह भी करा दिया। बेटी और बेटे के धर्म परिवर्तन करने के बाद घर में अकेली बची मां ऊषा रानी भी ज्यादा दिन तक गिरोह के प्रभाव से न बच सकीं। उन्हें गिरोह ने अमीना नाम दे दिया। ब्रजपाल की दूसरी बहन सीमा इस गिरोह के प्रभाव में आने से बच गई। उसकी शादी पहले ही होने से गिरोह उसे झांसा नहीं दे सका।

गिरोह के शिकार हुए हिंदी प्रवक्ता प्रभात बुलंदशहर के जहांगीराबाद स्थित राजकीय इंटर कॉलेज में वाइस प्रिंसिपल हैं। बृहस्पतिवार को बरेली कोर्ट में प्रभात उर्फ हामिद के बयान दर्ज हुए। प्रभात नेत्रहीन हैं और ब्रेल लिपि में विद्यार्थियों को पढ़ाते हैं। घटनाक्रम के बाद मां अखिलेश कुमारी उन्हें घर अलीगढ़ के क्वार्सी ले गई थीं। प्रभात के बयान की प्रति अब विवेचक को दी जाएगी। विवेचक इसे विवेचना में शामिल करेंगे। माना जा रहा है कि इस गिरोह के संपर्क में रहने से प्रभात के मन पर गहरा असर पड़ा है। एसपी दक्षिणी अंशिका वर्मा ने बताया कि भुता थाने के इंस्पेक्टर क्राइम ने मामले की विवेचना शुरू कर दी है। मुख्य आरोपी व अन्य ने दक्षिण भारत के राज्यों में ज्यादातर कॉल लैंडलाइन नंबरों पर की है। इन नंबरों की तस्दीक की जा रही है। जरूरत पर टीम संबंधित राज्यों में जाकर भी पड़ताल करेगी। धार्मिक नेताओं के भाषणों से गिरोह के सदस्य लोगों का ब्रेनवाश करते थे। पड़ताल में नए आरोपी सामने आए तो उनके खिलाफ भी कार्रवाई की जाएगी।

यूपी के निर्यात से जुड़े उद्योग गंभीर संकट में

22 हजार करोड़ के एक्सपोर्ट पर असर

लखनऊ, 29 अगस्त (एजेंसियां)। अमेरिकी टैरिफ की मार से यूपी के अमेरिका को होने वाले निर्यात में 50 प्रतिशत तक कमी आने की आशंका है। टैरिफ का सबसे ज्यादा असर लेदर, पीतल, कांच, टेक्सटाइल और साड़ी व कालीन उद्योग पर पड़ा है। भारत पर अमेरिका के 50 फीसदी टैरिफ से यूपी के निर्यात से जुड़े उद्योगों पर गंभीर संकट मंडराने लगा है। प्रदेश के करीब 22 हजार करोड़ रुपए के निर्यात पर गंभीर असर पड़ेगा। निर्यात में 40 से 50 फीसदी तक कमी आने की आशंका है। टैरिफ का सबसे ज्यादा असर लेदर, पीतल, कांच, टेक्सटाइल और साड़ी व कालीन उद्योग पर पड़ा है। इन सेक्टरों में अधिकांश छोटी इकाइयां हैं।

यूपी से सालाना करीब 1.86 लाख करोड़ रुपए का निर्यात होता है।

इसमें अमेरिकी हिस्सेदारी 19 फीसदी है। वित्त वर्ष 24-25 में यूपी से अमेरिका को करीब 36 हजार करोड़ का कुल निर्यात किया गया। इसमें लगभग 14 हजार करोड़ का निर्यात इलेक्ट्रानिक्स उपकरणों का है जो टैरिफ से बाहर है। फेडरेशन ऑफ इंडियन एक्सपोर्ट आर्गनाइजेशन के यूपी प्रमुख आलोक श्रीवास्तव ने कहा कि इससे कीमतें बढ़ने की संभावना है, जिससे प्रतिस्पर्धा कठिन हो जाएगी। लगभग 1200 करोड़ के कालीन और जरदोजी आर्डर फंस गए हैं, जिसका असर पूर्वांचल में करीब 50 लाख श्रमिकों की रोजगार सुरक्षा पर पड़ेगा। वहीं चर्म निर्यात परिषद के पूर्व चेयरमैन मुख्तार उल अमीन ने कहा कि चुनौती बड़ी है लेकिन उम्मीद है कि जल्द सरकार इसका समाधान निकाल लेगी।

वर्ष 2024-25 में फुटवियर और लेदर उत्पाद का निर्यात 16 हजार करोड़ हुआ। अमेरिका की हिस्सेदारी लगभग 5000 करोड़ रही। अब 45 प्रतिशत घटने की आशंका है। कालीन और दरी के पिछले साल हुए करीब 17 हजार करोड़ के निर्यात में अमेरिका की हिस्सेदारी 7 हजार करोड़ रही। इसके 50 प्रतिशत तक घटने की आशंका। इसके अलावा गारमेंट्स और टेक्सटाइल, ब्रासवेयर और ग्लासवेयर पर भी इसका असर पड़ रहा है।

आठ जिलों में पटाखा बनाने, भंडारण करने और बिक्री पर प्रतिबंध

लखनऊ, 29 अगस्त (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश सरकार ने सर्वोच्च न्यायालय के आदेश के अनुपालन में एनसीआर और आसपास के 8 जिलों में पटाखों का निर्माण, भंडारण और बिक्री पर प्रतिबंध लगाया है। यह प्रतिबंध मेरठ, गाजियाबाद, गौतमबुद्धनगर (नोएडा), बुलंदशहर, हापुड़, बागपत, शामली, मुजफ्फरनगर में प्रभावी होगा। यदि कोई व्यक्ति या संस्था इस आदेश का उल्लंघन करती है तो उसे पर्यावरण (संरक्षण) अधिनियम 1986 की धारा-15 के तहत सजा और जुर्माने से दंडित किया जाता है। प्रदेश पुलिस द्वारा दी गई जानकारी के मुताबिक आदेश का उल्लंघन करने पर 5 साल तक की सजा, एक लाख रुपए तक का जुर्माना अथवा दोनों हो सकते हैं।

पुलिस ने जनता से अपील की है कि यदि कहीं पटाखों के विनिर्माण, संग्रहण, विक्रय एवं उपयोग हो रहा है, तो इसकी शिकायत यूपी 112 पर की जा सकती है। इसके अलावा इसकी शिकायत या सूचना उत्तर प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की वेबसाइट पर भी दर्ज कराई जा सकती है।

इंदिराम्मा आवास योजना: निर्माण सामग्री की कीमतों में वृद्धि से लाभार्थी परेशान, निगरानी समितियां निष्क्रिय!

कोरुटला, (जगतियाल), 29 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। जगतियाल जिले में इंदिराम्मा आवास योजना के तहत मकानों का निर्माण शुरू होने के साथ ही निर्माण सामग्री की कीमतों में भारी वृद्धि हो गई है, जिससे लाभार्थियों को कई समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। राज्य सरकार द्वारा कीमतों पर नियंत्रण के लिए गठित निगरानी समितियां भी निष्क्रिय दिखाई दे रही हैं, जिसका सीधा बोझ आम जनता पर पड़ रहा है।

इंदिराम्मा आवास योजना शुरू होने से पहले, कोरुटला में पत्थर की कीमत 10-12 रुपये प्रति पीस थी, जो अब बढ़कर 25 रुपये हो गई है। कुछ जगहों पर, इसकी कीमत 16 रुपये तक वसूली जा रही है। इसी तरह, रेत के एक ट्रैक्टर की कीमत 2,000-3,000 रुपये तक हो गई है, जबकि टिपर की कीमत 6,000 रुपये से बढ़कर 8,000 रुपये हो गई है। व्यापारियों ने सीमेंट के प्रति बैग 30-40 रुपये की बढ़ोतरी कर दी है और स्टील की कीमतें भी बढ़ाई गई हैं।

यह स्थिति केवल कोरुटला में ही नहीं, बल्कि जिले के लगभग सभी हिस्सों में है। व्यापारी कृत्रिम कमी पैदा कर रहे हैं और मनमाने दाम वसूल रहे हैं, जिससे लाभार्थियों पर वित्तीय दबाव बढ़ रहा है।

सरकार ने निर्माण सामग्री की कीमतों को नियंत्रित करने के लिए राज्य स्तर पर मुख्य सचिव और जिला स्तर पर जिला अधिकारियों के नेतृत्व में निगरानी समितियां बनाई हैं। मंडल स्तर पर तहसीलदारों को इन कीमतों की निगरानी का जिम्मा सौंपा गया है। हालांकि, जमीनी स्तर पर ये समितियां कोई कार्रवाई करती नजर नहीं आ रही हैं, जिसका मतलब है कि निचले स्तर के अधिकारी अपनी जिम्मेदारियों को ठीक से नहीं निभा रहे हैं।सरकार ने प्रत्येक इंदिराम्मा घर के लिए 25 मीटर रेत मुफ्त देने का फैसला किया है, लेकिन स्थानीय अधिकारी इस पर ध्यान नहीं दे रहे हैं। इसके अलावा, कई लाभार्थियों को अभी तक निर्माण शुरू करने की अनुमति नहीं मिली है। कई लोगों के पास 60 गज से कम जमीन होने के कारण निर्माण में रुकावट आ रही है। कुछ ऐसे भी मामले सामने आए हैं, जहां जमीन होने के बावजूद अधिकारियों द्वारा कहा जा रहा है कि जमीन उपलब्ध नहीं है, या मकान होने के बावजूद कहा जा रहा है कि उनके पास मकान है।

जब इस संबंध में हाउसिंग बोर्ड के अधिकारियों से पूछा गया कि कितने घर पूरे हो चुके हैं, तो उन्होंने कोई स्पष्ट जवाब नहीं दिया और मुस्कुराते हुए कहा कि चूंकि पैसा सीधे लाभार्थियों के खाते में जमा होता है, इसलिए उनके पास कोई जानकारी नहीं है।लाभार्थियों ने संबंधित अधिकारियों से इस मुद्दे पर तुरंत ध्यान देने और व्यापारियों द्वारा मनमाने ढंग से बढ़ाई जा रही कीमतों पर लगाम लगाने की अपील की है, ताकि गरीबों के लिए घर बनाने की सरकारी योजना सफल हो सके।

मदनूर प्रेस क्लब के नए अध्यक्ष बने सुंदरवार हनमनलू

मदनूर, 29 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। आज, मदनूर में टी.डब्ल्यू.जे. (तेलंगाना वर्किंग जर्नलिस्ट्स) प्रेस क्लब के नए पदाधिकारियों का सर्वसम्मति से चुनाव हुआ। यह चुनाव स्टेट काउंसिल मेंबर संगय्यप्पा के नेतृत्व में स्थानीय कृषि बाजार समिति कार्यालय में संपन्न हुआ।

सुंदरवार हनमनलू को सर्वसम्मति से प्रेस क्लब का नया अध्यक्ष चुना गया।

नए पदाधिकारियों की सूची इस प्रकार है: अध्यक्ष: सुंदरवार हनमनलू, उपाध्यक्ष: शिवाजी अप्पा, महासचिव: करेवार बालू , सचिव: अकुलवार पंडरी, कोषाध्यक्ष: नागेश गौड़

अन्य पत्रकारों जैसे आरमुरवार हनमनलू, संगय्यापा, सोपान, रघु, कृष्ण पटेल, साईं, और श्रीधर को भी विभिन्न पदों पर नियुक्त किया गया।

अध्यक्ष चुने जाने के बाद, सुंदरवार हनमनलू ने सभी सदस्यों का आभार व्यक्त किया।

उन्होंने कहा कि वे मदनूर के पत्रकारों की समस्याओं को हल करने के लिए हर समय तत्पर रहेंगे और उनके हितों की रक्षा के लिए काम करेंगे।

वाघमारे दंपत्ति ने बाढ़ पीड़ितों को कराया भोजन

मदनूर, 29 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। मदनूर मंडल के निवासी वाघमारे शंकर और उनकी पत्नी ज्योति ने अपनी बेटी के जन्मदिन के अवसर पर एक नेक पहल करते हुए, बाढ़ पीड़ितों को भोजन वितरित किया। यह आयोजन मदनूर मंडल की जिला परिषद पाठशाला में स्थापित पुनर्वास केंद्र में किया गया।

पिछले कुछ दिनों से हो रही भारी बारिश के कारण कई लोग विस्थापित होकर इस केंद्र में शरण लिए हुए हैं। ऐसे में, वाघमारे दंपत्ति ने अपनी लाडली बेटी के जन्मदिन को इन जरूरतमंद लोगों के साथ खुशियाँ बाँटकर यादगार बना दिया।

भोजन वितरण कार्यक्रम बांसवाड़ा के उप-कलेक्टर की देखरेख में संपन्न हुआ। उप-कलेक्टर ने वाघमारे दंपत्ति के इस कदम की सराहना की और बाढ़ पीड़ितों की सेवा में उदारता दिखाने के लिए उन्हें बधाई दी।

निर्मल जिला पुलिस अधीक्षक ने बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का दौरा किया

निर्मल, 29 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। निर्मल ज़िले की पुलिस अधीक्षक, जानकी शर्मिला, ने शुक्रवार को भारी बारिश से प्रभावित तानूर मंडल के विभिन्न गाँवों का औचक दौरा किया। पिछले तीन दिनों से हो रही मूसलाधार बारिश के कारण कई इलाकों में जनजीवन प्रभावित हुआ है।

पुलिस अधीक्षक ने सबसे पहले मोगिली गाँव में क्षतिग्रस्त हुई सड़क और पुल का निरीक्षण किया, जहाँ पानी के तेज़ बहाव से आवागमन बाधित हो गया था। उनके साथ भैंसा के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अविनाश कुमार भी मौजूद थे। जानकी शर्मिला ने पुल की मौजूदा स्थिति का जायज़ा लिया और यात्रियों को हो रही परेशानियों के बारे में जानकारी ली।इसके बाद, उन्होंने कोलूर, जावुला (बी) और तोंडला गाँवों का दौरा कर पानी के बहाव और बाढ़ की स्थिति का जायजा लिया। इस दौरान, उन्होंने बाढ़ से प्रभावित गाँव के लोगों से सतर्क रहने और अधिकारियों द्वारा दिए गए निर्देशों का पालन करने की अपील की। उन्होंने लोगों को आश्वासन दिया कि किसी भी आपात स्थिति में राहत दल उनकी मदद के लिए उपलब्ध हैं।

पुलिस अधीक्षक ने कहा कि वे मंडल में भारी बारिश के कारण उत्पन्न हुई समस्याओं के बारे में ज़िला कलेक्टर को अवगत कराएंगी, ताकि प्रभावित लोगों की मदद के लिए जल्द से जल्द आवश्यक कदम उठाए जा सकें।

इस निरीक्षण के दौरान, उप-निरीक्षक शेख जुबैर, अशोक, हनमनलु, एएसआई भानुसिंह और अन्य पुलिसकर्मी भी उपस्थित थे।

मदनूर गुरुकुल में मनाया गया तेलुगु दिवस, भाषा के संरक्षण पर जोर

मदनूर, 29 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। मदनूर स्थित तेलंगाना गुरुकुल बालक पाठशाला और जूनियर कॉलेज में तेलुगु भाषा दिवस का आयोजन किया गया। यह दिवस प्रसिद्ध कवि और व्यावहारिक भाषा आंदोलन के जनक गिडुगु वेंकट राममूर्ति की जयंती के उपलक्ष्य में मनाया जाता है।

कार्यक्रम में प्रख्यात कवि डॉ. बी. वेंकट, प्रधानाचार्य नंदला गंगाकिशोर, और तेलुगु भाषा के शिक्षक प्रवीण कुमार ने गिडुगु वेंकट राममूर्ति के चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने अपने संबोधन में तेलुगु भाषा के विकास और संरक्षण के महत्व पर जोर दिया।

वक्ताओं ने कहा कि आजकल निजी और सरकारी स्कूलों में अंग्रेजी माध्यम पर बढ़ते जोर के कारण तेलुगु भाषा का महत्व कम हो रहा है। उन्होंने छात्रों से तेलुगु भाषा से प्रेम करने और इसे हर घर में बोलने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि तेलुगु को उसकी मिठास और समृद्ध साहित्य के लिए जाना जाता है, और हमें अपनी कहानियों और रीति-रिवाजों को जानने के लिए इस भाषा का उपयोग करना चाहिए।

डॉ. बी. वेंकट ने छात्रों से गिडुगु के विचारों का पालन करने और तेलुगु भाषा के विकास में योगदान करने का आह्वान किया। इस अवसर पर, छात्रों ने वेमना और सुमति जैसे कवियों की रचनाओं का पाठ कर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। कार्यक्रम में वरिष्ठ शिक्षक बी. सुमन, जे. गणेश, वेणुगोपाल, नरहरि, हनमंडलु और अन्य छात्र व शिक्षकगण उपस्थित थे।

बाढ़ से गाजेगांव का संपर्क टूटा, ग्रामीणों ने की पुल निर्माण की मांग

मदनूर, 29 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। पिछले दो-तीन दिनों से हो रही भारी बारिश के कारण मदनूर मंडल के गाजेगांव में लेडी नदी उफान पर है, जिससे गांव का संपर्क तेलंगाना और महाराष्ट्र दोनों से टूट गया है। गाजेगांव के साथ-साथ आस-पास के कई गांवों की फसलें भी पानी में डूब गई हैं।तेलंगाना-महाराष्ट्र सीमा पर बसे इस गांव की आबादी 700 से अधिक है। नदी में आए उफान के कारण गांव चारों तरफ से पानी से घिर गया है, जिससे लोगों को कई समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। सबसे बड़ी समस्या यह है कि किसी भी आपात स्थिति में, जैसे कि किसी गर्भवती महिला या बीमार व्यक्ति को अस्पताल ले जाने में, भारी कठिनाई हो रही है।गाजेगांव के निवासियों का कहना है कि हर साल बाढ़ के समय उन्हें ऐसी ही स्थिति का सामना करना पड़ता है। उन्होंने सरकार और स्थानीय नेताओं से अपील की है कि वे इस समस्या को गंभीरता से लें और लेडी नदी पर एक बड़े पुल का निर्माण कराएं। ग्रामीणों का मानना है कि एक पुल बन जाने से उन्हें और आस-पास के गांवों के लोगों को आवागमन में सुविधा मिलेगी, खासकर आपातकालीन सेवाओं के लिए।ग्रामीणों ने जिला कलेक्टर से भी इस मामले पर ध्यान देने और जल्द से जल्द पुल निर्माण की दिशा में कदम उठाने का आग्रह किया है।

भारी बारिश से हुए नुकसान की रिपोर्ट प्रस्तुत करने का निर्देश

आसिफाबाद, 29 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। जिला कलेक्टर वेंकटेश धोत्रे ने जिले में भारी बारिश से हुए नुकसान की पूरी और विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत करने का निर्देश दिया है। यह निर्देश उन्होंने जिला कलेक्ट्रेट भवन में आयोजित एक समीक्षा बैठक के दौरान विभिन्न विभागों के अधिकारियों को दिए। बैठक में अपर कलेक्टर दीपक तिवारी और कागज नगर की उपजिलाधिकारी श्रद्धा शुक्ला भी उपस्थित थीं।कलेक्टर ने अधिकारियों से कहा कि जुलाई और अगस्त में हुई भारी बारिश के कारण पंचायत राज, सड़क और भवन विभाग के अंतर्गत आने वाली सड़कें क्षतिग्रस्त हो गई हैं और पुलियाएं टूट गई हैं। उन्होंने इन सभी नुकसानों की जानकारी तुरंत देने को कहा।इसके अलावा, पशुपालन विभाग के अधिकारियों को मृत पशुओं (मवेशी, बकरियां और भेड़ें) की संख्या और उनकी तस्वीरों के साथ रिपोर्ट देने के निर्देश दिए गए।बैठक में यह भी बताया गया कि सिंचाई परियोजन-ाओं की नहरें टूट गई हैं और लगभग 15,000 एकड़ में लगी फसलें बर्बाद हो गई हैं।

गुरुकुल भवनों के चयन में तेजी लाने का निर्देश

आसिफाबाद, 29 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। जिला कलेक्टर वेंकटेश धोत्रे ने जिले के गुरुकुल विद्यालयों और महाविद्यालयों के लिए उपयुक्त भवनों के चयन की प्रक्रिया में तेजी लाने के निर्देश दिए हैं, ताकि छात्रों की पढ़ाई बिना किसी बाधा के जारी रह सके।शुक्रवार को एकीकृत जिला कलेक्ट्रेट भवन में आयोजित एक समीक्षा बैठक में कलेक्टर धोत्रे ने यह बात कही। इस बैठक में कागज नगर की उपजिलाधिकारी श्रद्धा शुक्ला और समाज कल्याण गुरुकुल, नगर निगम, तथा सड़क एवं भवन विभाग के अधिकारी उपस्थित थे।

कलेक्टर ने विशेष रूप से सिरपुर-टी मंडल के समाज कल्याण गुरुकुल विद्यालय और महाविद्यालय का मुद्दा उठाया, जिसका भवन जर्जर स्थिति में है। इसके चलते, वहाँ के लगभग 500 छात्रों को संयुक्त जिले के अन्य गुरुकुल विद्यालयों में स्थानांतरित किया गया है।

उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि कागज नगर के बालाजी नगर स्थित सुप्रभात विद्यालय भवन में इन छात्रों के लिए कक्षाएं शुरू करने के लिए तत्काल आवश्यक कदम उठाए जाएं।

कलेक्टर ने यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया कि चयनित भवन में पर्याप्त कक्षाएँ, रसोई, पीने का पानी, शौचालय और स्नानघर जैसी मूलभूत सुविधाएँ उपलब्ध हों। उन्होंने अधिकारियों से इन सुविधाओं का आकलन कर एक विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत करने को भी कहा। साथ ही, उन क्षेत्रों में किराये का विवरण भी उपलब्ध कराने का सुझाव दिया गया है जहाँ नए भवन किराए पर लिए जा सकते हैं।

इस कार्यक्रम में वारंगल की अंचल अधिकारी अरुणकुमारी और अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी भी मौजूद थे।

जुक्कल विधायक ने बाढ़ पीड़ितों को बांटे कंबल और साड़ियां

मदनूर, 29 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। जुक्कल विधानसभा क्षेत्र के विधायक श्री थोटा लक्ष्मीकांत राव ने बाढ़ प्रभावित इलाकों का दौरा किया और पीड़ितों को पुनर्वास केंद्रों में कंबल और साड़ियां वितरित कीं।

ज्ञात हो कि हाल ही में आई बाढ़ के कारण जुक्कल निर्वाचन क्षेत्र के कई लोग प्रभावित हुए हैं। विधायक लक्ष्मीकांत राव ने राहत दलों और स्वयंसेवकों के साथ मिलकर इन लोगों को सुरक्षित स्थानों और पुनर्वास केंद्रों में पहुंचाया।

आज, विधायक ने मदनूर और डोंगली के सरकारी स्कूलों में स्थापित किए गए अस्थायी पुनर्वास केंद्रों का दौरा किया। उन्होंने वहां मौजूद पीड़ितों से मुलाकात की और उनसे व्यवस्थाओं और सुविधाओं के बारे में जानकारी ली। इस दौरान, उन्होंने देखा कि कई महिलाओं के पास कपड़े बदलने की उचित व्यवस्था नहीं है, जिसके बाद उन्होंने मौके पर ही साड़ियां मंगवाकर उन्हें वितरित कीं।

विधायक ने पीड़ितों से कहा कि यदि उन्हें किसी भी तरह की समस्या या ज़रूरत हो तो वे सीधे उनसे संपर्क करें। उन्होंने कहा कि लोगों की सुरक्षा और भलाई उनकी पहली प्राथमिकता है। उन्होंने चिकित्सा कर्मियों को भी निर्देश दिए कि वे समय-समय पर पीड़ितों के स्वास्थ्य की जांच करें और उन्हें आवश्यक चिकित्सा सहायता प्रदान करें।

इसके अतिरिक्त, विधायक ने बाढ़ प्रभावित लोगों के साथ बैठकर भोजन भी किया, जिससे उन्होंने एकजुटता और समर्थन का संदेश दिया।

स्थानीय निकाय चुनाव : मतदाता सूची पर आपत्ति की अंतिम तिथि 30 अगस्त

आसिफाबाद, 29 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। जिला कलेक्टर वेंकटेश धोत्रे ने घोषणा की है कि स्थानीय निकायों की मतदाता सूची के प्रारूप पर कोई भी आपत्ति इस महीने की 30 तारीख तक प्रस्तुत की जा सकती है। यह जानकारी उन्होंने शुक्रवार को जिला कलेक्ट्रेट भवन में मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ हुई समीक्षा बैठक में दी।बैठक में अपर कलेक्टर दीपक तिवारी और कागज नगर की उपजिलाधिकारी श्रद्धा शुक्ला भी उपस्थित थीं। कलेक्टर ने बताया कि स्थानीय निकाय चुनाव के लिए मतदाता सूची का मसौदा पहले ही तैयार किया जा चुका है और इसे 28 अगस्त को सभी ग्राम पंचायतों और मंडल कार्यालयों में प्रदर्शित कर दिया गया है।उन्होंने कहा कि मतदाता सूची और मतदान केंद्रों में नामों से संबंधित आपत्तियाँ प्राप्त करने के लिए 30 अगस्त को सभी मंडल परिषद विकास अधिकारियों के कार्यालयों में राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ बैठकें आयोजित की जाएंगी।

कलेक्टर ने राजनीतिक दलों से पात्र मतदाताओं को उनके मताधिकार का उपयोग करने में सहयोग करने की अपील की। उन्होंने यह भी बताया कि जिले में कुल 3,53,904 ग्रामीण मतदाता, 335 ग्राम पंचायतें और 2,874 वार्ड हैं।इस अवसर पर जिला पंचायत अधिकारी भिक्षापति, जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी लक्ष्मी नारायण, मंडल पंचायत अधिकारी उमर हुसैन और विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि भी मौजूद थे।

शुभ लाभ
खबरें जो सोच बदल दे

रिलायंस इंडस्ट्रीज की एजीएम में जियो आईपीओ पर हो सकता है बड़ा ऐलान

रिलायंस इंडस्ट्रीज की 48वीं वार्षिक आम बैठक शुक्रवार दोपहर 2 बजे

मुंबई,29 अगस्त (एजेंसियां)। देश की सबसे मूल्यवान कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड (आरआईएल) शुक्रवार को अपनी 48वीं वार्षिक आम बैठक (एजीएम) आयोजित कर रही है। दोपहर 2 बजे होने वाली इस वर्चुअल बैठक पर देश-विदेश के निवेशकों और विश्लेषकों की पैनी नजर बनी हुई है। इस बैठक में जियो और रिटेल बिजनेस के आईपीओ की संभावित घोषणा को लेकर उत्सुकता है। साथ ही ग्रीन एनर्जी, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और उत्तराधिकार योजना पर भी अपडेट मिलने की संभावना है। बाजार विशेषज्ञों के अनुसार जियो अब परिपक्वता की स्थिति में है और उसकी स्थिर कैश फ्लो स्थिति आईपीओ के लिए उपयुक्त माहौल बना रही है। वहीं, रिलायंस की ग्रीन एनर्जी योजनाओं जैसे ग्रीन हाइड्रोजन, बैटरी निर्माण और इलेक्ट्रोलाइजर प्रोजेक्ट्स को लेकर भी विस्तार से जानकारी दी जा सकती है। एजीएम में मुकेश अंबानी द्वारा जियो ब्रेन एआई प्लेटफॉर्म, रिटेल विस्तार और कंपनी की दीर्घकालिक रणनीति पर भी प्रकाश डाला जा सकता है। कंपनी पहले ही वित्त वर्ष 25 के लिए 5.50 प्रति शेयर का डिविडेंड घोषित कर चुकी है, जिसकी रिकॉर्ड डेट 14 अगस्त थी। रिलायंस के शेयर इस बैठक से पहले हल्की तेजी के साथ कारोबार कर रहे हैं। पिछले वर्षों की एजीएम में निवेशकों को ज्यादा बड़ी घोषणाएं नहीं मिली थीं, लेकिन इस बार बाजार में एक सकारात्मक सरप्राइज की उम्मीद जताई जा रही है। एजीएम में लिए गए निर्णयों का सीधा असर शेयर बाजार की चाल और निवेशकों की रणनीति पर पड़ेगा।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

आज लोकसभा चुनाव...

यह सर्वे 1 जुलाई 2025 से 14 अगस्त 2025 के बीच किया गया। 2 लाख 6 हजार 826 लोगों से रायशुमारी की गई। इसमें हर जाति, धर्म, मजहब के लोग शामिल हैं। इन आंकड़ों में मोटे तौर पर 3 प्रतिशत का मार्जिन एरर होने की बात कही गई है। इन आंकड़ों से यह स्पष्ट है कि 11 साल से लगातार सत्ता में बने रहने के बावजूद देश के आम लोगों के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की साख बरकरार है। लोग उनकी सरकार के कामकाज से संतुष्ट हैं। साथ ही विपक्षी प्रोपेगेंडा के झांसे में लोग नहीं आ रहे हैं।

उधर, दक्षिणी राज्य तमिलनाडु में भी भाजपा का ग्राफ लगातार बढ़ रहा है। भारत की सियासत में तमिलनाडु हमेशा से एक अलग पहचान रखता है। यहां की राजनीति में क्षेत्रीय दल जैसे डीएमके और एआईएडीएमके का दबदबा रहा है। लेकिन हाल ही में इंडिया टुडे-सी वोटर के मूड ऑफ द नेशन सर्वे ने कुछ चौंकाने वाले आंकड़े सामने रखे हैं। अगर आज लोकसभा चुनाव हों, तो तमिलनाडु में भाजपा की वोट हिस्सेदारी में बढ़ोतरी देखने को मिल सकती है। हालांकि, सीटों के मामले में डीएमके-कांग्रेस गठबंधन अभी भी मजबूत स्थिति में है।सर्वे में तमिलनाडु सहित देश के सभी लोकसभा क्षेत्रों में 54,788 लोगों से बात की गई। इसके अलावा, सी वोटर के नियमित ट्रैकर डेटा से 1,52,038 और साक्षात्कारों का विश्लेषण किया गया। यह सर्वे देश के सियासी मूड को समझने का एक भरोसेमंद तरीका माना जाता है। सर्वे के मुताबिक, अगर आज लोकसभा चुनाव हों, तो भाजपा की वोट हिस्सेदारी 2024 के 18 प्रतिशत से बढ़कर 37 प्रतिशत तक पहुंच सकती है। यह एक बड़ा बदलाव है, क्योंकि तमिलनाडु में भाजपा का प्रभाव हमेशा कम रहा है। 2024 के लोकसभा चुनाव में भाजपा को कोई सीट नहीं मिली थी, लेकिन इस बार सर्वे में उसे 3 सीटें जीतने की संभावना दिख रही है। यह बढ़त भाजपा के लिए एक उम्मीद की किरण है, खासकर तब जब वह हाल ही में एआईएडीएमके के साथ फिर से गठबंधन कर चुकी है।

हालांकि भाजपा की वोट हिस्सेदारी बढ़ रही है, लेकिन डीएमके-कांग्रेस के नेतृत्व वाला इंडी गठबंधन अभी भी तमिलनाडु में बादशाहत कायम रखे हुए है। सर्वे के अनुसार, इंडी गठबंधन को 48 प्रतिशत वोट मिल सकते हैं, जो 2024 के 47 प्रतिशत से थोड़ा ज्यादा है। सीटों की बात करें तो गठबंधन 39 में से 36 सीटें जीत सकता है। तमिलनाडु की सियासत में एक नया मोड़ सुपरस्टार विजय की पार्टी तमिलगा वेट्री कड़गम (टीवीके) ला रही है। सर्वे बताता है कि विजय की पार्टी डीएमके विरोधी वोटों को बांट सकती है, जिसका फायदा परोक्ष रूप से डीएमके को मिल सकता है। टीवीके का असर खासकर एआईएडीएमके के वोट बैंक पर पड़ सकता है, जो पहले से ही कमजोर हो रहा है। सर्वे में एआईएडीएमके की वोट हिस्सेदारी 2024 के 23 प्रतिशत से घटकर 20 प्रतिशत होने का अनुमान है। भाजपा की आक्रामक रणनीति और एन मकल अभियान ने पार्टी की दृश्यता बढ़ाई है। लेकिन, विशेषज्ञों का कहना है कि भाजपा को तमिलनाडु में बड़ी सफलता के लिए एआईएडीएमके और टीवीके जैसे दलों के साथ बड़ा गठबंधन बनाना होगा। साथ ही, डीएमके के खिलाफ जनता में मौजूद नाराजगी को भुनाने की जरूरत है, जिसमें भ्रष्टाचार और कुशासन के आरोप शामिल हैं।

भारत-जापान...

भी होने की संभावना है।जापान के प्रधानमंत्री शिगेरु इशिबा से वार्ता के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि अगली पीढ़ी की चुनौतियों से निपटने के लिए हमें एक-दूसरे की ताकत का लाभ उठाने की जरूरत है। वहीं जापानी प्रधानमंत्री शिगेरु इशिबा ने कहा कि छह साल पहले अगस्त में मुझे वाराणसी आने का सौभाग्य मिला था। मैं अनादि काल के भारतीय इतिहास को देखकर अभिभूत था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जापान के पूर्व प्रधानमंत्री योशीहिदे सुगा और फुमियो किशिदा से भी मुलाकात की। जापान की प्रतिनिधि सभा के अध्यक्ष फुकुशिरो नुकागा से भी प्रधानमंत्री मोदी ने मुलाकात की। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, भारत और जापान में सहयोग की अपार संभावनाएं हैं। हमारा मानना है कि जापानी तकनीक और भारतीय प्रतिभा एक विजयी जोड़ी है। जहां हम हाई-स्पीड रेल पर काम कर रहे हैं। वहीं अगली पीढ़ी की मोबिलिटी साझेदारी के तहत हम बंदरगाहों, विमानन और जहाज निर्माण जैसे क्षेत्रों में भी तेजी से प्रगति करेंगे। चंद्रयान 5 मिशन में सहयोग के लिए हम इसरो और जाक्सा के बीच हुए समझौते का स्वागत करते हैं। हमारा सक्रिय सहयोग पृथ्वी की सीमाओं को पार करेगा और अंतरिक्ष में मानवता की प्रगति का प्रतीक बनेगा।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, ऊर्जा के लिए हमारा संयुक्त ऋण तंत्र एक बड़ी जीत है। यह दर्शाता है कि हमारी हरित साझेदारी हमारी आर्थिक साझेदारी जितनी ही मजबूत है। इस दिशा में हम टिकाऊ ईंधन पहल और बैटरी आपूर्ति श्रृंखला साझेदारी की भी शुरुआत कर रहे हैं। हम आर्थिक सुरक्षा सहयोग पहल शुरू कर रहे हैं। हम व्यापक दृष्टिकोण के साथ महत्वपूर्ण और रणनीतिक क्षेत्रों में आगे बढ़ेंगे। उन्होंने कहा कि उच्च प्रौद्योगिकी क्षेत्र में सहयोग हम दोनों के लिए प्राथमिकता है। इस संबंध में डिजिटल साझेदारी 2.0 और एआई सहयोग पहल पर काम किया जा रहा है। सेमीकंडक्टर और दुर्लभ मृदा खनिज हमारे एजेंडे में सबसे ऊपर होंगे।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, हमने अगले 10 वर्षों में जापान से भारत में 10 ट्रिलियन येन के निवेश का लक्ष्य रखा है। भारत और जापान के लघु एवं मध्यम उद्यमों और स्टार्टअप्स को जोड़ने पर विशेष जोर दिया जाएगा। भारत-जापान व्यापार मंच में भी मैंने जापानी कंपनियों से कहा था कि भारत में बनाओ, दुनिया के लिए बनाओ। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, आज हमारी चर्चा उपयोगी और उद्देश्यपूर्ण रही। हम इस बात पर सहमत हैं कि दुनिया की दो सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं और जीवंत लोकतंत्रों के रूप में हमारी साझेदारी न केवल दोनों देशों के लिए बल्कि वैश्विक शांति और सुरक्षा के लिए भी जरूरी है। मजबूत लोकतंत्र एक बेहतर दुनिया के निर्माण में स्वाभाविक साझेदार होते हैं। आज हमने अपनी विशेष रणनीतिक और वैश्विक साझेदारी में एक नए और सुनहरे अध्याय की नींव रखी है। हमने अगले दशक के लिए एक रोडमैप तैयार किया है। हमारे विजन के केंद्र में निवेश, नवाचार, आर्थिक सुरक्षा, पर्यावरण, प्रौद्योगिकी, स्वास्थ्य, गतिशीलता और लोगों के बीच आपसी संपर्क है।

अमेरिका से टैरिफ वॉर के बीच प्रधानमंत्री मोदी ने जापान की कंपनियों को भारत में निवेश का न्यौता दिया और कहा कि मेट्रो से मैनुफैक्चरिंग तक हर क्षेत्र में भारत-जापान की साझेदारी विश्वास का प्रतीक बनी है और जापान की कंपनियों ने भारत में 40 बिलियन डॉलर से ज्यादा का निवेश किया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जापान यात्रा की शुरुआत में भारत-जापान इकनॉमिक फोरम को संबोधित किया। इस दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने जापान से अपने पुराने रिश्तों को याद किया और जापानी कंपनियों को भारत में निवेश करने न्यौता दिया। प्रधानमंत्री मोदी ने जापान के बड़े बिजनेस लीडर्स से कहा, आज दुनिया सिर्फ भारत को देख ही नहीं रही है बल्कि भारत पर भरोसा भी कर रही है। मैं आपसे आग्रह करता हूं, आइए, भारत में बनाइए, विश्व के लिए बनाइए। सुजुकी और डाइकिन की सफलता की कहानी आपकी भी सफलता की कहानी बन सकती है। अमेरिका से चल रहे टैरिफ वॉर के बीच प्रधानमंत्री मोदी का जापानी कंपनियों को यह आमंत्रण अहम माना जा रहा है।

सुमितोमो मित्सुई बैंकिंग कॉरपोरेशन के प्रबंध कार्यकारी निदेशक और कंपनी के भारतीय बाजार के प्रमुख राजीव खन्ना ने प्रधानमंत्री मोदी के जापान दौरे पर कहा, यह प्रधानमंत्री मोदी की नौवीं जापान यात्रा है। वे जापान, जापानी कंपनियों और जापानी लोगों से बेहद परिचित हैं। कई वर्षों के बाद अपनी यात्रा के दौरान उनका व्यापार पर ध्यान केंद्रित करना बहुत सकारात्मक है। जापानी कंपनियों के दृष्टिकोण से, वे एक बहुत ही चुनौतीपूर्ण हालात देख रहे हैं, जिसमें कुछ कंपनियों की टैरिफ बाधाएं बढ़ रही हैं और घरेलू बाजार सिकुड़ रहा है। भारत में निर्माण करना और दुनिया को बेचना एक अच्छा और वास्तविक अवसर है। ऑटो क्षेत्र और भी बहुत कुछ कर सकता है। जापानी कंपनियां सेमीकंडक्टर और अन्य उच्च-तकनीकी उद्योगों में भारत में इंजीनियरों की महत्वपूर्ण आपूर्ति का लाभ उठा सकती हैं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी करीब सात साल बाद भारत-जापान के वार्षिक सम्मेलन में हिस्सा लेने गए हैं। इससे पहले वे 2018 में इस सम्मेलन का हिस्सा बने थे। मोदी जापान दौरे के बाद शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के सम्मेलन के लिए चीन भी जाएंगे। यहां वे तियानजिन में चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के न्योते पर बैठक का हिस्सा बनेंगे। इसके अलावा प्रधानमंत्री मोदी सम्मेलन से इतर शी जिनपिंग और रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से भी मुलाकात कर सकते हैं। प्रधानमंत्री मोदी की जापान यात्रा के प्रसंग में यह जानना अहम है कि आखिर भारत के लिए इसकी क्या अहमियत है और दोनों देश किन मुद्दे पर बात करेंगे। इसके अलावा भारत और जापान किन-किन समझौतों पर मुहर लगा सकते हैं। भारत किस एक समझौते पर सबसे करीबी से नजर रख रहा है। इसके अलावा ट्रंप के टैरिफ लगाने के फैसले के बीच दोनों देश आर्थिक रिश्तों को लेकर क्या कर सकते हैं।भारत और जापान के ऐतिहासिक-पारंपरिक संबंधों के साथ-साथ रणनीतिक सहयोग भी उत्तरोत्तर बढ़ा है। इसमें भारत की एक्ट-ईस्ट पॉलिसी और सिक्युरिटी एंड ग्रोथ फॉर ऑल इन द रिजन (सागर) जैसी पहल भी शामिल है। इसके अलावा भारत की हिंद-प्रशांत महासागर पहल (आईपीओआई) की नीति, जापान की मुक्त और खुले हिंद-प्रशांत दृष्टि के साथ समाहित हो गई। इसके अलावा भारत-जापान अंतरराष्ट्रीय सौर गठबंधन (आईएसए), आपदा प्रतिरोधी बुनियादी ढांचे के लिए गठबंधन (सीडीआरआई), और उद्योग परिवर्तन के लिए नेतृत्व समूह (लीडआईटी) जैसी पहल में साझेदार हैं। इसके अलावा, दोनों देश क्वाड ढांचे और भारत-जापान सप्लाई सप्लाई चेन रेजिलियंस इनीशिएटिव (एससीआरआई) में भी सहयोगी हैं।लिहाजा, पीएम मोदी की जापान यात्रा अमेरिका से अलग-अलग मसलों पर तनाव के बीच मुख्यतः सुरक्षा के मुद्दे पर केंद्रित रहेगा। वह भी खास तौर पर क्वाड गठबंधन के मुद्दे पर। भारत के विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने क्वाड को लेकर कहा, क्वाड वास्तव में हिंद-प्रशांत क्षेत्र में शांति, स्थिरता, समृद्धि और विकास को बढ़ावा देने के लिए एक महत्वपूर्ण मंच है। हाल के वर्षों में, इसका एजेंडा व्यावहारिक सहयोग के मुद्दों तक फैला है और इसमें स्वास्थ्य सुरक्षा, महत्वपूर्ण और उभरती प्रौद्योगिकियां शामिल हैं। हाल ही में महत्वपूर्ण खनिजों, आपूर्ति श्रृंखलाओं को और अधिक लचीला बनाने और बुनियादी ढांचे के विकास के संबंध में भी चर्चा हुई है। ये सभी मुद्दे भारत और जापान दोनों के लिए प्राथमिकता वाले हैं। दोनों देश इस मंच और इस साझेदारी को बहुत महत्व देते हैं। हम अपने सहयोग को आगे बढ़ाने के लिए सभी क्वाड भागीदारों के साथ काम करने के लिए तत्पर हैं।

अमेरिका से कारोबारी रिश्तों में तनाव के चलते भारत रक्षा क्षेत्र में भी अपने विकल्पों को बढ़ाना चाहता है। ऐसे में प्रधानमंत्री मोदी और जापानी प्रधानमंत्री इशिबा के बीच रक्षा समझौता एक बड़ा मुद्दा हो सकता है। विक्रम मिस्री ने कहा, दोनों देश मिलकर यूनिफाइड कॉम्प्लेक्स रेडियो एंटीना का सह-निर्माण कर रहे हैं, यूनीकॉर्न प्रोजेक्ट पर भी नवंबर 2024 में हस्ताक्षर किए गए थे। भारतीय नौसेना और जापानी नौसेना भी भारत में जहाज मरम्मत के क्षेत्र में सहयोग की संभावनाएं तलाश रही हैं। दोनों देश 2008 के सुरक्षा सहयोग घोषणा के तहत रक्षा रिश्तों को आगे बढ़ाने पर भी मुहर लगा सकते हैं। अगर ऐसा होता है तो भारत और जापान के बीच साझा स्तर रक्षा उपकरण और हथियार बनाने का समझौता भी हो सकता है। गौरतलब है कि कुछ समय पहले ही जापान की तरफ से भारत को फाइटर जेट के इंजन से जुड़ी तकनीक साथ में विकसित करने का न्यौता भी मिला था।

भारत दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी और जापान दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था के तौर पर अमेरिकी टैरिफ के प्रभावों से निपटने के लिए कुछ अहम मुद्दों पर सहमति बना सकते हैं। इनमें आयात-निर्यात और निवेश से जुड़े कुछ बड़े समझौते होने के कयास लगाए जा रहे हैं। हाल ही में जापानी प्रधानमंत्री ने जापानी अखबार निक्केई एशिया को बताया था कि वह दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय व्यापारिक संबंधों को बढ़ाने के लिए भारत में अगले एक दशक में 10 ट्रिलियन येन (करीब 5.95 लाख करोड़ रुपए) के निवेश से जुड़ी योजनाओं का ऐलान कर चुके हैं। दोनों देश दवाओं से लेकर ऑटो सेक्टर तक एक-दूसरे के करीबी साझेदार बनने की तैयारी कर रहे हैं।

जापानी मीडिया के मुताबिक, भारत में निवेश के जरिए जापानी कंपनियां आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और सेमीकंडक्टर जैसे कूटनीतिक सेक्टरों में अपनी पहुंच बनाना चाहती है। यह कंपनियां भारत में अपना सेटअप लगाने के बाद भारतीय विशेषज्ञों को रोजगार देंगी, जिससे दोनों देशों के बीच आर्थिक रिश्ते और बेहतर होंगे। इसके अलावा भारत-जापान की एआई कंपनियां साझा तौर पर उभरती तकनीकों पर काम शुरू करेंगी। इस संबंध में प्रधानमंत्री मोदी जापान दौरे के दूसरे दिन टोक्यो में इलेक्ट्रॉन नाम की कंपनी भी जाएंगे। यह कंपनी जापान में चिप निर्माण के लिए लगने वाले उपकरणों की बड़ी निर्माता है। भारत ने जापानी कंपनियों के जरिए अपने सेमीकंडक्टर उद्योग को मजबूत बनाने का लक्ष्य रखा है।

प्रधानमंत्री मोदी जापान दौरे में सेंडाई स्थित तोहोकु शिंकानसेन प्लांट भी जाएंगे। यहां बुलेट ट्रेन के कोच का निर्माण होता है। दोनों नेताओं के बीच भारत के बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट पर चर्चा की भी संभावना है। दरअसल, मुंबई-अहमदाबाद हाई स्पीड रेल कॉरिडोर के लिए भारत को ई10 बुलेट ट्रेन पर समझौता करना है। इसकी रफ्तार 320 किमी प्रतिघंटा है और इसमें भूकंप के दौरान पटरी से उतरने से बचाने की तकनीक भी है। बताया जाता है कि ई10 बुलेट ट्रेन भविष्य में ड्राइवरलेस हो जाएंगी।

भारत-चीन साथ काम...

चीन के साथ संबंध सुधारने के महत्व पर पूछे गए सवाल पर मोदी ने कहा, राष्ट्रपति शी जिनपिंग के निमंत्रण पर मैं यहां से तिआनजिन जा रहा हूं ताकि एससीओ शिखर सम्मेलन में हिस्सा ले सकूं। पिछले वर्ष कजान में राष्ट्रपति शी से मेरी मुलाकात के बाद हमारे द्विपक्षीय संबंधों में निरंतर और सकारात्मक प्रगति हुई है। उन्होंने कहा कि दो पड़ोसी और दुनिया के दो सबसे बड़े राष्ट्रों के रूप में भारत और चीन के बीच स्थिर, पूर्वानुमानित और सौहार्दपूर्ण द्विपक्षीय संबंध क्षेत्रीय और वैश्विक शांति एवं समृद्धि पर सकारात्मक प्रभाव डाल सकते हैं। उन्होंने कहा कि यह बहुध्रुवीय एशिया और बहुध्रुवीय विश्व के लिए भी महत्वपूर्ण है। पीएम मोदी ने कहा, विश्व अर्थव्यवस्था में वर्तमान अस्थिरता को देखते हुए दो प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं के रूप में भारत और चीन के लिए विश्व आर्थिक व्यवस्था में स्थिरता लाने के लिए मिलकर काम करना भी महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि भारत आपसी सम्मान, आपसी हित और आपसी संवेदनशीलता के आधार पर रणनीतिक और दीर्घकालिक दृष्टिकोण से द्विपक्षीय संबंधों को आगे बढ़ाने और विकासात्मक चुनौतियों का समाधान करने के लिए रणनीतिक संचार को बढ़ाने के लिए तैयार है।

जापानी सरकार की फ्री एंड ओपन इंडो-पैसिफिक (मुक्त और खुला हिंद-प्रशांत) अवधारणा पर मोदी ने कहा कि इसमें जापान और भारत के बीच गहरा सामंजस्य है। उन्होंने कहा कि विजन महासागर और इंडो-पैसिफिक ओशंस इनिशिएटिव भारत के अपने दृष्टिकोण को दर्शाते हैं। मोदी ने कहा, भारत और जापान एक शांतिपूर्ण, समृद्ध, स्थिर और ऐसा इंडो-पैसिफिक चाहते हैं जहां राष्ट्रों की संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता का सम्मान हो। दोनों देशों के इंडो-पैसिफिक क्षेत्र से गहरे रिश्ते हैं और हम कई बहुपक्षीय मंचों पर मिलकर साझा लक्ष्यों को आगे बढ़ा रहे हैं।

रूस और यूक्रेन के नेताओं के साथ अपनी हालिया बातचीत के बारे में बात करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि भारत ने इस संघर्ष पर एक सैद्धांतिक और मानवीय रुख बनाए रखा है। जिसकी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की दोनों ने समान रूप से सराहना की है। उन्होंने जापानी अखबार को बताया, इसी के अनुरूप दोनों नेताओं ने संघर्ष से संबंधित घटनाक्रमों पर अपने विचार साझा करने के लिए मुझसे बात की। मैंने भारत के सैद्धांतिक और सुसंगत रुख को दोहराया और संघर्ष को सुलझाने के लिए बातचीत और कूटनीति को प्रोत्साहित किया। मैंने पहले ही संघर्ष के शांतिपूर्ण समाधान के उद्देश्य से सार्थक प्रयासों का समर्थन करने की भारत की इच्छा व्यक्त की है।

ग्लोबल साउथ के महत्व पर जोर देते हुए मोदी ने कहा कि वैश्विक समुदाय ने 2030 तक सतत विकास लक्ष्यों को प्राप्त करके एक अधिक समतापूर्ण विश्व बनाने की प्रतिबद्धता जताई है। प्रधानमंत्री ने कहा, अगर हमें इस प्रतिबद्धता पर खरा उतरना है, तो ग्लोबल साउथ को प्राथमिकता देनी होगी। एक अत्यधिक परस्पर जुड़ी हुई दुनिया में, हमने ग्लोबल साउथ पर महामारी, संघर्षों और आपूर्ति श्रृंखला व्यवधानों के दुर्बल करने वाले प्रभाव को देखा है। उन्होंने कहा कि उन्हें वैश्विक शासन, जलवायु परिवर्तन, खाद्य और ऊर्जा सुरक्षा, ऋण और वित्तीय तनाव से जुड़ी असंख्य चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। जिनका उनकी विकास प्राथमिकताओं पर महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ रहा है। उन्होंने कहा, ग्लोबल साउथ के सदस्य होने के नाते हम इन चिंताओं और लोगों के जीवन पर उनके प्रभावों को स्पष्ट रूप से समझते हैं। हमने इन्हें वैश्विक एजेंडे में सबसे आगे लाने के लिए अथक प्रयास किए हैं। उन्होंने आगे कहा कि इसी प्रकार, ब्रिक्स में भी भारत वैश्विक दक्षिण के लाभ के लिए सक्रिय रूप से काम कर रहा है। भारत ब्रिक्स के साथ अपने जुड़ाव को महत्व देता है, जो परामर्श और सहयोग के लिए एक मूल्यवान मंच के रूप में उभरा है और जिसने साझा हितों के विशिष्ट मुद्दों पर आपसी समझ को बढ़ावा देने में मदद की है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत लगातार वैश्विक बहुपक्षीय संस्थाओं में तात्कालिक और व्यापक सुधार की मांग करता रहा है ताकि वे वर्तमान भू-राजनीतिक और आर्थिक वास्तविकताओं को प्रतिबिंबित कर सकें। उन्होंने कहा, भारत ने वैश्विक बहुपक्षीय संस्थानों में तत्काल और व्यापक सुधारों का भी लगातार आह्वान किया है ताकि उन्हें और अधिक प्रभावी बनाया जा सके और वर्तमान भू-राजनीतिक और आर्थिक वास्तविकताओं को प्रतिबिंबित किया जा सके। उन्होंने बताया कि 2004 में अपनी स्थापना के बाद से पिछले 20 वर्षों में क्वाड वैश्विक भलाई की एक शक्ति के रूप में उभरा है और हिंद-प्रशांत क्षेत्र के लोगों के लिए सकारात्मक परिणाम प्रदान कर रहा है।

देश में आबादी ...

गणित में 2.1 का मतलब दो होता है। मगर सामाजिक जीवन में 2.1 का अर्थ कम से कम तीन बच्चों का है। रिसर्च बताते हैं कि तीन बच्चों वाले परिवार में मां-बाप और संतान अधिक स्वस्थ रहते हैं। स्वास्थ्य अध्ययन के मुताबिक इसके कारण परिवार में अहम की लड़ाई कम होती है। बच्चे ईगो मैनेजमेंट सीख जाते हैं।

मोहन भागवत ने कहा, भारत की जनसंख्या नीति 2.1 बच्चों की बात करती है, जिसका अर्थ है कि एक परिवार में तीन बच्चे। हर नागरिक को यह देखना चाहिए कि उसके परिवार में तीन बच्चे हों। उन्होंने कहा, सभी नागरिकों को तीन बच्चे पैदा करने पर विचार करना चाहिए, जिससे जनसंख्या पर्याप्त हो और कंट्रोल में भी रहे। भारत की जनसंख्या नीति का जिक्र करते हुए, आरएसएस प्रमुख ने कहा, हमारे देश की जनसंख्या नीति 1998 या 2002 में बनाई गई थी, और उसमें साफ तौर से जिक्र किया गया था कि किसी भी समुदाय की जनसंख्या 2.1 से कम नहीं होनी चाहिए। कोई आंशिक बच्चे नहीं पैदा कर सकता, इसलिए जनसंख्या विज्ञान के मुताबिक, हमें प्रति परिवार कम से कम तीन बच्चों की जरूरत है। संघ प्रमुख ने कहा कि भारतवर्ष में प्रत्येक हिंदू नागरिक के घर में तीन बच्चे होने चाहिए, यह मैं देश की दृष्टि से कह रहा हूं। जनसंख्या नियंत्रित भी रहे और जनसंख्या संतुलित भी रहे। जन्मदर सबका कम हो रहा है। लेकिन हिंदुओं का पहले से ही कम था, अब और कम हो रहा है। इसलिए हर हिंदू परिवार में कम से कम तीन बच्चे होने चाहिए।

संघ प्रमुख मोहन भागवत के इस सारगर्भित कथन पर कांग्रेस के यूपी अध्यक्ष अजय राय ने नासमझी से भरा फूहड़ वक्तव्य जारी किया। अजय राय ने कहा, संघ के लोगों को पहले खुद शादी करनी चाहिए। फिर उन्हें देश के लोगों को नसीहत देनी चाहिए। संघ प्रमुख को दिशा निर्देश लागू करना चाहिए कि संघ के लोग तत्काल शादी करें और बच्चे पैदा करें। अजय राय ने कहा, आरएसएस के लोग पूरी तरीके से रंडुवे हैं। आरएसएस में नीचे से ऊपर तक रंडुओं की फौज भरी हुई है। अजय राय का इतने पर भी मन नहीं भरा तो उन्होंने कहा, आरएसएस में महिलाओं का सम्मान नहीं होता है। फिर अजय राय ने बड़ी बेशर्मी से संघ प्रमुख को भी शादी करने की नसीहत दे डाली।

ड्रैगन और हाथी ...

इसे दोनों देशों के बीच संबंधों में आई ठंडक के बाद इसे एक सकारात्मक बदलाव के रूप में देखा जा रहा है। यह दौरा ऐसे समय में हो रहा है जब भारत और चीन अपने कूटनीतिक संबंधों के 75 साल पूरे कर रहे हैं।ग्लोबल टाइम्स ने लिखा, हाल के महीनों में दोनों देशों के बीच कुछ सकारात्मक घटनाएं हुई हैं, जैसे हिमालयी सीमा पर सैनिकों द्वारा मिठाइयों का आदान-प्रदान, भारतीय तीर्थयात्रियों के लिए तिब्बत की यात्रा फिर से शुरू होना और भारत-चीन के बीच सीधी उड़ानों को फिर से शुरू करने की संभावना जताई जाना। यह सब इस ओर इशारा करता है कि दोनों देश धीरे-धीरे अपने रिश्तों को सुधारने की दिशा में बढ़ रहे हैं। ग्लोबल टाइम्स ने लिखा कि गलवान की घटना के बाद दोनों देश यह मानने लगे हैं कि सीमा विवादों के बजाय, संसाधनों को आर्थिक विकास और रणनीतिक प्राथमिकताओं पर लगाना अधिक तर्कपूर्ण है। सुस्त वैश्विक आर्थिक सुधारों के बीच दोनों देशों को आर्थिक विकास के लिए स्थिरता जरूरी है। 2024 में द्विपक्षीय व्यापार साल-दर-साल 1.7 प्रतिशत की बढ़ोतरी के साथ 138.478 अरब डॉलर तक पहुंच गया था।

संपादकीय में लिखा है कि 2025 की शुरुआत से ही दुनिया में रूस-यूक्रेन युद्ध, मिडिल ईस्ट की अशांति और अमेरिका की घरेलू राजनीति और विदेश नीति में बदलाव जैसी कई समस्याएं आई हैं। अमेरिका अब अपने सहयोगियों को समर्थन देने के बजाय लेन-देन की राजनीति अपना रहा है, कुछ जगहों पर तो अमेरिका ने सहयोगियों और साझेदारों की कीमत पर लाभ लेने की नीति अपनाई है। इससे भारत-अमेरिका संबंधों में भी खटास आई है।

इस संपादकीय में प्रधानमंत्री मोदी के भारत के स्वतंत्रता दिवस पर दिए गए संबोधन का भी उल्लेख किया गया है। इसमें लिखा है, प्रधानमंत्री मोदी ने स्वतंत्रता दिवस पर कहा था कि भारत अपने किसानों के हितों पर कोई समझौता नहीं करेगा और किसी भी दबाव के सामने दीवार बनकर खड़ा रहेगा। भारत अब व्यापार में विविधता लाने के लिए करीब 40 देशों के साथ मिलकर नीतियों पर काम कर रहा है। यह रणनीतिक स्वतंत्रता चीन की विदेश नीति से मेल खाती है, जिससे दोनों देशों के बीच सहयोग की नई संभावनाएं बन रही हैं। इसमें स्पष्ट रुप से लिखा है कि कुछ पश्चिमी मीडिया संस्थान इस सुधार को अमेरिका-विरोधी गठबंधन के रूप में दिखाने की कोशिश करते हैं, लेकिन यह सच्चाई को गलत ढंग से पेश करता है। भारत और चीन की विदेश नीति स्वतंत्र और अपने-अपने राष्ट्रीय हितों पर केंद्रित है।संपादकीय के अनुसार, सीएनएन की एक टिप्पणी में सही कहा गया कि भारत-चीन संबंधों में बदलाव भारत की रणनीतिक स्वतंत्रता की नीति का उदाहरण है, जो किसी भी गुट का हिस्सा बनने के बजाय अपने हितों को प्राथमिकता देती है। संपादकीय में लिखा है कि इतिहास की ओर देखें तो भारत उन पहले देशों में से था, जिन्होंने पीपल्स रिपब्लिक ऑफ चाइना को मान्यता दी थी। भारत और चीन ने 1950 के दशक में पंचशील सिद्धांत का प्रस्ताव दिया था जो आज भी अंतरराष्ट्रीय संबंधों की एक मूल भावना है। इसमें कहा गया है, एशिया के आर्थिक विकास के डबल इंजन होने के साथ-साथ, ग्लोबल साउथ के प्रमुख प्रतिनिधि और एससीओ, ब्रिक्स और जी-20 के सदस्य होने के नाते, चीन और भारत की साझा जिम्मेदारी है कि वे अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था को और अधिक लोकतांत्रिक और न्यायपूर्ण दिशा में आगे बढ़ाएं।

ग्लोबल टाइम्स ने आखिर में लिखा, मोदी की चीन यात्रा भारत-चीन संबंधों को सुधारने का एक बढ़िया अवसर है। पर्यवेक्षकों का मानना है कि अब दोनों बड़े देश अपने रिश्तों को विरोधी नहीं बल्कि साझेदार की तरह संभालने की कोशिश कर रहे हैं। अखबार ने लिखा, जब भारत-चीन कूटनीतिक संबंधों के 75 साल पूरे कर रहे हैं, तब उम्मीद की जा रही है कि नई दिल्ली और बीजिंग दोनों मिलकर एक नया अध्याय लिखेंगे, जहां ड्रैगन और हाथी मिलकर दुनिया में शांति, स्थिरता और समृद्धि की दिशा में योगदान देंगे।

अपशब्द बोलने...

एआईएमआईएम नेता असदुद्दीन ओवैसी ने भी मर्यादी का उल्लंघन किए जाने की हरकत की जमकर निंदा की है।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा, राहुल गांधी ने जो कहा, उससे सभी को दुख पहुंचा है। प्रधानमंत्री मोदी की मां ने एक गरीब घर में जीवन जिया, अपने बच्चों को मूल्यों के साथ पाला और अपने बेटे को एक भरोसेमंद नेता बनाया। ऐसे जीवन के लिए अपशब्दों का इस्तेमाल करना भारत की जनता कभी बर्दाश्त नहीं कर सकती। राजनीतिक जीवन में इससे बड़ी कोई गिरावट नहीं हो सकती और मैं इसकी कड़ी निंदा करता हूं। उन्होंने कहा, मैं राहुल गांधी से आग्रह करना चाहता हूं कि अगर उनमें जरा भी शर्म बची है, तो उन्हें प्रधानमंत्री मोदी, दिवंगत मां और देश की जनता से माफी मांगनी चाहिए। ईश्वर सभी को सद्बुद्धि दे।इससे पहले चुनावी राज्य बिहार में राहुल गांधी की मतदाता अधिकार यात्रा के दौरान कुछ कांग्रेस कार्यकर्ताओं की ओर से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनकी दिवंगत मां के खिलाफ अभद्र भाषा का इस्तेमाल किए जाने के बाद विवाद खड़ा हो गया। भाजपा ने इस टिप्पणी को लेकर पटना के कोतवाली थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई और कांग्रेस सांसद से माफी मांगने की मांग की।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के खिलाफ अभद्र भाषा का प्रयोग करना सूरज पर थूकने जैसा है। यह प्रधानमंत्री का नहीं बल्कि देश की 140 करोड़ जनता का अपमान है। जनता इसका जवाब कांग्रेस और इंडी गठबंधन को देगी। योगी आदित्यनाथ ने कहा कि सपा और कांग्रेस का इंडी गठबंधन भारत विरोधी गठबंधन है। यह देश की आन बान शान के साथ खिलवाड़ करने वाला गठबंधन है। 140 करोड़ जनता के प्रति नहीं भारत के संवैधानिक संस्थाओं को अपमान करने वाला गठबंधन है। सत्ता में आने पर देश और प्रदेश में अराजकता पैदा करने वाले कांग्रेस और सपा के लोग आज लोकतंत्र की दुहाई दे रहे हैं। इनके शासन काल में प्रदेश को दंगों की आग में झोंक दिया गया था। सीएम योगी ने कहा कि पीएम मोदी के प्रति अभद्र भाषा का प्रयोग करना पूरे देश का अपमान है। देश की जनता अपने को अपमानित महसूस कर रही है।

इस मामले को लेकर हैदराबाद के सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने कहा, देश का कानून आपको बोलने का, विरोध करने का अधिकार देता है। आप आलोचना करें, जितना चाहें निंदा करें लेकिन अगर आप शालीनता की सीमा पार करते हैं, तो यह गलत है और ऐसा नहीं किया जाना चाहिए। ओवैसी ने कहा, शालीन शब्दों का इस्तेमाल किया जाना चाहिए। आप बोलें, विरोध करें और आलोचना करें, जितना चाहे निंदा करें लेकिन अगर आप शालीनता की सीमा पार करते हैं, तो यह गलत है और ऐसा नहीं किया जाना चाहिए। चाहे वह किसी के बारे में भी हो। प्रधानमंत्री की आलोचना करें लेकिन एक बात याद रखें कि अगर आप सीमा पार कर रहे हैं, तो यह सही नहीं है। तब हमारी बहस का विषय गलत और अश्लील होगा। अगर कोई और ऐसा कर रहा है, तो हमें उनकी नकल करने की जरूरत नहीं है।

11 साल में आम ...

वे अपने आप में ऐतिहासिक हैं। आज 56 करोड़ से ज्यादा जन धन खाते खोले जा चुके हैं। इन खातों में जमा राशि बढ़कर 2.67 लाख करोड़ रुपए तक पहुंच गई है, जबकि 2015 में यह महज़ 15,670 करोड़ रुपए थी। इस योजना की सबसे अहम खासियत यह रही कि इसका सबसे बड़ा फायदा गरीब और ग्रामीण भारत को मिला। करीब 67 प्रतिशत खाते गांव और अर्ध-शहरी इलाकों में खुले और खास बात यह है कि कुल खातों में 56 प्रतिशत महिलाओं के नाम पर हैं।

यानि, पहली बार लाखों महिलाएं अपनी आर्थिक पहचान के साथ बैंकिंग सिस्टम का हिस्सा बनीं। इन खातों के साथ सरकार ने सीधे लाभ पहुंचाने की व्यवस्था भी खड़ी की। अब मनरेगा की मजदूरी हो, गैस सब्सिडी हो या किसी अन्य योजना का लाभ सारा पैसा सीधे लाभार्थी के खाते में जाता है। बिचौलियों की भूमिका खत्म हो गई और लोगों का विश्वास भी बैंकिंग व्यवस्था में बढ़ा है। जन धन योजना सिर्फ आंकड़ों तक सीमित नहीं रही, बल्कि इसने करोड़ों परिवारों की जिंदगी बदल दी। गांव की महिलाएं, जो पहले नकद बचत रखती थीं, अब अपने खाते में पैसा जमा करती हैं। दिहाड़ी मजदूरों और छोटे किसानों को सीधे खातों में मजदूरी और सब्सिडी मिलती है। दुर्घटना बीमा और ओवरड्राफ्ट सुविधा ने गरीब परिवारों को आकस्मिक हालात में सहारा दिया।

इस योजना ने डिजिटल भुगतान को भी नई गति दी है। अब तक 38 करोड़ से ज्यादा रुपे कार्ड जारी हो चुके हैं। यूपीआई और डिजिटल लेन-देन में भारत ने दुनिया में नेतृत्व हासिल किया है और इसमें जन धन योजना की बड़ी भूमिका रही है। जन धन योजना ने दुनिया में भी भारत का नाम रौशन किया। गिनीज वर्ल्ड रेकॉर्ड्स में इसका नाम शामिल हुआ जब सिर्फ एक हफ्ते में 1.8 करोड़ खाते खोले गए। यह किसी भी देश में अब तक की सबसे बड़ी वित्तीय समावेशन पहल साबित हुई। ग्यारह वर्षों में औसत जमा राशि भी कई गुना बढ़ी है। 2015 में एक खाते में औसतन 1,300 रुपए रहते थे, जो अब बढ़कर लगभग 4,768 रुपए हो गए हैं। इसका मतलब है कि लोग न सिर्फ खाते खोल रहे हैं बल्कि नियमित रूप से उनमें बचत भी कर रहे हैं। साल 2024-25 में ही करीब 6.9 लाख करोड़ रुपए विभिन्न सरकारी योजनाओं के तहत सीधे खातों में ट्रांसफर किए गए। यह सरकार की पारदर्शिता और जन धन योजना की सफलता का जीता-जागता सबूत है।ग्यारह साल बाद आज साफ दिखता है कि प्रधानमंत्री जन धन योजना ने गरीब और वंचित तबकों की जिंदगी में वास्तविक बदलाव लाया है। यह केवल बैंक खाता खोलने की योजना नहीं रही, बल्कि सम्मान और आत्मनिर्भरता देने की एक राष्ट्रीय मुहिम बन चुकी है। महिलाओं को आर्थिक ताकत मिली है, ग्रामीण इलाकों तक बैंकिंग की पहुंच हुई है और सरकारी योजनाओं का लाभ सीधे जनता तक पहुंचने लगा है। इस योजना ने भारत में वित्तीय समावेशन की परिभाषा बदल दी है।

वायु प्रदूषण से...

कहीं ज्यादा है।शोध के मुताबिक, उत्तरी भारत दुनिया का सबसे प्रदूषित क्षेत्र है। यहां 54.4 करोड़ लोग, यानी भारत की 38.9 प्रतिशत आबादी, बेहद खराब हवा में सांस ले रही है। दिल्ली-एनसीआर की स्थिति सबसे चिंताजनक है, जहां पीएम2.5 (2.5 माइक्रोन से छोटे कण) प्रदूषण के कारण लोग अपनी औसत आयु से 8.2 साल खो रहे हैं, अगर इसे विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्लूएचओ) के 5 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर के मानक से तौला जाए। बिहार (5.6 साल), हरियाणा (5.3 साल), और उत्तर प्रदेश (5 साल) जैसे राज्य भी इस मामले में पीछे नहीं हैं। ये आंकड़े बताते हैं कि साफ हवा अब एक सपना बनता जा रहा है।भारत का अपना पीएम2.5 मानक 40 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर है, जो डब्लूए-चओ के मानक से कहीं ज्यादा ढीला है। फिर भी, देश की 46 प्रतिशत आबादी ऐसी जगहों पर रहती है, जहां प्रदूषण इस राष्ट्रीय मानक से भी ऊपर है। अगर दिल्ली-एनसीआर की बात करें, तो यहां लोग राष्ट्रीय मानक की तुलना में 4.74 साल की आयु खो रहे हैं। बिहार में यह आंकड़ा 1.97 साल, हरियाणा में 1.83 साल, और उत्तर प्रदेश में 1.59 साल है। शोध कहता है कि अगर प्रदूषण को राष्ट्रीय मानक तक लाया जाए, तो इन इलाकों में लोगों की जिंदगी में 1.5 साल जोड़े जा सकते हैं।

भारत अकेला नहीं है। दक्षिण एशिया दुनिया का सबसे प्रदूषित क्षेत्र है, जहां 2023 में प्रदूषण 2.8 प्रतिशत बढ़ा। इस क्षेत्र में औसतन 3 साल की आयु प्रदूषण की वजह से कम हो रही है, और सबसे खराब प्रभावित इलाकों में यह नुकसान 8 साल तक पहुंच जाता है। भारत की 1.4 अरब आबादी में से हर व्यक्ति ऐसी जगह रहता है, जहां हवा डब्लूएचओ के मानकों से ज्यादा प्रदूषित है। यहां तक कि सबसे साफ इलाकों में भी, अगर प्रदूषण को डब्लूएचओ के स्तर तक लाया जाए, तो लोगों की आयु में 9.4 महीने का इजाफा हो सकता है।दिल्ली-एनसीआर की हालत सबसे खराब है। यहां की हवा में पीएम2.5 का स्तर इतना ज्यादा है कि यह न केवल फेफड़ों को नुकसान पहुंचाता है, बल्कि दिल की बीमारियों और अन्य गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं को भी जन्म देता है। शोध बताता है कि अगर प्रदूषण को नियंत्रित कर लिया जाए, तो दिल्लीवासियों की जिंदगी में कई साल जोड़े जा सकते हैं। यह एक कड़वी सच्चाई है कि हमारी राजधानी, जो देश का दिल है, वहां सांस लेना सबसे खतरनाक है। वायु प्रदूषण अब भारत में सबसे बड़ा स्वास्थ्य खतरा बन चुका है। यह बच्चों में कुपोषण और तंबाकू से भी ज्यादा खतरनाक है। पीएम2.5 जैसे महीन कण फेफड़ों में गहराई तक पहुंचकर सांस की बीमारियों, हृदय रोग, और यहां तक कि कैंसर जैसी गंभीर बीमारियों का कारण बनते हैं। यह शोध हमें चेतावनी देता है कि अगर हम अब भी नहीं चेते, तो हमारी आने वाली पीढ़ियां और भी भारी कीमत चुकाएंगी।

'सियासी' जजों के...

की स्थिति, नियुक्तियों में देरी और आम नागरिकों को न्याय मिलने की स्थिति पर चुप रहे। लॉ कमीशन के सदस्य जैन ने आरोप लगाया कि जो रिटायर्ड जज बार-बार न्यायिक पदोन्नति और सर्वोच्च न्यायालय में लंबित कुछ मामलों पर सवाल उठाते हैं, वे निचली अदालतों में लंबित मुकदमों, सुनवाई में कैसे तेजी लाई जाए और न्याय को कैसे सुलभ बनाया जाए, इस पर कभी बात नहीं करते।

उन्होंने सवाल उठाया कि क्या ये जज न्यायपालिका के बड़े मुद्दों के समाधान के लिए कोई रचनात्मक समाधान लेकर आए? या अपने अनुभवों से आम लोगों की समस्याओं को हल करने के लिए कुछ किया? रिकॉर्ड में भाषणों के अलावा कुछ नहीं है। हितेश जैन ने कुछ वरिष्ठ वकीलों के नाम लेकर कहा कि ये लोग खुद को न्यायिक कार्यकर्ता बताते हैं, लेकिन अगर कोई न्यायिक पदोन्नति उनके अनुरूप न हो तो वे मीडिया के पास पहुंच जाते हैं और छाती पीटते हैं कि लोकतंत्र खतरे में है। हितेश जैन ने आरोप लगाया कि यह लॉबी हर मोड़ पर झूठ का राग अलापती है और इनकी चिंता न्यायपालिका के प्रति नहीं बल्कि अपने राजनीतिक एजेंडे को आगे बढ़ाने की है। इन्हें स्पष्ट संदेश देना जरूरी है कि वे न्यायपालिका को धमका नहीं सकते और इसे ढाल के रूप में भी इस्तेमाल नहीं कर सकते। अब समय आ गया है कि इस लॉबी को बेनकाब किया जाए। कई पूर्व जजों का नाम लेकर हितेश जैन ने कहा कि ये राजनीतिक लॉबी का हिस्सा हैं, जिनका उद्देश्य प्रधानमंत्री मोदी को निशाना बनाना है। ऐसे सक्रिय न्यायाधीशों के चेहरे से नकाब हटाना जरूरी है।

राम सेतु को...

वरिष्ठ अधिवक्ता विभा मखीजा डॉ. स्वामी की ओर से पेश हुईं, क्योंकि स्वामी को स्वास्थ्य संबंधी समस्या थी। सुब्रमण्यम स्वामी की याचिका में कहा गया है कि यह केंद्र सरकार की जिम्मेदारी है कि वो राम-सेतु को किसी भी प्रकार के दुरुपयोग, प्रदूषण या अपवित्रता से बचाए। इसमें कहा गया है कि यह पुरातात्विक स्थल उन लोगों की आस्था और श्रद्धा का विषय है जो राम-सेतु को तीर्थ मानते हैं।

एक अन्य याचिका में, स्वामी ने सेतुसमुद्रम शिप चैनल परियोजना के लिए एक वैकल्पिक मार्ग खोजने की मांग की है, ताकि राम सेतु को नुकसान न पहुंचे। यह मामला भी सुप्रीम कोर्ट में लंबित है।

इस परियोजना में मन्नार और पाल्क स्ट्रेट को जोड़ने के लिए 83 किलोमीटर लंबा चैनल बनाया जाना था, जिसके लिए बड़े पैमाने पर खुदाई की जानी थी। आरोप है कि इस प्रोजेक्ट से राम सेतु पर असर पड़ेगा। जनवरी 2023 में कोर्ट ने राम सेतु को राष्ट्रीय धरोहर का दर्जा देने की मांग से संबंधित एक आवेदन पर सुनवाई की थी। सुनवाई के दौरान, केंद्र ने कोर्ट को बताया कि राम सेतु को राष्ट्रीय धरोहर का दर्जा देने पर विचार करने की प्रक्रिया संस्कृति मंत्रालय में चल रही है। इसके अलावा, सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने सुझाव दिया कि डॉ. स्वामी मंत्रालय के समक्ष एक अभ्यावेदन प्रस्तुत करें। इस पृष्ठभूमि में, आवेदन का निपटारा कर दिया गया और डॉ. स्वामी को यह स्वतंत्रता दी गई कि यदि वे अपने अभ्यावेदन पर लिए गए निर्णय से असंतुष्ट हैं, तो वे अपने कानूनी उपायों का उपयोग कर सकते हैं।

राम सेतु को राष्ट्रीय धरोहर घोषित करने की मांग का मुद्दा स्वामी ने 2007 में सेतु समुद्रम शिप चैनल परियोजना के खिलाफ अपनी याचिका में उठाया था। सेतु समुद्रम परियोजना के तहत, व्यापक ड्रेजिंग द्वारा मन्नार और पाक जलडमरूमध्य को जोड़ने वाली 83 किलोमीटर लंबी नहर बनाई जानी थी। इस परियोजना का राम सेतु पर प्रभाव पड़ने का आरोप लगाया गया था। राम सेतु तमिलनाडु के दक्षिण-पूर्वी तट पर चूना पत्थर की चट्टानों की एक श्रृंखला है। यह तमिलनाडु में रामेश्वरम के पास पंबन द्वीप से श्रीलंका के उत्तरी तट पर मन्नार द्वीप तक जाता है। इस पुल का उल्लेख रामायण में मिलता है, जहां बताया गया है कि भगवान राम ने सीता का पता लगाने के लिए लंका पहुंचने के लिए इसका निर्माण किया था।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
4th Floor, 19 Towers (T19),
Near Bus Stand, Ranigunj,
Secunderabad - 500 003
8688868345

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें ।

श्री गिरधारीलाल जी कृपा उत्सव : श्रीमद् भागवत कथा जारी

हैदराबाद, 29 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो) ।

गौ सेवा और आध्यात्मिक उत्थान के संदेश को जन-जन तक पहुँचाने के उद्देश्य से हैदराबाद के गोकुल धाम, एसएस कन्वेंशन, शमशाबाद रोड में श्री गिरधारीलाल जी कृपा उत्सव के अंतर्गत श्रीमद् भागवत कथा का भव्य आयोजन किया जा रहा है। यह पावन कथा 27 अगस्त से 7 सितंबर 2025 तक प्रतिदिन दोपहर 3:00 बजे से सायं 7:00 बजे तक आयोजित हो रही है। विश्वविख्यात कथा वाचक श्री इन्द्रेश जी उपाध्याय महाराज, श्री प्रताप सिंह जी चौहान, और महाराज श्री श्याम सिंह जी चौहान के पावन सान्निध्य में कथा का वाचन हो रहा है, जो भक्तों को भक्ति और ज्ञान के रस में डुबो रहा है।

शुक्रवार, 29 अगस्त 2025 को कथा के तीसरे दिन श्री इन्द्रेश जी उपाध्याय ने श्रीमद् भागवत कथा के महत्व को सरल और प्रभावशाली शब्दों में भक्तों के समक्ष प्रस्तुत किया। उन्होंने बताया कि श्रीमद् भागवत महापुराण हिंदू धर्म के अठारह पुराणों में से एक है, जिसे वेद व्यास जी द्वारा रचित माना जाता है। यह कथा भक्ति योग का आधार है, जिसमें भगवान श्रीकृष्ण को सभी देवों के देव और स्वयं भगवान के रूप में चित्रित किया गया है। श्री उपाध्याय ने कथा के माध्यम से भक्तों को बताया कि यह कथा न केवल आध्यात्मिक शांति प्रदान करती है, बल्कि जीवन के सारे पापों को नष्ट कर मोक्ष का मार्ग प्रशस्त करती है।

उन्होंने श्रीमद् भागवत के बारह स्कंधों का उल्लेख करते हुए कहा कि यह ग्रंथ भक्ति, ज्ञान, और वैराग्य का समन्वय है। यह कथा भगवान श्रीकृष्ण की लीलाओं, उनके अवतारों, और भक्तों के प्रति उनकी कृपा को दर्शाती है। विशेष रूप से, कथा में प्रह्लाद, ध्रुव, और सुदामा जैसे भक्तों के प्रसंगों के माध्यम से भक्ति की महिमा को रेखांकित किया गया।

इस अवसर पर दिल्ली के प्रसिद्ध मगड वाले हनुमान जी मंदिर के मुख्य पुजारी श्री वैभव जी शर्मा ने कथा में भाग लिया और भक्तों को अपना आशीर्वाद प्रदान किया। उनकी उपस्थिति ने आयोजन को और अधिक पवित्र और भक्तिमय बना दिया। दोपहर 2:00 से 3:00 बजे तक आयोजित भजन संकीर्तन सत्र में दिल्ली के प्रख्यात भजन गायक श्री हरमिंदर सिंह जी रोमी ने अपनी मधुर वाणी में भक्ति भजनों की प्रस्तुति दी। उनके भजनों ने भक्तों को भाव-विभोर कर दिया और आयोजन स्थल भक्ति रस से सराबोर हो उठा।

श्री गिरधारीलाल जी कृपा उत्सव का उद्देश्य केवल कथा वाचन तक सीमित नहीं है, बल्कि यह गौ सेवा और सनातन धर्म के प्रचार-प्रसार को भी समर्पित है। आयोजन के दौरान गौ माता की सेवा और उनके संरक्षण पर विशेष जोर दिया जा रहा है। श्री इन्द्रेश जी उपाध्याय ने अपने प्रवचन में कहा कि गौ सेवा से न केवल पर्यावरण संतुलन बना रहता है, बल्कि यह भक्तों के लिए आध्यात्मिक उन्नति का मार्ग भी प्रशस्त करती है। उन्होंने भक्तों से आह्वान किया कि वे अपने जीवन में गौ सेवा को अपनाएँ और सनातन धर्म की शिक्षाओं को आत्मसात करें।श्रीमद् भागवत कथा को वेदों का सार माना जाता है। यह कथा सुनने से भक्तों के हृदय में भगवान श्रीकृष्ण के प्रति अनुराग जागृत होता है और जीवन में शांति, समृद्धि, और मोक्ष की प्राप्ति होती है। आयोजन में शामिल भक्तों का कहना है कि इस कथा ने उनके जीवन में एक नई आध्यात्मिक चेतना का संचार किया है। कथा के दौरान भगवान श्रीकृष्ण की लीलाओं, उनके दर्शन, और भक्ति के गूढ़ रहस्यों का वर्णन भक्तों को मंत्रमुग्ध कर रहा है।यह आयोजन समुदाय को एकजुट करने और सांस्कृतिक गौरव को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। गोकुल धाम में प्रतिदिन सैकड़ों भक्त इस कथा में शामिल हो रहे हैं, जिससे यहाँ का वातावरण भक्तिमय और आध्यात्मिक बना हुआ है। आयोजकों ने बताया कि कथा के समापन तक और भी कई संतों और भजन गायकों की उपस्थिति की उम्मीद है, जो इस आयोजन को और अधिक भव्य बनाएगी।

आयोजक समिति ने सभी भक्तों और सनातन धर्म के अनुयायियों से इस पावन कथा में शामिल होने का आह्वान किया है। यह आयोजन न केवल आध्यात्मिक उत्थान का अवसर प्रदान करता है, बल्कि गौ सेवा और सनातन धर्म के प्रति समर्पण को भी प्रोत्साहित करता है। कथा के अंतिम दिन, 7 सितंबर 2025 को विशेष पूजन और हवन का आयोजन किया जाएगा, जिसमें सभी भक्तों को शामिल होने के लिए आमंत्रित किया गया है।

हाईलाइफ़ प्रदर्शनी का भव्य उद्घाटन, त्यौहारों के लिए खास

हैदराबाद, 29 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)।

देश की सबसे बड़ी फैशन और लाइफ़स्टाइल एग्ज़िबिशन ब्रांड हाईलाइफ़ एग्ज़िबिशन ने हैदराबाद में अपने त्यौहारों के लिए खास एग्ज़िबिशन का शानदार आगाज़ किया है। यह एग्ज़िबिशन 31 अगस्त 2025 तक एचआईसीसी, नोवोटेल, हाईटेक सिटी, हैदराबाद में चलेगा। इस एग्ज़िबिशन में त्यौहारों के लिए खास डिज़ाइनर वेयर, फैशन वेयर, ज्वेलरी, वेडिंग वेयर, लाइफ़स्टाइल प्रोडक्ट और घर की सजावट से जुड़े शानदार कलेक्शन पेश किए गए हैं।

एग्ज़िबिशन के भव्य उद्घाटन समारोह में अभिनेत्री प्रज्ञा नगारा, अभिनेत्री कामाक्षी भास्करला, अभिनेत्री और मिस इंडिया तेलंगाना 2023 उर्मिला चौहान समेत कई फैशन प्रेमी और उत्साही लोगों ने शिरकत की।

हाईलाइफ़ एग्ज़िबिशन को देश में फैशन और लाइफ़स्टाइल के लिए सबसे मशहूर और सबसे पसंदीदा एग्ज़िबिशन ब्रांड माना जाता है। अपनी बेहतरीन कलेक्शन और टॉप फैशन लेबलों के कारण यह खरीदारों के लिए एक ज़रूरी जगह बन गई है।

इस मौके पर हाईलाइफ़ एग्ज़िबिशन के एमडी और सीईओ अबी डोमिनिक ने कहा, हाईलाइफ़ एग्ज़िबिशन हमेशा से सबसे पसंदीदा लाइफ़स्टाइल, लग्ज़री और फैशन एग्ज़िबिशन ब्रांड रहा है। इस खास फेस्टिवल सीज़न एग्ज़िबिशन में 350 से ज़्यादा डिज़ाइनर हिस्सा ले रहे हैं, जिससे हम एक बेमिसाल शॉपिंग अनुभव पेश कर रहे हैं। उन्होंने आगे कहा कि हमें खुशी है कि हम एक छत के नीचे फेस्टिवल कलेक्शन, पारंपरिक पोशाक, साड़ियाँ, वेडिंग वेयर और लग्ज़री का शानदार संग्रह पेश कर रहे हैं, जिससे हमारे ग्राहकों को इंडस्ट्री की सबसे बेहतरीन चीज़ों में से चुनने का मौका मिलेगा।

इस एग्ज़िबिशन में फैशन के कई बेहतरीन पहलू शामिल हैं, जैसे - त्यौहारों का खास कलेक्शन: बेहतरीन पारंपरिक और आधुनिक परिधान, जो इस त्योहारी सीजन में चार चाँद लगा देंगे।वेडिंग और ब्राइडल वेयर: शादी के मौसम के लिए खास दुल्हन और मेहमानों के लिए डिज़ाइनर पोशाकें।ज्वेलरी और एक्सेसरीज़: बारीक कारीगरी वाली ज्वेलरी और अन्य एक्से-सरीज़, जो हर लुक को पूरा करेंगी।लाइफ़स्टाइल और होम डेकोर: घर को सजाने के लिए शानदार और कलात्मक चीज़ें।

यह एग्ज़िबिशन फैशन और लग्ज़री का एक ऐसा संगम है, जहाँ एक ही जगह पर आपको सब कुछ मिल जाएगा।

समाजसेवी और गौ-रक्षक जसवंत भाई पटेल को हाल ही में विशाखापट्टनम गुजराती समाज का अध्यक्ष चुने जाने पर प्रजा एकता पार्टी के संस्थापक और राष्ट्रीय अध्यक्ष बोनाला श्रीनिवास ने हार्दिक अभिनंदन किया। इस मौके पर रिद्धिश जागीरदार, रंजन शाह, मुकेश चौहान और अन्य गणमान्य व्यक्ति भी मौजूद थे। सभी ने मिलकर जसवंत भाई पटेल को बधाई दी और उनके नए कार्यकाल के लिए शुभकामनाएं दीं।

राधे राधे ग्रुप द्वारा नित्य अन्नप्रसाद सेवा का आयोजन

हैदराबाद, 29 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। शुक्रवार को राधे राधे ग्रुप ने अपनी नित्य अन्नप्रसाद (नाश्ता) सेवा का आयोजन किया। यह सेवा सुबह 7:31 बजे बेगमबाजार स्थित गौशाला (पुल की माता) के पास और नामपल्ली के पब्लिक गार्डन (पिलर-1265) के पास दी गई।

यह सेवा भाद्रपद मास, शुक्ल पक्ष, षष्ठी तिथि के पावन अवसर पर आयोजित की गई। इस नेक कार्य में राधे राधे ग्रुप के कई सदस्य शामिल हुए। इनमें सतीश गुप्ता, जगत नारायण अग्रवाल, रवि अग्रवाल, रितेश गुप्ता, राजेश सर योगा, विनोद तोषनीवाल, गोविंद राम जी, शिव भगवान, शर्मिला अग्रवाल, नीलम विजयवर्गीय, मीना अग्रवाल, लता गोयल, सूची अग्रवाल, आशीष, किशन पाल, रामप्रकाश अग्रवाल, सुनीता अग्रवाल, भगरतराम गोयल, मनीष अग्रवाल, गोपाल गोयल, सुशील गुप्ता, ई-जग़न चंपापेट, रोहित अग्रवाल, सुमन अग्रवाल, संजय गोयल, किरण गोयल, श्याम सुंदर अग्रवाल, सुरेश सिंघल, सोहनलाल दाहीमा और अन्य कई सदस्य उपस्थित थे।

यह सेवा लगातार ज़रूरतमंदों को भोजन उपलब्ध कराती है, जो कि ग्रुप के सेवा भाव को दर्शाती है।

अग्रवाल समाज तेलंगाना द्वारा महाराजा अग्रसेन जी की 5149वीं जयंती का उत्सव आज से

हैदराबाद, 29 अगस्त 2 (शुभ लाभ ब्यूरो)। अग्रवाल समाज तेलंगाना द्वारा युग प्रवर्तक और अग्रकुल के जनक महाराजा अग्रसेन जी की 5149वीं जयंती का उत्सव 30 अगस्त 2025 से बड़े उत्साह और भक्ति के साथ शुरू होने जा रहा है। इस पावन अवसर पर नगर के विभिन्न सार्वजनिक स्थलों पर महाराजा अग्रसेन जी की प्रतिमाओं की पूजा-अर्चना के साथ जयंती महोत्सव का शुभारंभ होगा।

30 अगस्त को अग्रवाल समाज तेलंगाना के विभिन्न जोनल कॉर्डिनेटर्स द्वारा अपने-अपने क्षेत्र की शाखाओं के साथ निम्नलिखित स्थानों पर महाराजा अग्रसेन जी की प्रतिमाओं की पूजा-अर्चना का आयोजन किया जाएगा: टैंकबंड स्थित जगदीश मंदिर, अग्रसेन चौक, बंजारा हिल्स, निम्स हॉस्पिटल और अग्रवाल शिक्षा समिति शामिल हैं।

इन स्थानों पर भक्तजन सुबह से ही एकत्रित होकर महाराजा अग्रसेन जी की प्रतिमाओं की विधि-विधान से पूजा करेंगे। पूजा-अर्चना के दौरान भक्ति भजनों और आरती के साथ उत्सव का माहौल और अधिक भक्तिमय होगा।

जयंती महोत्सव के प्रधान संयोजक एवं अग्रवाल समाज तेलंगाना के उपाध्यक्ष रूपेश अग्रवाल ने सभी शाखाओं और समाज के सदस्यों से अपील की है कि वे अपने-अपने जोनल कॉर्डिनेटर्स द्वारा निर्धारित स्थानों पर बड़ी संख्या में उपस्थित होकर इस पावन अवसर को धूमधाम से मनाएँ। उन्होंने कहा, महाराजा अग्रसेन जी के आदर्शों-समानता, भाईचारा, और सामाजिक कल्याण-को अपनाते हुए हमें इस उत्सव को एकजुट होकर भव्य और यादगार बनाना है।

महाराजा अग्रसेन जी को अग्रवाल और अग्रहारी समुदाय का संस्थापक माना जाता है। वे प्राचीन भारत के एक महान शासक थे, जिन्होंने अग्रोहा (वर्तमान हरियाणा) में अपने शासनकाल के दौरान समानता, गौ सेवा, और सामाजिक कल्याण के सिद्धांतों को स्थापित किया। उनकी प्रसिद्ध 'एक ईंट और एक रुपया' की अवधारणा ने नवागंतुक परिवारों को आवास और व्यवसाय शुरू करने में सहायता प्रदान की, जो समाज में एकता और समृद्धि का प्रतीक बन गई। उनकी शिक्षाएँ आज भी अग्रवाल समुदाय के लिए प्रेरणा का स्रोत हैं।

जयंती महोत्सव के तहत पूजा-अर्चना के साथ-साथ विभिन्न सांस्कृतिक और सामाजिक कल्याण गतिविधियों का भी आयोजन किया जाएगा। अग्रवाल समाज तेलंगाना द्वारा भविष्य में होने वाले कार्यक्रमों में भजन संकीर्तन, शोभा यात्रा, और सामुदायिक भोज जैसी गतिविधियाँ शामिल हो सकती हैं, जो महाराजा अग्रसेन जी के संदेश को और अधिक व्यापक बनाएँगी।

अग्रवाल समाज तेलंगाना ने सभी समुदाय के सदस्यों और भक्तों से इस जयंती महोत्सव में शामिल होने का हार्दिक निमंत्रण दिया है। यह आयोजन न केवल महाराजा अग्रसेन जी के प्रति श्रद्धा प्रकट करने का अवसर है, बल्कि उनके आदर्शों को जीवन में अपनाने और सामाजिक एकता को मजबूत करने का भी एक माध्यम है।

राजस्थानी स्नातक संघ द्वारा मासिक भाषण माला का आयोजन कल

हैदराबाद, 29 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)।

राजस्थानी स्नातक संघ की ओर से रविवार, 31 अगस्त को मासिक भाषण माला कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। इस महीने का विषय है साइबर स्मार्ट दुनिया में सुरक्षित जीवन।इस महत्वपूर्ण विषय पर अपना संबोधन प्रस्तुत करने के लिए सेवानिवृत्त पुलिस अधीक्षक और ट्रुथ लैब के निदेशक श्री यू. राम मोहन राव उपस्थित होंगे। यह कार्यक्रम एबिड्स स्थित अग्रवाल समाज मीटिंग हॉल, 10वीं मंजिल, राघव रत्न टावर में आयोजित होगा।कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए आयोजक समिति के सदस्यों, जिसमें संयोजक ए.के. वाजपेयी, अध्यक्ष मनोज गोयल, मानद मंत्री अजय कुमार अग्रवाल, समन्वयक नरसिंह चितलांगी और परामर्शदाता डॉ. महेश शर्मा शामिल हैं, ने बैठक कर तैयारियों पर चर्चा की।समिति ने शहर के सभी जागरूक नागरिकों से इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में भाग लेने का आग्रह किया है ताकि वे इस ज्वलंत विषय पर दिए जाने वाले संबोधन का लाभ उठा सकें।

श्री सहस्त्रफणा पार्श्वनाथ जैन संघ में जाजम बिछाने का पुण्य लाभ

हैदराबाद, 29 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। श्री सहस्त्रफणा पार्श्वनाथ श्वेतांबर जैन संघ, रसूलपुरा में प. पू. भावरत्नाश्रीजी म.सा. आदि ठाणा - 08 की मंगलमयी छत्रछाया में महावीर जन्म वाचन के शुभ अवसर पर एक धार्मिक आयोजन संपन्न हुआ। जैनरत्न रमेश पी. तातेड ने प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से बताया कि इस पावन अवसर पर संघवी श्रीमती कमलाबाई छगनलालजी कोठारी परिवार, मुंडारा ने जाजम बिछाने का लाभ लेकर धर्म, भक्ति और समाज सेवा के प्रति अपनी गहरी श्रद्धा का परिचय दिया।विशेष रूप से म.सा. द्वारा जाजम पर वास्क्षेप पूजन कर वातावरण को और अधिक मंगलमय एवं पुण्यप्रद बनाया गया। ट्रस्टीगण ने इस अवसर पर लाभार्थी परिवार का भावपूर्ण बहुमान किया।

इस धार्मिक आयोजन में संघवी कमलाबाई कोठारी मुंडारा, संघवी निर्मलजी-दिलखुश कोठारी, संघवी रमणजी-प्रभावती कोठारी, संघवी रविन्द्रजी-हेमा कोठारी, निखिल, आदित, राज एवं पूरा कोठारी परिवार, मंत्री सुधीरजी आर. कोठारी, अशोकजी मेहता, जैन रत्न रमेशजी पी. तातेड, प्रकाशमलजी-रोहिणीबेन भंडारी, मुकेशजी कटारिया, नारपतजी मेहता, रामसिंहजी सुरेशजी मेहता, विक्रम भंडारी, नितिन मेहता, रितेश तातेड सहित संघ के अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

विशेष रूप से संघाध्यक्ष संघवी निर्मल कोठारी एवं मंत्री सुधीर आर. कोठारी के सहयोग से यह आयोजन अत्यंत यादगार बन सका।

क्षत्रिय राजपूत सभा कार्यालय में श्री गणेश जी की पूजा आयोजित

हैदराबाद, 29 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)।

क्षत्रिय राजपूत सभा (तेलंगाना) के कार्यालय में स्थापित श्री गणेश जी की पूजा अर्चना का आयोजन किया गया। यह पूजा क्षत्रिय राजपूत सभा महिला विभाग के सदस्यों द्वारा आयोजित की गई थी।

इस पावन अवसर पर सभा के अध्यक्ष ठाकुर जयवीर सिंह सहित महिला विभाग की सभी सदस्याएँ उपस्थित रहीं।

पूजा के दौरान श्रद्धा और भक्ति के साथ भगवान गणेश का वन्दन किया गया और सुख, समृद्धि एवं मंगलमय जीवन की कामना की गई।

यह आयोजन समाज में श्रद्धा और सद्भावना को बढ़ावा देने हेतु आयोजित किया गया था।

अक्कापेली पलावागु पर उच्च स्तरीय पुल निर्माण की मांग

चेन्नूर, 29 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। हाल ही में हुई भारी बारिश के कारण अक्कापेली पलावागु पर बना निम्न स्तरीय पुल बह गया, जिससे चेन्नूर और अक्कापेली के बीच परिवहन सुविधा पूरी तरह बाधित हो गई। इस समस्या को लेकर भाजपा जिला अध्यक्ष नागुनुरी वेंकटेश्वर गौड़ ने चेन्नूर नगर के नेताओं के साथ अक्कापेली पलावागु का दौरा किया।

इस अवसर पर गौड़ ने कहा कि 25 साल पहले निर्मित निम्न स्तरीय पुल की समय पर मरम्मत नहीं की गई, जिसके चलते भारी बारिश में यह पुल क्षतिग्रस्त हो गया। इससे कोटापल्ली मंडल से चेन्नूर नगर जाने वाले लोगों को भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने कोटापल्ली और चेन्नूर के लोगों की समस्याओं को ध्यान में रखते हुए मंत्री विवेक वेंकट स्वामी से इस नाले पर उच्च स्तरीय पुल निर्माण के लिए तत्काल धनराशि जारी करने की मांग की।

गौड़ ने यह भी बताया कि पूर्व में टीआरएस सरकार ने इस नाले पर पुल निर्माण की आधारशिला रखी थी, लेकिन कार्य आगे नहीं बढ़ा। उन्होंने वर्तमान सरकार से क्षेत्रवासियों की कठिनाइयों को प्राथमिकता देते हुए तुरंत पुल निर्माण शुरू करने का आग्रह किया।

इस दौरे में भाजपा जिला महासचिव दुर्गम अशोक, मंडल नगर अध्यक्ष बुर्रा राजशेखर गौड़, थुम्मा श्रीपाल, राज्य परिषद सदस्य बत्तुला समैया, जिला सचिव सुरेखा रमैया, जिला वरिष्ठ नेता रापार्थी वेंकटेश्वर, कोंडापाका चारी, केवीएम श्रीनिवास, भाजयुमो नेता एथम शिवकृष्ण शेगम, और चंद्रय्या प्रसाद सहित अन्य नेता उपस्थित रहे।

किनवट में बाढ़ पीड़ितों को राशन किट वितरित

किनवट, 29 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)।

किनवट में अतिवृष्टि से प्रभावित बाढ़ पीड़ित परिवारों की सहायता के लिए साने गुरुजी अस्पताल परिसर में राशन किट वितरण का दूसरा चरण आयोजित किया गया। इस अवसर पर विधायक भिमराव केराम ने कहा कि समाज सेवा का क्षेत्र अत्यंत व्यापक है। आपदा के समय कर्तव्य भावना से की गई सेवा ही सबसे महान होती है। उन्होंने डॉ. अशोक बेलखोडे और उनकी टीम के समाज सेवा कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि गरीब और जरूरतमंद लोगों तक सहायता पहुंचाने में उनकी भूमिका प्रशंसनीय है।

विधायक केराम ने आगे बताया कि अतिवृष्टि से हुए नुकसान का दौरा कर तत्काल सर्वेक्षण और सहायता के लिए सरकार से मांग की गई है। किनवट में नगर परिषद और प्रशासन बाढ़ पीड़ितों की मदद के लिए निरंतर कार्यरत है। उन्होंने आश्वासन दिया कि सरकार हर संभव तरीके से बाढ़ पीड़ितों की सहायता के लिए कटिबद्ध है।

भारत जोड़ो युवा अकादमी के प्रमुख डॉ. अशोक बेलखोडे ने कहा कि विभिन्न सामाजिक उपक्रमों के माध्यम से उनकी सेवा कार्य जारी है। अतिवृष्टि से हुए नुकसान की जानकारी और बाढ़ पीड़ितों की सहायता की मांग पर मुंबई के कमल उदवाडिया फाउंडेशन, पारस फूड्स एंड ऑयल्स लिमिटेड, और रोटरी क्लब ऑफ बॉम्बे संेचुरी इनरव्हील ने सहयोग का हाथ बढ़ाया। उनकी मदद से अब तक 365 राशन किट वितरित किए गए हैं। डॉ. बेलखोडे ने यह भी घोषणा की कि बाढ़ प्रभावित क्षेत्र की महिलाओं के लिए साने गुरुजी अस्पताल में एक वर्ष तक निःशुल्क डिलीवरी की सुविधा उपलब्ध होगी।

कार्यक्रम में तहसीलदार शारदा चौडेकर, डॉ. योगेंद्र वरटकर, डॉ. भाग्यश्री बेलखोडे, वैजनाथ करपुडे, अनिल तिरमनवार, यशवंत जाधव, के. मूर्ति अण्णा, बालकृष्ण कदम, स्वागत आयनेनीवार, आत्माराम मुंडे, एड. मिलिंद सरपे, गंगुबाई परेकर, संगीता पाटील, साजिद बडगुजर, आशीष देशपांडे, नसीर तगाले, मोहन कोमरवार, बाबु पटेल, सुनील व्यवहारे, राजिक, गंगाधर कदम सहित बाढ़ पीड़ित लोग उपस्थित थे।

कार्यक्रम की सफलता के लिए साने गुरुजी परिवार के सदस्यों ने विशेष प्रयास किए।

एसएमआर विनय आइकॉनिया कोंडापुर में श्री गणेश पूजा का आयोजन

हैदराबाद, 29 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। कोंडापुर के एसएमआर विनय आइकॉनिया परिसर में श्री गणेश पूजा का भव्य आयोजन किया गया। यह पूजा समारोह वरिष्ठ नागरिक समूह द्वारा आयोजित किया गया था, जिसमें समूह के वरिष्ठ सदस्यों ने भाग लिया।

इस शुभ अवसर पर संतोष टांटिया, डॉ. चक्रपाल सिंह, विजय कपूर, विनोद शर्मा, दामोदर पुगालिया, राजेंद्र राठी, रामचंद्र नंदुरी, राजेंद्र नौलखा, देशभूषण जैन, नितिन और अश्विंदर सोनी उपस्थित थे।सभी ने इस पूजा के माध्यम से सुख, समृद्धि और मंगलमय जीवन की कामना की। कार्यक्रम का आयोजन समाज में सद्भाव और श्रद्धा का वातावरण बनाने के उद्देश्य से किया गया।

केबीआर पार्क में गणेश पूजा में भक्तों ने श्रद्धा और उल्लास के साथ भाग लिया

हैदराबाद, 29 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)।

केबीआर पार्क में इच्छापूर्ति श्री गणेश जी की पूजा में सर्वप्रथम आरती हुई, जिसके बाद प्रसाद वितरण किया गया।

इस प्रसाद में अंगूर दाना और कदम्भट का प्रसाद विशेष रूप से शामिल था, जिसे सभी श्रद्धालु-ओं ने बड़े आनंद और श्रद्धा के साथ ग्रहण किया। पूजा में शामिल प्रमुख भक्तों में राजेंद्र कुमार अग्रवाल, सुरेंद्र कुमार अग्रवाल, गोपाल बलदवा, माया अग्रवाल, संध्या रानी अग्रवाल, विमला बाई, संतोष बाई अग्रवाल, विट्ठलदास अग्रवाल, पी.सी. जैन, राजेंद्र प्रसाद, रामप्रसाद बंसल, आदित्य बंसल, रुचि अग्रवाल, अश्विन अग्रवाल, भोज रेड्डी, विजय कुमार अग्रवाल, प्रमोद अग्रवाल, विनोद टिकमानी, नरेंद्र अग्रवाल, अशोक अग्रवाल, मोहन लाल मित्तल, दीपक कुमार सरायवाला आदि श्रद्धालु मौजूद थे।

सभी ने मिलकर भगवान की पूजा की और सुख, शांति एवं समृद्धि की कामना की। यह आयोजन समाज में श्रद्धा और भक्ति की भावना को और मजबूत बनाने का माध्यम बना।

'एक शाम श्याम बाबा के नाम' जागरण आज

हैदराबाद, 29 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)।

कोमपल्ली स्थित श्री कन्वेंशन हॉल में आज, 30 अगस्त को एक शाम श्याम बाबा के नाम भजन संध्या का आयोजन किया जा रहा है।

इस धार्मिक जागरण में कई प्रमुख हस्तियों को विशेष अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया है।

बंसल परिवार और मनीष भाई द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में भाजपा के वरिष्ठ नेता भी शामिल होंगे। आमंत्रित अतिथियों में भाजपा संगठन मंत्री चंद्रशेखर, बीजेपी प्रभारी रामचंद्र राव, मल्काजगीरी के सांसद ईटेला राजेंद्र, मध्य प्रदेश के प्रभारी मुरलीधर राव के साथ-साथ दर्शन अग्रवाल और शांतिलाल सुथार भी शामिल हैं। यह भजन संध्या भक्तों के लिए श्याम बाबा के नाम पर भक्ति और आध्यात्म से भरी एक शाम होगी।

आरपीएफ ने 2.76 लाख की चोरी का सोना और इलेक्ट्रॉनिक सामान बरामद किया

रायचूर/हैदराबाद, 29 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। रायचूर रेलवे स्टेशन पर रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) और सरकारी रेलवे पुलिस (जीआरपी) ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार किया और 2,76,000 रुपये मूल्य का चोरी का सामान बरामद किया। बरामद सामान में सोना, लैपटॉप, टैब और तीन मोबाइल फोन शामिल हैं।28 अगस्त 2025 को रायचूर रेलवे स्टेशन पर गोपनीय निगरानी के दौरान, गंटकल डिवीजन के आरपीएफ/डिटेक्शन एंड इन्-वेस्टिगेशन विंग के सहायक उप-निरीक्षक और जीआरपी कर्मियों ने ट्रेन नंबर 09093 बांद्रा टर्मिनस-वेलांकन्नी स्पेशल के आगमन पर एक संदिग्ध को हिरासत में लिया। उसके बैग की जांच करने पर चोरी का सामान बरामद हुआ, जिसमें 4 ग्राम का सोने का मंगलसूत्र (मूल्य 40,000 रुपये), डेल लैपटॉप (मूल्य 1,30,000 रुपये), तीन मोबाइल फोन (मूल्य 47,000 रुपये) और एक एप्पल टैब (मूल्य 59,000 रुपये) शामिल थे। पूछताछ के दौरान, आरोपी ने विभिन्न ट्रेनों में चोरी की वारदातों को अंजाम देने की बात कबूल की। उसे रायचूर के माननीय जेएमएफसी-3 (ज्यूडिशियल मजिस्ट्रेट फर्स्ट क्लास) के समक्ष रिमांड के लिए पेश किया जा रहा है।दक्षिण मध्य रेलवे के महाप्रबंधक श्री संजय कुमार श्रीवास्तव ने आरपीएफ और जीआरपी कर्मियों की सतर्कता और समय पर कार्रवाई की सराहना की, जिसके परिणामस्वरूप एक नियमित यात्रियों के निजी सामान की चोरी करने वाले अपराधी को पकड़ा गया। उन्होंने कहा कि रेलवे सुरक्षा बल यात्रियों की भलाई और सुरक्षा के लिए प्रतिबद्ध है।

शुभ लाभ Classifieds FIND BUY SELL

CHANGE OF NAME

I, Service No. 15419048H Nk RAJA SEKHAR MADDIRALA, Resident of H.No.9-46, Vill:Kothapeta, PO: M.Pullacheruvu, Teh:Bestavaripeta, Dist:Prakasam, Andhra Pradesh-523346 declare that my Son name is to be changed from DHANUSH RAJ M to MADDIRALA DHANUSH RAJ vide affidavit dt:29-8-2025 before C.Samuel, Advocate and Notary, Secunderabad.

CHANGE OF NAME AND DOB

I, M KRISHNAVENI spouse of Service No. 15419048H Nk RAJA SEKHAR MADDIRALA, Resident of H.No.9-46, Vill:Kothapeta, PO:M.Pullacheruvu, Teh:Bestavaripeta, Dist:Prakasam, Andhra Pradesh-523346 have changed my name and DOB from M KRISHNAVENI, DOB:06-01-1989 to MADDIRALA KRISHNAVENI, DOB:02-02-1990 vide affidavit dt:29-8-2025 before C.Samuel, Advocate and Notary, Secunderabad.

CHANGE OF NAME

I, Service No. 15419048H Nk RAJA SEKHAR MADDIRALA, Resident of H.No.9-46, Vill:Kothapeta, PO: M.Pullacheruvu, Teh:Bestavaripeta, Dist:Prakasam, Andhra Pradesh-523346 declare that my Daughter name is to be changed from M GANGOTRI to MADDIRALA GANGOTHRI vide affidavit dt:29-8-2025 before C.Samuel, Advocate and Notary, Secunderabad.

भाकृअनुप–भारतीय श्री अन्न अनुसंधान संस्थान, हैदराबाद में विकसित भारत अभियान की तैयारी बैठक आयोजित

हैदराबाद, 29 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। विकसित भारत 2047 की दूरदृष्टि को साकार करने के लिए कृषि परिवर्तन के माध्यम से किए जा रहे प्रयासों के तहत, भाकृअनुप–भारतीय श्री अन्न अनुसंधान संस्थान, हैदराबाद में 29 अगस्त 2025 को तेलंगाना समन्वय समिति की राज्य स्तरीय कार्यशाला और विकसित कृषि संकल्प अभियान (वीकेएसए) रबी अभियान (3–18 अक्टूबर 2025) की तैयारी बैठक संपन्न हुई। यह कार्यशाला तेलंगाना में कृषि विकास के लिए एक ठोस कार्ययोजना तैयार करने और आगामी रबी अभियान की रणनीति को अंतिम रूप देने के लिए आयोजित की गई।

बैठक की अध्यक्षता डॉ. सी तारा सत्यवती, निदेशक, भाकृअनुप–भारतीय श्री अन्न अनुसंधान संस्थान और तेलंगाना की नोडल अधिकारी, ने की। इस अवसर पर हैदराबाद स्थित विभिन्न भाकृअनुप संस्थानों के निदेशकों और वरिष्ठ प्रतिनिधियों के साथ–साथ राज्य कृषि विश्वविद्यालयों (पीजेटीएसएयू, एसकेएलटीएचयू, पीवीएनआरटीवीयू), बागवानी विभाग, और अन्य संबंधित विभागों के अधिकारियों ने भाग लिया। ऑनलाइन और ऑफलाइन माध्यम से कुल 30 प्रतिभागियों ने इस विचार–विमर्श में हिस्सा लिया।

बैठक में निम्नलिखित प्रमुख बिंदुओं पर विस्तृत चर्चा हुई:

पंचवर्षीय कार्य योजना: तेलंगाना में कृषि विकास के लिए अगले पांच वर्षों की रणनीति तैयार करना।

कार्यक्रमों का अभिसरण: भाकृअनुप, राज्य सरकार, कृषि विज्ञान केंद्रों, और राज्य कृषि विश्वविद्यालयों के बीच सहयोग और समन्वय को मजबूत करना।

राज्य–विशिष्ट प्राथमिकताएँ: अनुसंधान, विस्तार, और प्रौद्योगिकी हस्तांतरण को बढ़ावा देने के लिए तेलंगाना की स्थानीय आवश्यकताओं की पहचान।

राज्य समन्वय समिति का गठन: केंद्रीय और राज्य सरकार की पहलों के बीच तालमेल स्थापित करने के लिए समिति का निर्माण।

किसानों की आय और स्थिरता: किसानों की आय बढ़ाने, जलवायु–अनुकूल कृषि प्रथाओं को अपनाने, और संसाधनों के कुशल उपयोग के लिए रणनीति।

डॉ. सी तारा सत्यवती ने अपने संबोधन में तेलंगाना में कृषि अनुसंधान और विकास को मजबूत करने के लिए केंद्र और राज्य एजेंसियों के बीच बेहतर समन्वय और अभिसरण की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा, कृषि परिवर्तन के माध्यम से विकसित भारत 2047 के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए सामूहिक प्रयास और प्रौद्योगिकी हस्तांतरण में तेजी लाना अनिवार्य है।

बैठक में उपस्थित अन्य निदेशकों, जैसे डॉ. आर के माथुर (निदेशक, भाकृअनुप–भारतीय तिलहन अनुसंधान संस्थान), डॉ. आर एम सुंदरम (निदेशक, भाकृअनुप–भारतीय चावल अनुसंधान संस्थान), और डॉ. एस एन मीरा (निदेशक, भाकृअनुप–अटारी), ने भी विकसित भारत और विकसित कृषि संकल्प अभियान के लक्ष्यों को साकार करने के लिए संस्थागत सहयोग और सामूहिक कार्रवाई के महत्व पर बल दिया।

बैठक तेलंगाना के लिए एक राज्य–विशिष्ट भावी कार्ययोजना विकसित करने की प्रतिबद्धता के साथ संपन्न हुई। अगले पांच वर्षों के लिए अनुसंधान, विस्तार, और विकास गतिविधियों को संरेखित करने और प्रभावी कार्यान्वयन के लिए आवधिक निगरानी पर सहमति बनी। यह कार्ययोजना तेलंगाना में किसानों की आय बढ़ाने, जलवायु–अनुकूल कृषि को बढ़ावा देने, और संसाधनों के कुशल उपयोग को सुनिश्चित करने पर केंद्रित होगी।

विकसित कृषि संकल्प अभियान (वीकेएसए) रबी अभियान (3–18 अक्टूबर 2025) के तहत तेलंगाना में किसानों को नवीनतम कृषि प्रौद्योगिकियों, मृदा स्वास्थ्य प्रबंधन, और फसल उत्पादकता बढ़ाने के लिए समयबद्ध मार्गदर्शन प्रदान किया जाएगा। यह अभियान भारत को 2047 तक विश्व की खाद्य टोकरी बनाने के लक्ष्य को समर्थन देगा।

बैठक में भाकृअनुप के विभिन्न संस्थानों के निदेशकों और प्रतिनिधियों के अलावा, तेलंगाना के राज्य कृषि विश्वविद्यालयों (प्रोफेसर जयशंकर तेलंगाना स्टेट एग्रीकल्चरल यूनिवर्सिटी, श्री कोंडा लक्ष्मण तेलंगाना स्टेट हॉर्टिकल्चरल यूनिवर्सिटी, पीवी नरसिम्हा राव तेलंगाना वेटरनरी यूनिवर्सिटी) और बागवानी विभाग के अधिकारियों ने भी सक्रिय भागीदारी की।

यह आयोजन तेलंगाना में कृषि क्षेत्र को सशक्त बनाने और विकसित भारत 2047 के दृष्टिकोण को साकार करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

ईसीआईएल को स्कोप उत्कृष्टता पुरस्कार से सम्मानित किया गया

नई दिल्ली, 29 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो) – इलेक्ट्रॉनिक्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (ईसीआईएल) को वर्ष 2022–23 के लिए संस्थागत उत्कृष्टता श्रेणी में प्रतिष्ठित स्कोप उत्कृष्टता पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। पुरस्कार वितरण समारोह 29 अगस्त 2025 को नई दिल्ली के विज्ञान भवन में आयोजित हुआ, जहाँ भारत की माननीय राष्ट्रपति, श्रीमती द्रौपदी मुर्मू ने यह पुरस्कार प्रदान किया।

ईसीआईएल की ओर से यह प्रतिष्ठित पुरस्कार ी अनुराग कुमार, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक (सीएमडी) और डॉ. अनेश कुमार शर्मा, उत्कृष्ट वैज्ञानिक एवं निदेशक (तकनीकी) ने ग्रहण किया। यह सम्मान ईसीआईएल की उत्कृष्टता, नवाचार और रणनीतिक इलेक्ट्रॉनिक्स क्षेत्र में विभिन्न महत्वपूर्ण क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान के प्रति अटूट प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है।

स्कोप उत्कृष्टता पुरस्कार उन केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र उपक्रमों (सीपीएसई) को प्रदान किया जाता है जो कॉर्पोरेट गवर्नेंस, वित्तीय प्रबंधन और सामाजिक उत्तरदायित्व में उत्कृष्ट प्रदर्शन का उदाहरण प्रस्तुत करते हैं। ईसीआईएल को इस प्रतिष्ठित पुरस्कार का प्राप्त होना, इसके तकनीकी उन्नति और रणनीतिक इलेक्ट्रॉनिक्स में राष्ट्र की आत्मनिर्भरता में महत्वपूर्ण योगदान को मजबूत करता है। यह उपलब्धि परमाणु ऊर्जा विभाग (डीएई) के आदर्श वाक्य, राष्ट्र की सेवा में परमाणु के साथ पूर्ण रूप से सरेखित है।

विज्ञान भवन में आयोजित इस समारोह में विभिन्न केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र उपक्रमों के गणमान्य व्यक्तियों और प्रतिनिधियों ने भाग लिया। यह आयोजन भारत के सामाजिक–आर्थिक प्रगति में सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों के महत्व को दर्शाता है।

ईसीआईएल ने रणनीतिक इलेक्ट्रॉनिक्स के क्षेत्र में अपनी अग्रणी भूमिका निभाई है, जो रक्षा, अंतरिक्ष, परमाणु ऊर्जा, और अन्य महत्वपूर्ण क्षेत्रों में नवाचार और आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देता है। इस पुरस्कार ने ईसीआईएल की तकनीकी विशेषज्ञता और राष्ट्र निर्माण में इसके योगदान को और अधिक रेखांकित किया है।

पुरस्कार प्राप्त करने के बाद, श्री अनुराग कुमार ने कहा, यह पुरस्कार ईसीआईएल की पूरी टीम के समर्पण और कठिन परिश्रम का परिणाम है। हम राष्ट्र की सेवा में और अधिक नवाचार और उत्कृष्टता के लिए प्रतिबद्ध हैं। डॉ. अनेश कुमार शर्मा ने भी इस उपलब्धि को ईसीआईएल के कर्मचारियों और हितधारकों के सामूहिक प्रयासों का सम्मान बताया।

ईसीआईएल इस सम्मान को प्रेरणा के रूप में लेते हुए, रणनीतिक इलेक्ट्रॉनिक्स के क्षेत्र में अपनी नेतृत्वकारी भूमिका को और मजबूत करने के लिए कटिबद्ध है। यह पुरस्कार न केवल ईसीआईएल की उपलब्धियों का उत्सव है, बल्कि भारत को आत्मनिर्भर और तकनीकी रूप से उन्नत बनाने की दिशा में इसके निरंतर प्रयासों का प्रमाण भी है।

विभिन्न स्थानों पर गोयल परिवार द्वारा गणेश पूजन

हैदराबाद, 29 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। गणपति उत्सव के पावन अवसर पर, गोयल परिवार और उनके प्रतिष्ठानों में भगवान गणेश का पूजन किया गया। यह पूजन पंडित श्री अंबुज शुक्ला द्वारा विधि–विधान से संपन्न कराया गया।पूजन समारोह विभिन्न स्थानों पर आयोजित किए गए। जिनमें–

निवास, कुत्बीगुडा: गोयल परिवार के निवास स्थान पर गणेश जी की पूजा–अर्चना की गई।गोयल फार्मा, सुल्तान बाज़ार: सुल्तान बाज़ार स्थित गोयल फार्मा में भी गणेश जी की प्रतिमा स्थापित कर पूजन किया गया।

गोयल ड्रग्स, बेगमपेट: बेगमपेट में स्थित गोयल ड्रग्स के कार्यालय में भी यह शुभ कार्य संपन्न हुआ।इन सभी आयोजनों में राम प्रकाश अग्रवाल, कुंशी अग्रवाल, लेहक अग्रवाल, और गोयल फार्मा व गोयल ड्रग्स के कर्मचारी सहित कई अन्य लोग उपस्थित रहे। सभी ने मिलकर भगवान गणेश का आशीर्वाद लिया और एक–दूसरे को त्योहार की शुभकामनाएँ दीं।

वैष्णो देवी हादसे पर बढ़ती जा रही रार

सीएम मृतकों के परिजनों ने एलजी के खिलाफ खोला मोर्चा

एलजी के बचाव में श्राइन बोर्ड मैदान में आया

जम्मू, 29 अगस्त (ब्यूरो)। वैष्णो देवी हादसे पर रार बढ़ती जा रही है। मुख्यमंत्री, उप मुख्यमंत्री और मृतकों के परिजनों द्वारा जो मोर्चा श्राइन बोर्ड के सर्वोसर्वा उप राज्यपाल मनोज सिन्हा के खिलाफ खोला गया है अब उनके बचाव में श्राइन बोर्ड आ गया है। जो अभी भी यह जवाब नहीं दे पा रहा है कि अगर उसने यात्रा को स्थगित किया था तो इतने श्रद्धालु हादसे वाले स्थान का इस्तेमाल क्यों कर रहे थे।वैष्णो देवी मार्ग पर हुई घटना को लेकर कई तरह के सवाल खड़े किए जा रहे हैं। डिप्टी सीएम सुरिंदर चौधरी ने इस हादसे के लिए श्राइन बोर्ड को जिम्मेदार ठहराया था। दरअसल वैष्णो देवी यात्रा में रूट से लेकर यात्रा कब तक चलेगी और कब बंद रहेगी, किस समय कौन दर्शन करेगा क्या व्यवस्था बनाई जाएगी, इन सबकी जिम्मेदारी श्राइन बोर्ड के पास है। यही कारण है कि हादसे के बाद कई तरह के सवाल श्राइन बोर्ड पर उठाए गए है। इसमें पूछ गया कि भक्तों की जिंदगी के साथ खिलवाड़ क्यों किया गया? मौसम का अलर्ट होते हुए भी यात्रा रोकी क्यों नहीं गई? बोर्ड की तरफ से कहा गया कि मौसम की जानकारी लगते ही सिर्फ रजिस्ट्रेशन बंद कर दिए गए थे।वैष्णो देवी हादसे के बाद श्राइन बोर्ड पर सीएम उमर समेत सरकार के लोगों ने आरोप लगाए थे। जम्मू कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने भी सवाल उठाया है कि जब आपदा की चेतावनी दी गई थी, तब अधिकारियों ने तीर्थयात्रियों को क्यों नहीं रोका गया। उन्होंने कहा कि मौसम विभाग ने 25 और 26 अगस्त के लिए जम्मू कश्मीर में भारी बारिश, बादल फटने और लैंडस्लाइड का अलर्ट जारी किया था। अगले 7 दिन भी भारी बारिश की चेतावनी दी थी। इतनी क्लियर एडवाइजरी के बावजूद श्राइन बोर्ड ने यात्रा नहीं रोकी थी। विधायक बलदेव राज शर्मा ने भी कहा कि ये श्राइन बोर्ड की भूल है। इस भूल का नतीजा ये निकला है।वैसे आरोपों का खंडन करते हुए श्राइन बोर्ड ने अपना जवाब दिया है। श्राइन बोर्ड की ओर से यह स्पष्ट किया गया है कि मौसम विभाग की किसी भी चेतावनी को नजरअंदाज नहीं किया गया था। बोर्ड का दावा था कि 26 अगस्त को बादल फटने और भूस्खलन से पहले ही दोपहर में तीर्थयात्रा स्थगित कर दी गई थी। हालांकि, अभी तक श्राइन बोर्ड ने इस आपदा में हुई मौतों की संख्या के बारे में कोई जानकारी नहीं दी है। मृतकों के स्वजन इस घटना से आहत हैं। उनका कहना है कि उन्हें किसी ने भी आगे के खतरे के बारे में सतर्क नहीं किया।

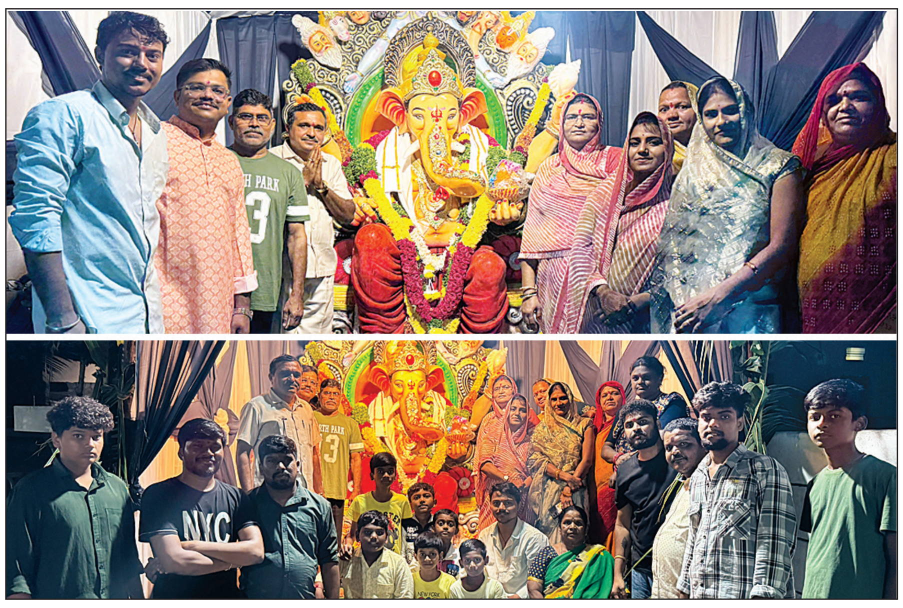

चिरियाल विलेज, कीसरा मंडल, मेडचल में रॉक स्टार युथ एसोसिएशन द्वारा स्थापित गणेश पंडाल में भगवान श्री गणेश जी की पूजा–अर्चना करते हुए श्रीआई जी गौशाला एवं अन्य पदाधिकारी एवं भक्तगण।

राजस्थानी फाउंडेशन हैदराबाद द्वारा जॉब मेला–3 के बैनर का अनावरण

हैदराबाद, 29 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। राजस्थानी फाउंडेशन हैदराबाद द्वारा आगामी 13 सितंबर 2025 को ऋषि श्रृंग भवन में आयोजित होने वाले जॉब मेला–3 की प्रचार सामग्री (बैनर) का अनावरण शुक्रवार को किया गया।

इस मौके पर अमरावती से आए राजस्थानी ब्राह्मण समाज के अध्यक्ष विजय ओझा ने अपने हाथों से बैनर का लोकार्पण किया। इस अवसर पर कई गणमान्य व्यक्ति मौजूद थे, जिनमें रामदेव नागला, अनिल जायलवाल, आशीष पंडित, संजय पांडिया, अशोक तिवारी, संदीप जायलवाल, अजय पंडित, विजय शर्मा पांडिया, दिलीप जायलवाल, सुरेश तिवाड़ी, कमल नारायण उपाध्याय, संतोष पंडित, संदीप पंडित और अन्य सदस्य शामिल थे। यह जॉब मेला युवाओं को रोजगार के अवसर प्रदान करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

तेलंगाना विधानसभा और विधान परिषद सत्र आज से

स्पीकर और चेयरमैन ने की सुरक्षा व व्यवस्था की समीक्षा

हैदराबाद, 29 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना विधानसभा और विधान परिषद के सत्र 30 अगस्त से शुरू होने जा रहे हैं। इसकी पूर्व संध्या पर शुक्रवार को विधानसभा अध्यक्ष गद्दाम प्रसाद कुमार, विधान परिषद के सभापति गुट्टा सुखेंद्र रेड्डी, उपसभापति बंदा प्रकाश मुदिराज और विधान सचिव डॉ. वी. नरसिम्हा चार्युलु ने राज्य सरकार और पुलिस के शीर्ष अधिकारियों के साथ एक उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक की। यह बैठक विधानसभा भवन के अध्यक्ष कक्ष में आयोजित हुई, जिसमें मुख्य सचिव के. रामकृष्ण राव, जीएडी सचिव रघुनंदन राव, अतिरिक्त सचिव (वित्त) राया रवि, निदेशक (प्रोटोकॉल) शिवलिंगैया, विशेष मुख्य सचिव (गृह) रवि गुप्ता, राज्य के डीजीपी डॉ. जितेंद्र, एडीजी (कानून और व्यवस्था) महेश भागवत, अतिरिक्त सीपी (कानून और व्यवस्था) विक्रम सिंह मान, साइबराबाद आयुक्त सुधीर बाबू, राचकोंडा आयुक्त अविनाश मोहंती, खुफिया आईजी कार्तिकेय, विधानसभा प्रमुख मार्शल कर्णकर और परिषद प्रमुख मार्शल संजीव रेड्डी सहित अन्य अधिकारी शामिल थे।

बैठक के दौरान अध्यक्ष, सभापति और उपसभापति ने मुख्य सचिव के. रामकृष्ण राव को सेवा विस्तार प्राप्त होने पर बधाई दी।अध्यक्ष गद्दाम प्रसाद कुमार ने अधिकारियों को सत्र के सुचारू संचालन के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने सरकारी विभागों से सदस्यों द्वारा मांगी गई जानकारी तत्काल उपलब्ध कराने और चर्चा के दौरान संबंधित अधिकारियों की उपस्थिति सुनिश्चित करने को कहा। साथ ही, उन्होंने पुलिस विभाग को विनायक चतुर्थी उत्सव, विसर्जन जुलूस और बारिश से क्षतिग्रस्त सड़कों को ध्यान में रखते हुए सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम करने के निर्देश दिए। उन्होंने यह भी जोर दिया कि सदस्यों के समय पर सदन में पहुंचने के लिए यातायात व्यवस्था सुचारू की जाए।विधान परिषद के सभापति गुट्टा सुखेंद्र रेड्डी ने सभी विभागों से समन्वय के साथ कार्य करने, नोडल और संपर्क अधिकारी नियुक्त करने तथा लंबित प्रश्नों के उत्तर बिना देरी के भेजने का आग्रह किया। उन्होंने तेलंगाना पुलिस की प्रशंसा करते हुए कहा कि यह देश के सबसे कुशल पुलिस बलों में से एक है और सत्र के सुचारू संचालन के लिए उनका पूर्ण सहयोग अपेक्षित है। मुख्य सचिव के. रामकृष्ण राव ने सरकार की ओर से पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि सभी विभागों के आवश्यक अधिकारी उपलब्ध कराए जाएंगे और दोनों सदनों के सुचारू संचालन के लिए समन्वय स्थापित किया जाएगा।

बीआरएस नेता ने सीएम रेवंत रेड्डी के खिलाफ ईडी में शिकायत दर्ज कराई

हैदराबाद, 29 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)।

भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के एक वरिष्ठ नेता ने तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी के खिलाफ प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) में शिकायत दर्ज कराई है।

उन्होंने आरोप लगाया है कि रेड्डी ने पद का दुरुपयोग करते हुए अपने परिवार की कंपनियों को संदिग्ध परिस्थितियों में उच्च मूल्य के सरकारी ठेके दिए हैं।

बीआरएस प्रवक्ता मन्ने कृषांक ने ईडी से इसकी गहन जांच की मांग की है। उन्होंने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री ने अपने करीबी रिश्तेदारों और सहयोगियों की कंपनियों को करोड़ों रुपये के ठेके दिलाने में मदद की, जिससे धन शोधन, हितों का टकराव और सत्ता के दुरुपयोग के संकेत मिलते हैं।शिकायत में कहा गया है कि मुख्यमंत्री के रिश्तेदार की कंपनी, शोधा कंस्ट्रक्शन्स, ने वित्तीय वर्ष 2022 में मात्र 7,13,113 रुपये की आय दर्ज की थी, बावजूद इसके, उन्हें 2024 में 1,137 करोड़ रुपये का अमृत टेंडर, 115 करोड़ रुपये का खनन अनुबंध, और 365 करोड़ रुपये का सिंचाई ठेका प्राप्त हुआ। कृषांक ने इसे धोखाधड़ीपूर्ण पक्षपात का संकेत बताया।उन्होंने यह भी बताया कि 2018 में ईडी ने रेवंत रेड्डी और उनकी कंपनी के खिलाफ संदिग्ध व्यापारिक संबंधों के कारण छापेमारी की थी। रेवंत रेड्डी द्वारा इस्तेमाल की गई कार भी उनकी कंपनी के नाम पर पंजीकृत थी, जो उनके संबंधों को दर्शाता है।कृषांक ने कहा कि वर्तमान सरकार के तहत इन कंपनियों को मिले ठेकों की जांच होनी चाहिए, जिनमें कई बड़े प्रोजेक्ट्स शामिल हैं।

तेलंगाना के छह जिलों में भारी बारिश की चेतावनी

मौसम विभाग ने दी सतर्क रहने की सलाह

हैदराबाद, 29 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। भारतीय मौसम विभाग (आईएमडी) ने सतही परिसंचरण पैटर्न में बदलाव के कारण तेलंगाना के छह जिलों में भारी बारिश की चेतावनी जारी की है। बंगाल की खाड़ी और अरब सागर से आने वाली नमी युक्त हवाएं इस भारी बारिश के लिए मुख्य रूप से जिम्मेदार हैं।

मौसम विभाग के अनुसार, विशेष रूप से कामारेड्डी, मेदक और सिद्दीपेट जिलों में कामारेड्डी के ऊपर बने उच्च दबाव क्षेत्र के प्रभाव के कारण बहुत भारी बारिश होने की संभावना है। इसके अलावा, मध्य छत्तीसगढ़ में बना निम्न दबाव क्षेत्र भी प्रतिकूल मौसमी परिस्थितियों को बढ़ा रहा है।

पिछले 24-48 घंटों में कामारेड्डी में 20 सेंटीमीटर तक बारिश दर्ज की गई है, जिससे कुल वर्षा 60 सेंटीमीटर तक पहुंच गई है। वहीं, सिद्दीपेट में 20 सेंटीमीटर से अधिक और मेडक में 30 सेंटीमीटर तक बारिश हुई है।

आने वाले दिनों में मौसम की स्थिति और खराब होने की आशंका को देखते हुए मौसम विभाग ने निवासियों को सतर्क रहने और आवश्यक सावधानियां बरतने की सलाह दी है। अधिकारियों ने निचले इलाकों में रहने वाले लोगों को विशेष रूप से सावधान रहने और बाढ़ जैसी स्थिति के लिए तैयार रहने की हिदायत दी है।

तेलंगाना के बाढ़ प्रभावित क्षेत्र जलमग्न, राहत और बचाव अभियान तेज

हैदराबाद, 29 अगस्त(शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना के कामारेड्डी और मेडक जिलों के बाढ़ प्रभावित हिस्से शुक्रवार को भी जलमग्न रहे। उत्तरी तेलंगाना में भारी बारिश के बीच अधिकारियों ने राहत और बचाव अभियान को तेज कर दिया है।पोचारम परियोजना से आए बाढ़ के पानी ने मेडक-येल्लारेड्डी राजमार्ग का एक हिस्सा बहा दिया, जिससे वाहनों का आवागमन पूरी तरह ठप हो गया। मेडक-येल्लारेड्डी राजमार्ग पर एक पुल के हिस्से के बह जाने के कारण बाढ़ में फंसे आठ लोगों को बचाने के लिए सेना का अभियान जारी है। इसके अलावा, निजामाबाद जिले में मंजीरा नदी में फंसे आठ लोगों को राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल (एनडीआरएफ) की टीम ने सुरक्षित निकाला।

कामारेड्डी जिले में राष्ट्रीय राजमार्ग 44 (हैदराबाद-नागपुर राजमार्ग) पर भारी बारिश और बाढ़ के कारण सड़क के कुछ हिस्से क्षतिग्रस्त हो गए, जिससे सदाशिवनगर मंडल से भीकनूर तक 15 किलोमीटर लंबा जाम लग गया। वाहन कछुए की गति से चल रहे थे। जिला पुलिस अधीक्षक राजेश चंद्र स्थिति पर नजर रखे हुए थे। मेदक और कामारेड्डी जिलों में भारी बारिश के कारण लगातार दूसरे दिन शैक्षणिक संस्थानों में अवकाश घोषित किया गया है।भारी बारिश के कारण गोदावरी नदी में भीषण बाढ़ आ गई है। विभिन्न परियोजनाओं के गेट खोलकर पानी को नीचे की ओर छोड़ा जा रहा है। निजामसागर परियोजना में 1.63 लाख क्यूसेक पानी का प्रवाह हो रहा था, जिसके लिए 23 गेट खोलकर 1.67 लाख क्यूसेक पानी छोड़ा गया। शुक्रवार सुबह निजामसागर का जलस्तर 1,402.92 फीट था, जबकि इसका पूर्ण जलस्तर 1,405 फीट है। जलाशय की कुल क्षमता 17.80 टीएमसी के मुकाबले 14.88 टीएमसी जल संग्रहण दर्ज किया गया।इसी तरह, श्रीराम सागर परियोजना में 4.30 लाख क्यूसेक पानी का प्रवाह था। अधिकारियों ने 39 गेट खोलकर 5.04 लाख क्यूसेक पानी नीचे की ओर छोड़ा। परियोजना का जलस्तर 1,086.60 फीट था, जबकि इसका पूर्ण जलस्तर 1,091 फीट है। 80.5 टीएमसी की कुल क्षमता के मुकाबले 65.13 टीएमसी जल संग्रहण दर्ज किया गया।सिरपद येल्लमपल्ली परियोजना में 6.76 लाख क्यूसेक पानी का प्रवाह था, और 6.52 लाख क्यूसेक पानी नीचे की ओर छोड़ा जा रहा है। मुलुगु जिले के एतुरानगरम मंडल के रामन्नागुडेम में गोदावरी नदी का जलस्तर गुरुवार को खतरे के पहले निशान को पार कर 14.83 मीटर तक पहुंच गया।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.